जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, सोमवार 17 अगस्त, 2026

सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

प्रगति पथ पर गतिमान राजस्थान

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

17 अगस्त, 2026 | प्रातः 11:30 बजे | कृषि उपज मण्डी, बारां

गरिमामयी उपस्थिति

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

श्री शिवराज सिंह चौहान
माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री

बारां एवं झालावाड़ जिलों के लिए

₹1,258 करोड़ के 98 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण

राजस्थान को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 2.89 लाख आवासों के निर्माण हेतु ₹ 4600 करोड़ आवंटित

पंचायत समिति मुख्यालयों पर स्वीकृत प्रोटोटाइप आवासों का शिलान्यास

लाभार्थियों को नवीन आवास की चाबी का वितरण

विकसित भारत रोजगार गारंटी एवं आजीविका मिशन-ग्रामीण

कन्वर्जेन्स के तहत लगभग ₹2,400 करोड़ के कार्यों को युक्त धारा पोर्टल पर कार्ययोजना में सम्मिलित करना

• प्रमुख कार्य •

अमृत पोषण वाटिका | अमृत ग्रामीण हाट बाजार | ग्रामीण पुस्तकालय
अमृत संजीवनी पार्क | कांजी हाउस पशु आश्रय स्थल | नमो नर्सरी

डीबीटी के माध्यम से राशि हस्तांतरण

मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना
5 लाख पशुपालकों को ₹280 करोड़

गौशाला अनुदान
751 गौशालाओं को ₹250 करोड़

महिला उत्थान

स्वयं सहायता समूह की दीदियों को ₹10 करोड़ के क्रेडिट लिंकेज चेक का वितरण

राजस्थान महिला निधि की लखपति दीदी ऋण योजना अंतर्गत 957 लखपति दीदियों को ₹8 करोड़ के चेक का वितरण

राजस्थान महिला निधि की समर्थ सखी योजना अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों की दीदियों को स्कूटी वितरण

“सशक्त सीएलएफ, समृद्ध दीदी डिजिटल अभियान-2026” का शुभारंभ

ग्राम श्री राजसखी मार्ट 11.77 लाख, बारां का शुभारंभ

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

आज़ादी के बादः अगली आज़ादी किससे?

हर 15 अगस्त को मैं ख़ुद से एक सवाल पूछता हूँ–क्या हम वाकई आज़ाद हो गए हैं? ख़ुद ही जवाब भी देता हूँ–हाँ, 15 अगस्त, 1947 को हम विदेशी शासन के चंगुल से मुक्त हो गए थे। एक अभिनेत्री का वह कथन भी याद आता है, जिसमें उन्होंने 1947 में देश के आज़ाद होने की बात ही अस्वीकार कर दी थी। फिर लगता है कि उन्हें गंभीरता से लेना अपना वक़्त बरबाद करना है। मेरे लिए यह तथ्य विवाद से परे है कि हमारा देश 15 अगस्त, 1947 को आज़ाद हुआ। अब मैं यह सोचना चाहता हूँ कि 1947 से अब तक हमने जो कुछ किया है, उसके बाद और क्या करने की ज़रूरत है।

ऐसा तो है नहीं कि हमने सब कुछ हासिल कर लिया है और कुछ भी करने को शेष नहीं बचा है। देश की आज़ादी के बाद हमारे तत्कालीन दृष्टिसंपन्न नेतृत्व ने संस्थाओं का एक मज़बूत ढाँचा खड़ा किया, जो तमाम उठा-पटक के बावजूद आज भी बना हुआ है। हमने लोकतंत्र की ऐसी मज़बूत नींव डाली कि हमारे कई पड़ोसी देश उससे दूर भाग गए, लेकिन हम अब भी लोकतांत्रिक बने हुए हैं। कृषि, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की। बड़े कारखानों और बाँधों का नेटवर्क बनाया और वैश्विक पटल पर भारत को एक अहम शक्ति के रूप में स्थापित किया। पंचशील और गुटनिरपेक्ष आंदोलन में हमारी पहल को ससम्मान स्मरण किया जा सकता है। यह सूची बहुत लंबी हो सकती है, लेकिन आज मैं केवल इतना पूछना चाहता हूँ–अब हमें किससे आज़ादी चाहिए?

सबसे पहली आज़ादी मैं अशिक्षा और घटिया शिक्षा से चाहूँगा। यह स्वीकार करने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए कि आज़ादी के बाद के प्रारंभिक वर्षों में शिक्षा के प्रसार को लेकर जैसा उत्साह था, वह अब दिखाई नहीं देता। सरकारी स्कूलों की संख्या में कमी और अनेक विद्यालयों के बंद होने की खबरें चिंताजनक हैं। इससे भी अधिक चिंताजनक यह है कि शिक्षा की गुणवत्ता और उसकी पहुँच को लेकर हम अब भी संतुष्ट होने की स्थिति में नहीं हैं। उच्च शिक्षा की हालत भी बहुत अच्छी नहीं है। दुनिया के श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों की सूचियों में भारतीय संस्थानों की उपस्थिति हमारी आकांक्षाओं के अनुरूप नहीं है। शिक्षा पर सार्वजनिक निवेश हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में होना चाहिए। किसी भी सरकार का पहला दायित्व होना चाहिए कि वह अपने नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ शिक्षा दे। ऐसा न हो कि अमीर का बच्चा अच्छी शिक्षा पाए और ग़रीब का बच्चा केवल इसलिए पीछे रह जाए कि उसके माता-पिता उसके लिए महँगी शिक्षा ख़रीद नहीं सकते। अगली आज़ादी शिक्षा के ऐसे बाज़ार से भी चाहिए–जहाँ अवसर का निर्धारण प्रतिभा से अधिक जेब करने लगे।

शिक्षा के बाद बात आती है स्वास्थ्य की। सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बढ़ रहा है और निजी क्षेत्र के महँगे अस्पताल तेज़ी से फैल रहे हैं। जिनके पास पैसा है, वे कहीं भी अपना इलाज करा सकते हैं; लेकिन आम नागरिक कहाँ जाए? सरकार के खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम के तहत आज लगभग 80 करोड़ लोग मुफ्त खाद्यान्न पा रहे हैं। यह हमारी आर्थिक स्थिति का प्रामाणिक सूचक है। मुफ्त अनाज ज़रूरी हो सकता है, लेकिन वह स्थायी जीवन-व्यवस्था का विकल्प नहीं हो सकता। स्वास्थ्य-सहायता भी ऐसी होनी चाहिए कि किसी परिवार को बीमारी के कारण अपनी बचत, घर या भविष्य न बेचना पड़े। बीमारी और इलाज की मजबूरी से आज़ादी भी नागरिक की आज़ादी का ही हिस्सा है।

देश की एक बड़ी समस्या बेरोज़गारी है। शिक्षा का प्रसार हुआ है, लोगों की आकांक्षाओं को पंख लगे हैं, लेकिन हम अपनी आबादी के बहुत बड़े हिस्से को पर्याप्त और सम्मानजनक रोजगार दे पाने में नाकाम रहे हैं। वादे बहुत किए गए, लेकिन वे यथार्थ में रूपांतरित नहीं हुए। रोजगार का चेहरा बदल रहा है, नई तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता काम करने के तरीके बदल रही है, लेकिन हमारी शिक्षा और कौशल-व्यवस्था उसी गति से नहीं बदल रही। जब तक हम अपनी युवा पीढ़ी को बेरोज़गारी और असुरक्षित भविष्य से आज़ादी नहीं दिलाएँगे, हम सच्चे अर्थों में ख़ुद को आज़ाद कहने के हक़दार कैसे होंगे? बेरोज़गारी से जुड़ी समस्या भूख और कुपोषण की भी है। अभी मैंने 80 करोड़ लोगों को दिए जा रहे सरकारी अनाज की बात की। यह सराहनीय है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं है। हमारा लक्ष्य ऐसा समाज होना चाहिए जिसमें लोग सरकारी अनाज के मोहताज न रहें, बल्कि इतना कमाएँ कि अपने और अपने परिवार के लिए सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित कर सकें। भूख से आज़ादी किसी भी सभ्य समाज की पहली शर्त होनी चाहिए।

इसके साथ ही हमें आर्थिक असमानता से भी आज़ादी चाहिए। हमारे संविधान की मूल आकांक्षा सामाजिक और आर्थिक न्याय तथा समानता की थी। लेकिन आज अमीर और ग़रीब के बीच की खाई बहुत चौड़ी हो गई है। असमानता केवल आर्थिक नहीं होती। जाति, लिंग, धर्म, क्षेत्र और अवसर-हर जगह उसके अलग-अलग रूप दिखाई देते हैं। हमारा सपना ऐसा समाज होना चाहिए जिसमें किसी व्यक्ति की संभावनाएँ उसके जन्म से तय न हो जाएँ। समानता होगी, तभी मानवीय गरिमा भी स्थापित और संरक्षित होगी। आज़ादी के बाद सपना यह देखा गया था कि देश में जात-पाँत और मज़हब की दीवारें कमज़ोर होते-होते लुप्त हो जाएँगी। लेकिन हुआ इसका उलटा। जातीय अस्मिताएँ कई बार और आक्रामक हुईं और इससे सामाजिक समरसता को क्षति पहुँची। इधर कुछ समय से हिंदू-मुसलमान की राजनीति भी अपना कुरूप चेहरा ज़ोर-शोर से दिखाने लगी है। राजनीतिक हितों की साधना के लिए अलग-अलग धर्मों के बीच वैमनस्य फैलाने के संगठित प्रयास होते हैं। यह देश के लिए बेहद घातक है। सांप्रदायिक और जातिगत वैमनस्य से मुक्ति हमारी सबसे बड़ी ज़रूरतों में से एक है।

> **हमें प्रकृति के विनाश से भी आज़ादी चाहिए-या कहें कि प्रकृति को हमारे विनाश से आज़ादी चाहिए। नदियाँ प्रदूषित हों, शहर दमघोंटू होते जाएँ, भूजल घटता जाए, जंगल कटते जाएँ और फिर भी हम विकास की अपनी परिभाषा पर गर्व करते रहें, तो यह कैसी आज़ादी है? आने वाली पीढ़ियों से उनके हिस्से की हवा, पानी और हरियाली छीनकर हम उन्हें कौन-सा स्वतंत्र भारत सौंपेंगे?**

और यह मुक्ति केवल दूसरों से नहीं, अपने भीतर के पूर्वाग्रहों से भी होनी चाहिए।

भारत में लोकतंत्र है, लेकिन लोकतंत्र केवल वोट डाल देने का नाम नहीं है। लोकतंत्र का अर्थ है कि सत्ता जनता के प्रति जवाबदेह हो, संसद में सार्थक बहस हो, संस्थाएँ स्वतंत्र होकर काम करें और नागरिक को सवाल पूछने का अधिकार हो। दुर्भाग्य से धीरे-धीरे लोक पर तंत्र हावी होता दिखाई देता है। सरकार और जनता के बीच दूरी बढ़ रही है। संसद, संस्थाओं और नागरिक समाज की भूमिका को लेकर सवाल उठते हैं। सरकार के कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही जितनी अधिक होगी, लोकतंत्र उतना ही स्वस्थ होगा। हमारे संविधान निर्माताओं ने न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका के बीच संतुलन और परस्पर नियंत्रण की जो व्यवस्था बनाई थी, उसकी स्वतंत्रता और गरिमा की रक्षा करना ज़रूरी है। लोकतंत्र में कोई भी संस्था इतनी शक्तिशाली नहीं हो सकती कि उसके ऊपर सवाल उठाना ही अपराध समझ लिया जाए। सत्ता से सवाल पूछने की आज़ादी लोकतंत्र की प्राणवायु है।

इसी से जुड़ी एक और आज़ादी है–अभिव्यक्ति की आज़ादी।लोकतंत्र में नागरिक को अपनी बात कहने, असहमति जताने और सत्ता की आलोचना करने का अधिकार होना चाहिए। मीडिया से भी यही अपेक्षा है कि वह सत्ता का प्रचार माध्यम बनने के बजाय जनता की आँख और कान बना रहे। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति के अवसर तो बढ़ाए हैं, लेकिन झूठ, नफ़रत और दुष्प्रचार को भी अभूतपूर्व गति दी है। इसलिए हमें केवल बोलने की नहीं, सच और झूठ में फर्क करने की आज़ादी और क्षमताभी चाहिए।

एक बड़ी ज़रूरत इस आज़ादी की भी है कि हमारे चुने हुए जनप्रतिनिधि आसमान से उतरकर धरती पर आएँ और उनसे जीवंत संवाद बनाएँ जिन्होंने उन्हें चुनकर भेजा है। वे जब भी हमारे गाढ़े पसीने की कमाई का पैसा खर्च करें तो यह सोचें कि इससे आम जन का कोई कल्याण हो रहा है या नहीं। अभी तो कई बार ऐसा लगता है कि सरकारी धन को माल-ए-मुफ़्त समझकर खर्च कर दिया जाता है और जब जनता कोई बुनियादी सुविधा माँगती है तो वित्तीय संसाधनों की कमी का हवाला दिया जाता है। सरकारी विज्ञापनों पर होने वाला अनावश्यक खर्च हो या सत्ता के लोगों की यात्राएँ–जनता को यह जानने का अधिकार है कि उसके पैसे का इस्तेमाल क्यों और किस परिणाम के लिए हुआ। सार्वजनिक धन के प्रति जवाबदेही से आज़ादी नहीं, बल्कि जवाबदेही की माँग करने की आज़ादी चाहिए।

और एक आज़ादी, जिसकी चर्चा हम बहुत कम करते हैं, वह है स्त्री को भय से आज़ादी। किसी महिला का घर से बाहर निकलना, काम करना, अपनी पसंद का जीवन चुनना या अपनी बात कहना इस बात पर निर्भर नहीं होना चाहिए कि समाज उसे कितनी अनुमति देता है। जिस देश की आधी आबादी भय, हिंसा और भेदभाव से पूरी तरह मुक्त नहीं है, वह देश अपने को पूर्णतः स्वतंत्र कैसे कह सकता है?

हमें प्रकृति के विनाश से भी आज़ादी चाहिए–या कहें कि प्रकृति को हमारे विनाश से आज़ादी चाहिए। नदियाँ प्रदूषित हों, शहर दमघोंटू होते जाएँ, भूजल घटता जाए, जंगल कटते जाएँ और फिर भी हम विकास की अपनी परिभाषा पर गर्व करते रहें, तो यह कैसी आज़ादी है? आने वाली पीढ़ियों से उनके हिस्से की हवा, पानी और हरियाली छीनकर हम उन्हें कौन-सा स्वतंत्र भारत सौंपेंगे?

और शायद सबसे कठिन आज़ादी है–अपने भीतर से आज़ाद होने की। अंधभक्ति से, पूर्वाग्रह से, नफ़रत से, झूठ से, भीड़ के साथ बह जाने की आदत से और उस सुविधा से जिसमें हम अपने अधिकार तो याद रखते हैं, लेकिन अपने कर्तव्य भूल जाते हैं।

अंततः मैं जिस आज़ादी को सबसे अधिक ज़रूरी मानता हूँ, वह है संविधान के प्रति हमारी निष्ठा की आज़ादी–हर उस आग्रह से आज़ादी जो संविधान से ऊपर किसी व्यक्ति, दल, धर्म, जाति या सत्ता को रखता है। संविधान केवल सरकार चलाने की किताब नहीं है; वह उस भारत का सपना है जिसमें नागरिक की गरिमा, स्वतंत्रता, समानता और न्याय सुरक्षित रहें। हमारी प्रतिबद्धता किसी व्यक्ति विशेष या राजनीतिक दल के प्रति नहीं, संविधान और उसके मूल्यों के प्रति होनी चाहिए।

1947 की आज़ादी हमारे पूर्वजों ने हमें दी थी। उन्होंने विदेशी सत्ता से मुक्ति दिलाई और हमारे हाथ में अपना भविष्य सौंप दिया। अब अगली आज़ादी की बारी हमारी है। हमें तय करना होगा कि अगली पीढ़ी को हम कैसा भारत सौंपेंगे–ऐसा भारत जो केवल आर्थिक रूप से बड़ा हो या ऐसा भारत भी जो मनुष्य के लिए बड़ा हो? ऐसा भारत जहाँ गगनचुंबी इमारतें हों, लेकिन झुग्गियाँ भी हों; जहाँ दुनिया की सबसे तेज़ ट्रेनें हों, लेकिन सरकारी स्कूलों में अच्छे शिक्षक न हों; जहाँ हम अंतरिक्ष में पहुँच जाएँ, लेकिन धरती पर एक-दूसरे से दूर होते जाएँ–क्या ऐसा भारत हमारी आज़ादी का पूरा सपना होगा? 1947 में हमने विदेशी पराधीनता से मुक्ति पाई थी। अब हमें उन तमाम बेड़ियों से मुक्त होना है जिन्हें हमने विकास, परंपरा, राजनीति, धर्म, सुविधा और अपनी आदतों के नाम पर ख़ुद अपने पैरों में डाल लिया है।

शायद यही हमारी अगली आज़ादी होगी।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

साइबर अपराधों पर लगाम लगाने में बैंकों की भूमिका : अब जवाबदेही तय करने का समय

सुनील दत्त गोयल

भारत तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। आज करोड़ों लोग इंटरनेट बैंकिंग, यूपीआई, मोबाइल बैंकिंग और डिजिटल भुगतान का उपयोग कर रहे हैं। लेकिन इसी के साथ साइबर धोखाधड़ी, फर्जी खातों, मनी म्यूल खातों, ऑनलाइन ठगी और आर्थिक अपराधों के मामलों में भी तेज़ी से वृद्धि हुई है। लाखों लोगों की मेहनत की कमाई कुछ ही मिनटों में साइबर अपराधियों के खातों में पहुंच जाती है और बाद में उसे विभिन्न खातों के माध्यम से निकाल लिया जाता है।

ऐसी स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि आखिर बैंकिंग प्रणाली की भूमिका क्या है? जब लगभग हर साइबर अपराध में किसी न किसी बैंक खाते का उपयोग होता है, तो क्या केवल अपराधियों को पकड़ना पर्याप्त है या बैंकिंग व्यवस्था को भी अधिक जवाबदेह बनाया जाना चाहिए?

साइबर अपराध और बैंक खातों का संबंध :-आज अधिकांश साइबर अपराधों में फर्जी या संदिग्ध बैंक खातों का उपयोग होता है। ऑनलाइन ठगी की राशि पहले इन्हीं खातों में जमा होकर बाद में कई खातों के माध्यम से स्थानांतरित कर दी जाती है। यदि बैंक प्रारंभिक स्तर पर ऐसे खातों की पहचान कर लें, तो बड़ी संख्या में साइबर अपराध रोके जा सकते हैं। समस्या यह है कि खाता खोलते समय ग्राहक की पृष्ठभूमि, आय के स्त्रोत, व्यवसाय और संभावित लेन-देन का पर्याप्त सत्यापन नहीं होता, जिससे ऐसे खाते अपराधियों के लिए आसान माध्यम बन जाते हैं।

केवल केवाईसी नहीं, प्रभावी केवाईसी की आवश्यकता :- वर्तमान में बैंक खाता खोलते समय केवाईसी केवल औपचारिकता बनकर रह जाती है। आवश्यकता है कि इसे एक बार की प्रक्रिया नहीं, बल्कि निरंतर व्यवस्था बनाया जाए। आरबीआई को सभी बचत खातों की नियमित री-केवाईसी सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि पता, मोबाइल नंबर, व्यवसाय, आय का स्त्रोत और अनुमानित वार्षिक आय अद्यतन रहें। यदि घोषित आय के विपरीत खाते में अचानक लाखों रुपये का लेन-देन होने लगे, तो वह स्वतः जांच का विषय बनना चाहिए।

आय आधारित ट्रांजैक्शन प्रोफाइलिंग :- बैंकिंग प्रणाली में प्रत्येक बचत खाते के लिए आय और व्यवसाय आधारित ट्रांजैक्शन प्रोफाइल बनाई जानी चाहिए। यदि 40,000 मासिक आय घोषित करने वाले व्यक्ति के खाते में अचानक 5-10 लाख जमा हों, तो बैंक को स्वतः अलर्ट मिले और खाताधारक से धन के स्त्रोत की पुष्टि की जाए। इसका उद्देश्य सामान्य ग्राहकों को परेशान करना नहीं, बल्कि संदिग्ध वित्तीय गतिविधियों की समय रहते पहचान करना होना चाहिए।

रियल-टाइम ट्रांजैक्शन मॉनिटरिंग अनिवार्य बने -आज अधिकांश बैंक तकनीकी रूप से इतने सक्षम हैं कि वे असामान्य गतिविधियों को तुरंत पहचान सकते हैं। फिर भी कई बार साइबर अपराध से जुड़ी राशि कुछ घंटों में ही कई खातों में स्थानांतरित होकर गायब हो जाती है।

बैंकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स आधारित रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम लागू करना चाहिए जो निम्न स्थितियों में स्वतः अलर्ट जारी करे-

अचानक बड़े लेन-देन, कम समय में बार-बार ट्रांसफर, अलग-अलग राज्यों से संचालित खातों में गतिविधि, लंबे समय तक निष्क्रिय रहे खाते में अचानक भारी ट्रांजैक्शन, संदिग्ध यूपीआई और आईएमपीएस लेन-देन। ऐसे मामलों में राशि को सीमित अवधि के लिए होल्ड करने तथा सत्यापन की व्यवस्था विकसित की जा सकती है।

मनी म्यूल खातों की पहचान - साइबर अपराधों में बड़ी संख्या में तथाकथित "मनी म्यूल" या किराए के बैंक खातों का उपयोग होता है, जिन्हें कुछ लोग कमीशन के लालच में दूसरों को इस्तेमाल करने देते हैं। ऐसे खातों की पहचान के लिए बैंकों को विशेष एल्गोरिदम विकसित करने चाहिए। जिन खातों में लगातार विभिन्न स्त्रोतों से धन आए और तुरंत आगे भेज दिया जाए, उन्हें स्वतः उच्च जोखिम श्रेणी में रखकर जांच की जानी चाहिए।

बैंक कर्मचारियों की जवाबदेही तय हो -बैंकिंग प्रणाली की विश्वसनीयता तभी बनी रह सकती है जब कर्मचारियों की जवाबदेही स्पष्ट हो। यदि किसी फर्जी खाते, संदिग्ध खाते या साइबर अपराध से जुड़े खाते के खुलने में किसी कर्मचारी की लापरवाही या मिलीभगत सामने आती है, तो उसके खिलाफ सख्त विभागीय और कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

इसके लिए निम्न व्यवस्था लागू की जा सकती है -प्रत्येक खाते को खोलने वाले कर्मचारी का डिजिटल रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाए। संदिग्ध खाते मिलने पर संबंधित कर्मचारी की भूमिका की जांच हो। जानबूझकर नियमों की अनदेखी करने पर बैंकिंग क्षेत्र में निश्चित अवधि तक कार्य करने पर प्रतिबंध लगाया जाए। गंभीर मामलों में आपराधिक मुकदमा चलाया जाए।

आधार आधारित समेकित बैंकिंग निगरानी-वर्तमान में एक व्यक्ति विभिन्न बैंकों में कई खाते संचालित कर सकता है, जिससे साइबर अपराधियों के वित्तीय लेनदेन को ट्रैक करना कठिन हो जाता है। आरबीआई और बैंकों को आधार एवं पैन से जुड़े खातों का सुरक्षित, नियामकीय समन्वित तंत्र विकसित करना चाहिए, ताकि किसी एक खाते के साइबर अपराध में शामिल पाए जाने पर उसके अन्य बैंकों में खुले खातों की भी तुरंत जांच हो सके और संदिग्ध लेनदेन की समय रहते पहचान की जा सके।

इसी प्रकार, यदि कोई व्यापारी किसी बैंक से 10 करोड़ या उससे अधिक का ऋण लेता है, तो आरबीआई के नियमों के तहत उसके अन्य बैंक खातों पर भुगतान सुविधा सीमित कर दी जाती है तथा उसकी जमा राशि निर्धारित व्यवस्था के अनुसार ऋणदाता बैंक को स्थानांतरित की जाती है। जब बड़े ऋण खातों के लिए ऐसी समन्वित बैंकिंग व्यवस्था संभव है, तो उपयुक्त कानूनी प्रावधानों, गोपनीयता सुरक्षा और नियामकीय नियंत्रणों के साथ बचत खातों के लिए भी सुरक्षित इंटर-बैंक समन्वय प्रणाली विकसित की जा सकती है। इससे ठगी की राशि को विभिन्न खातों में तेजी से स्थानांतरित करने पर रोक लगेगी और साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा।

पीओएस मशीन और व्यापारी खातों का पुनः सत्यापन -कई साइबर अपराधों में पीओएस मशीनों और व्यापारी खातों का दुरुपयोग भी सामने आया है। इसलिए बैंकों को समय-समय पर इनका भौतिक सत्यापन करना चाहिए। पीओएस मशीन केवल वास्तविक व्यापारिक गतिविधियों वाले खातों को जारी की जाए। व्यापारी के व्यवसाय का सत्यापन किया जाए। निष्क्रिय या संदिग्ध पीओएस मशीनों को तत्काल बंद किया जाए। पीओएस मशीनों को प्राथमिक रूप से करंट अकाउंट से जोड़ा जाए।

केंद्रीकृत साइबर फ्रॉड रिस्पॉन्स सिस्टम -साइबर अपराध में शुरुआती कुछ घंटे सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। यदि ठगी की राशि तुरंत रोकी जाए, तो पीड़ित को राहत मिल सकती है। इसके लिए बैंकों, आरबीआई, पुलिस, आयकर विभाग और साइबर क्राइम पोर्टल के बीच एकीकृत रियल-टाइम रिस्पॉन्स सिस्टम होना चाहिए, ताकि संदिग्ध लेनदेन की सूचना तुरंत संबंधित एजेंसियों तक पहुंचे और राशि के आगे स्थानांतरण को रोका जा सके।

साइबर ठगी का पैसा कुछ ही मिनटों में कई बैंक खातों और कई बार विदेशों तक पहुंच जाता है। इसलिए असामान्य विदेशी ट्रांसफर या निष्क्रिय खातों में अचानक बड़ी राशि आने पर अतिरिक्त सत्यापन, अस्थायी रोक और समयबद्ध जांच अनिवार्य होनी चाहिए। भेजने और प्राप्तकर्ता दोनों बैंकों की जिम्मेदारी तय हो तथा आरबीआई के दिशा-निर्देशों, आधारित फ्रॉड मॉनिटरिंग और बेहतर इंटर-बैंक समन्वय का कड़ाई से पालन किया जाए। भारत की आबादी एवं आधुनिक अपराधियों के मुकाबले में पुलिस के संख्या बल में काफी कमी है। आवश्यकता है कि पुलिस की संख्या में वृद्धि अंतरराष्ट्रीय मानकों से भी अधिक भारत में की जाए। साथ ही उनका अत्याधुनिकीकरण, चाहे वह तकनीक के हिसाब से हो या हथियारों के, तथा उनकी लगातार ट्रेनिंग देते रहना बहुत आवश्यक है।

साइबर अपराधों की रोकथाम में बैंक और मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनियां भी समान रूप से जवाबदेह हैं। बैंकों को आरबीआई के नियमों का कड़ाई से पालन करना चाहिए, जबकि मोबाइल कंपनियों के पास सिम की लोकेशन, इंटरनेशनल रोमिंग और डिवाइस परिवर्तन जैसी महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध होती है।

किसी भी साइबर अपराध में इन संस्थाओं की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय कर निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। साइबर क्राइम अब कैंसर और नासूर का रूप ले चुका है। यदि इस पर कठोर कार्रवाई नहीं हुई, तो वह समय दूर नहीं जब साइबर ठगी के माध्यम से भारत, विशेषकर बुजुर्गों की जीवनभर की बचत, बड़े पैमाने पर विदेशों में पहुंचती रहेगी।

निष्कर्ष -यदि बैंकिंग एवं मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनियों को सक्रिय, जवाबदेह और तकनीकी रूप से अधिक सक्षम बनाई जाए, तो साइबर ठगी के मामलों में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है और डिजिटल अर्थव्यवस्था में जनता का विश्वास और अधिक मजबूत होगा।

रोटेरियन सुनील दत्त गोयल
महानिदेशक, इम्पीरियल
चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।

नक्सल-मुक्त भारत

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में औद्योगिक एवं आधारभूत संरचना विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है

प्रो. कैलाश सोडानी

नक्सलवाद आजाद भारत की आन्तरिक सुरक्षा के लिए लम्बे समय तक बहुत बड़ी चुनौती रही थी। यह एक उग्र, हिंसक, वामपंथी आन्दोलन था, जो चीनी नेता माओत्से तुंग की विचारधारा से प्रेरित था। नक्सलवादी विचारधारा का यह मानना था कि सशस्त्र क्रान्ति के माध्यम से ही सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक परिवर्तन लाया जा सकता है।

नक्सलवाद शब्द प.बंगाल के दार्जिलिंग जिले के नक्सलबाडी गाँव से प्रारम्भ हुआ। 1967 में इसी गाँव के भूमिहीन किसानों और आदिवासियों ने जमींदारों के शोषण के विरुद्ध आन्दोलन शुरू किया था। इस आन्दोलन का नेतृत्व चारू मजूमदार, कानू सान्याल एवं जंगल संथाल ने किया था। भूमिहीन किसानों एवं आदिवासियों को समाज में उपलब्ध संसाधनों के समान वितरण के नारे से एकत्रित एवं प्रभावित किया। ग्रामीण क्षेत्र के गरीबों को पूँजीवाद एवं सामंतवाद के विरोध में खडा किया। साठ-सत्तर के दशक में गांवों में शिक्षा एवं स्वास्थ्य, सडक एवं बिजली जैसी प्राथमिक सुविधाओं का भी अभाव था। परिस्थिति जन्य समस्याओं के समाधान के लिए वामपंथियों ने गरीबों को गलत रास्ते पर धकेल दिया। गरीबों, दलितों एवं आदिवासियों को मन-मस्तिष्क से सशस्त्र क्रांति एवं वामपंथी विचारधारा के अनुरूप तैयार करने के लिए जंगलों में कैम्प लगाये जाते थे। कैम्पों में मानसिक रूप से तैयार किये गये नौजवानों के हाथों में हथियार पकडा दिये जाते थे।

नक्सली गतिविधियों का संचालन विदेशों से प्राप्त धन से किया जाता रहा। भारत विरोधी देश नक्सलवादी लोगों के सहारे एवं माध्यम से प्रजातांत्रिक सरकारों एवं सेना के विरुद्ध सशस्त्र आंदोलन कर रहे थे। हमारे सुरक्षा जवानों एवं पुलिस पर गुरिल्ला युद्ध से प्राणघातक हमला करना। सरकारी भवनों और संचार साधनों को ध्वस्त करना। दादागिरी से स्थानीय लोगों से जबरन धन वसूली करना। नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्रों में हिंसक गतिविधियों से भय एवं असुरक्षा का वातावरण बन गया, जिससे औद्योगिक विकास रुक गया। खनिज उत्पादन से सम्बन्धित गतिविधियाँ शिथिल हो गयीं। धीरे-धीरे समानांतर शासन व्यवस्था स्थापित करने का प्रयास करने लग गये। बन्दूक के आगे स्थानीय प्रशासन भी सुसुप्त हो गया। प्रजातांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने के लिए गुण्डागर्दी के बल पर लोगों को चुनावों का बहिष्कार करने के लिए विवश करने लग गये। नक्सलवादियों का मूल उद्देश्य था - प्रजातांत्रिक संस्थाओं एवं न्याय व्यवस्था के प्रति जनता में अविश्वास पैदा करना।

प्रारम्भिक दौर में भूमिहीन किसानों को भूमि अधिकार दिलाने के लिए आन्दोलन प्रारम्भ किया गया था। बाद में इस आन्दोलन की बागडोर माओवादियों के हाथ चली गयी, यहीं से यह संघर्ष सशस्त्र क्रांन्ति की दिशा में बढ गया। धीरे-धीरे नक्सलवाद छत्तीसगढ , झारखण्ड, उडीसा, बिहार, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश के लगभग 180 जिलों में फैल गया। जिसे रेड कॉरिडोर कहा जाता था।

महिलाओं के साथ-साथ डॉक्टर, इंजीनियर, विश्वविद्यालय के प्रोफेसर भी इस आन्दोलन से जुड गये। 2004 में कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्स) के गठन के बाद हिंसक गतिविधियों में तेजी आयी। 2008 में ओडिशा के मलकनगिरी में नक्सलियों ने जलाशय में जा रही पुलिस नाव पर गोलीबारी की, जिससे 38 कमांडो शहीद हुए। 2009 में गढाचिरोली (महाराष्ट्र) में नक्सलियों ने पुलिस पर हमला किया, जिसमें 17 पुलिसकर्मी मारे गये। 2010 में छत्तीसगढ़ के दंतेवाडा में नक्सलियों ने सुरक्षा बल पर घातक हमला किया। इसमें 76 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए। यह भारतीय इतिहास का सबसे घातक माओवादी हमला माना जाता है। 2010 में ही पश्चिम बंगाल में रेलवे लाइन की तोडफोड से ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस दुर्घटना ग्रस्त हुई, जिसमें 100 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई।

2013 में छत्तीसगढ के बस्तर जिले में नक्सलियों ने कांग्रेस पार्टी की परिवर्तन यात्रा पर हमला किया, जिसमें 25 कांग्रेसी एवं सुरक्षा-कर्मियों की हत्या हुई। 2017 में सुकमा जिले में केन्द्रीय सुरक्षा बल पर हमला किया, जिसमें 37 जवान शहीद हुए।

नक्सलवाद भारत के लिए एक जटिल सामाजिक, आर्थिक और सुरक्षा सम्बन्धी चुनौती रहा है। इसकी जडें गरीबी, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार एवं शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, संचार एवं सडक जैसी प्राथमिक आवश्यकताओं के अभाव में निहित हैं। पिछले 12 वर्षों में केन्द्र सरकार ने सम्बन्धित राज्य सरकारों के साथ संयुक्त रूप से इस समस्या के समाधान के लिए गम्भीरता से प्रयास किये। सुखद परिणाम सामने हैं।

इस सन्दर्भ में भारत सरकार एवं केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मजबूत रणनीति और कुशल प्रशासनिक क्षमता का अभिनन्दन करते है। जिन्होंने कठोर सैन्य कार्यवाही के साथ-साथ क्षेत्र का विकास करते हुए 50-60 वर्ष पुराने नक्सलवाद जैसे केंसर को निर्धारित तिथि 31 मार्च, 2026 तक समाप्त कर दिया। जिससे देश के नौजवानों के हाथों में किताब एवं कम्प्यूटर की जगह बंदूक थमाने की विचारधारा का अन्त हुआ। सुरक्षाबलों ने 2025-26 में ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट, ऑपरेशन ऑक्टोपस, ऑपरेशन थंडर स्टॉर्म जैसे कई बडे अभियान चलाए, जिससे अनेक नक्सली ठिकाने नष्ट हुए, बडी संख्या में उग्रवादी मारे गए या गिरफ्तार हुए तथा अनेक नक्सलियों ने आत्म-समर्पण किया। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में औद्योगिक एवं आधारभूत संरचना विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। नक्सलवाद की समाप्ति में सुरक्षा अभियानों के साथ-साथ आत्मसमर्पण नीति, विकास कार्यक्रमों और प्रशासनिक सुधारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

प्रो. कैलाश सोडाणी
पूर्व कुलगुरु, वर्धमान महावीर
खुला विवि, कोटा।

राशिफल सोमवार 17 अगस्त, 2026

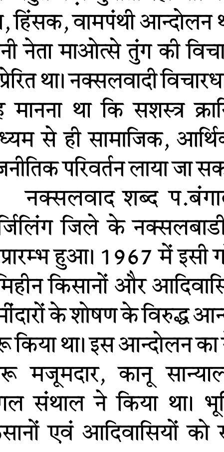

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2083, चित्रा नक्षत्र रात्रि 4:59 तक, शुभ योग रात्रि 3:29 तक, बालव करण सायं 5:00 तक, चन्द्रमा आज सायं 4:19 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-मिथुन, बुध-कर्क, गुरू-कर्क, शुक्र-कन्या, शनि-मीन राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग प्रातः 7:58 तक है। रात्रि 4:59 से रवियोग आरम्भ होगा। आज भाद्रपद संक्रांति है। सूर्य मघा सिंह में प्रवेश प्रातः 7:58 पर करेगा। पुण्यकाल दिन 2:22 तक है। आज तीसरा सावन वन सोमवार व्रत है। आज नाग पंचमी देशाचार से है। मनसा पूजा (बंगाल में) पूर्ण होगी।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः अमृत सूर्योदय से 7:40 तक, शुभ 9:17 से 10:54 तक, चर 2:08 से 3:45 तक, लाभ-अमृत 3:45 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:03, सूर्यास्त 6:59

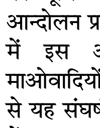

मेष

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय दूर होगा। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है।

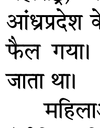

वृष

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

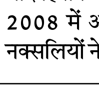

मिथुन

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। आज परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

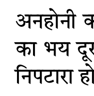

कर्क

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

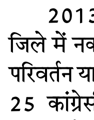

सिंह

आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बन सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

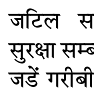

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

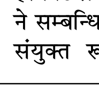

तुला

व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव बना रहेगा। आज घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

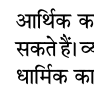

वृश्चिक

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आज धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

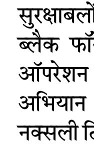

धनु

व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

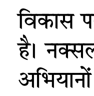

मकर

नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

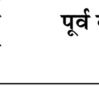

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

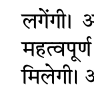

मीन

परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में आज मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 16 प्रभात जयपुर, सोमवार 17 अगस्त, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

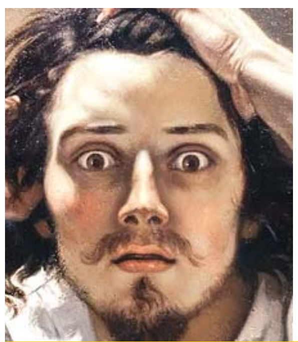

The Desperate Man (Le Désespéré)

He looks straight at us. Not away and not past us. At us. Courbet painted this early in his life before he would become the artist who would challenge French painting

The Timeless Appeal of Seersucker

Drum Beats in the Rainforest

'हाईकोर्ट "आर्बिट्रेटर" की फीस की पुनर्गणना तथा सुनवाई का कार्यक्रम तय नहीं कर सकता'

आर्बिट्रल ट्रिब्यूनल में कार्यरत रिटायर्ड सुप्रीम कोर्ट जज दीपक वर्मा ने राजस्थान हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी है

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 16 अगस्त। राजस्थान हाई कोर्ट के फैसले की एच सी एल और जयपुर, जोधपुर, अजमेर के विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के बीच चल रहे भुगतान के विवाद को "आर्बिट्रल ट्रिब्यूनल" (मध्यस्थता न्यायाधिकरण) एक महीने में सुनवाई करके 15 दिन में निस्तारण करे, इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में विशेष याचिका दायर करी गई है।

- हाई कोर्ट ने ट्रिब्यूनल में 2020 से लंबित एच सी एल व प्रदेश की सभी विद्युत वितरण निगमों के बीच 530 करोड़ के भुगतान के चल रहे विवाद को निपटाने के लिए यह फैसला दिया था कि ट्रिब्यूनल 1 महीने में सुनवाई पूर्ण करे और उसके 15 दिन के भीतर फैसला सुनाए।
- हालांकि अदालत ने माना था कि एच सी एल और निगमों के बीच चल रहा विवाद अत्यन्त ही पेचीदा है और इसमें 33 अलग-अलग दावे हैं, जिसे अपने आप में ही एक अलग मामले के तौर पर देखा जा सकता है।
- अदालत के समक्ष यह भी तथ्य प्रस्तुत था कि ट्रिब्यूनल के समक्ष 50 हजार दस्तावेज तथ्यों के तौर पर दायर करे गए थे जिसकी सुनवाई में समय लगना ही था।

उल्लेखनीय है कि हाई कोर्ट ने मामले के तुरंत निस्तारण के साथ-साथ यह भी कहा था कि उक्त मामला 2020 से आर्बिट्रल ट्रिब्यूनल में लंबित है जिसकी सुनवाई को मूलतः 2023 तक निपटा लेना चाहिए था, परन्तु दो बार अतिरिक्त समय दिए जाने के बावजूद मामले की सुनवाई खत्म नहीं हुई है। इसपर चिंता और नाराजगी जताते हुए हाई कोर्ट ने आदेश दिए थे कि आर्बिट्रल ट्रिब्यूनल के न्यायधीश सुनवाई में विलंब के कारण दोनों पार्टियों द्वारा दी गई फीस का एक हिस्सा लौटाये। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में टिप्पणी की थी कि बार-बार अतिरिक्त समय दिए जाने के बाद भी अगर मध्यस्थता की प्रक्रिया खत्म नहीं हो रही है तो यह मध्यस्थता के कानून और उसके भाव को ही खत्म कर देता है और यह ट्रिब्यूनल के "आलसी और अनौपचारिक रवैये" को दर्शाता है।

हाई कोर्ट के इस फैसले और इस टिप्पणी के खिलाफ रिटायर्ड सुप्रीम कोर्ट जज दीपक वर्मा, जो आर्बिट्रल ट्रिब्यूनल के न्यायधीश भी है, ने चुनौती दी है।

उनकी ओर से यह याचिका वाहिब हुसैनी ने सुप्रीम कोर्ट में दायर करी है।

इस मामले के तथ्य के अनुसार एच सी एल और राजस्थान के अलग अलग विद्युत वितरण निगम के बीच विद्युत विभाग के आधारभूत ढांचे के विस्तार, विकास व सुधार करने के लिए 11 साल का अनुबंधन 2009 में किया गया था। इस प्रोजेक्ट के लिए एच सी एल को कुल 528 करोड़ से भी अधिक का कार्य करना था जो प्रदेश के 87 अलग अलग नगरों में किया जाना था।

इस मामले में वर्ष 2020 में जब इस कार्य को पूर्ण कर भगतान की बारी आयी तो विवाद को लेकर मामला आर्बिट्रल ट्रिब्यूनल पहुंचा था परन्तु पहले कोविड के चलते और फिर मामले की पेचीदगी को देखते हुए, कमर्शियल कोर्ट जयपुर ने आर्बिट्रल ट्रिब्यूनल को सुनवाई करने की अवधि बढ़ाने के लिए समय दिया। पाठकों को बता दे कि मध्यस्थता कानून के अंतर्गत मध्यस्थता 12 महीनों में पूर्ण हो जानी चाहिए और जिसे विशिष्ठ परिस्थितियों में ही बढ़ाया जाता है। उक्त मामले में मध्यस्थता अगस्त 2020 में शुरू हुई थी जिसे 2023 में खत्म होना था परन्तु उसकी समय अवधि दो बार बधाई गई और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

किसानों के दिल्ली मार्च को हरियाणा ने दिल्ली सीमा पर रोका

संगरूर, 16 अगस्त। भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध सहित अन्य कृषि मुद्दों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) के नेतृत्व में 51 किसानों द्वारा पैदल दिल्ली कूच करने का एक बार फिर प्रयास किया गया, लेकिन हरियाणा प्रशासन द्वारा खनौरी बार्डर सील किए जाने के कारण शाम तक भी किसान बॉर्डर पार नहीं कर पाए।

- पुलिस के रोकने पर किसान मेन रोड पर बैठे।

हरियाणा प्रशासन ने कंक्रीट के बेरिकेड के साथ ही बड़े-बड़े पत्थर, लोहे के बैरिकेड वैल्डिंग करके रास्ते को पुरी तरह से बंद कर दिया है। एसकेएम (गैर राजनीतिक) के प्रमुख नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के नेतृत्व में खनौरी के गुरुद्वारा साहिब से जत्था बार्डर की तरफ रवाना हुआ, लेकिन बार्डर से पहले ही पुलिस ने उन्हें रोक लिया। जिसके बाद किसान वहीं मेन रोड पर बैठ गए। हरियाणा प्रशासन ने किसानों को आगे न बढ़ने की हिदायत दी, जिस पर किसानों ने पैदल आगे जाने की अनुमति मांगी।

जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि किसान आंदोलन दौरान शुभकरण सिंह की मौत वाले स्थान की मिट्टी लेकर दिल्ली जाना चाहते हैं। यात्रा पूरी तरह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

देश के युवा विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत हैं- मोदी

प्रधानमंत्री ने स्वाधीनता दिवस पर कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को युवाओं के साथ जोड़ कर आगे बढ़ना होगा

नई दिल्ली, 15 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से देश के युवाओं को विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत बताया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में युवा शक्ति की सबसे बड़ी भूमिका होगी। विकसित भारत का सबसे बड़ा लाभार्थी भी देश का युवा होगा और इसलिए सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता युवाओं को अवसर, संसाधन और नई तकनीक उपलब्ध कराना है।

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि 2004 से 2014 के बीच देश में 350 विश्वविद्यालय थे, जबकि पिछले 10-12 वर्ष में 650 विश्वविद्यालय जुड़े हैं। साल 2014 से पहले 400 मैडिकल कॉलेज थे, अब इनकी संख्या 850 हो गई है।

प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से अपने 13वें स्वतंत्रता दिवस संबोधन में कहा कि विकसित भारत की यात्रा में युवाओं की बहुत बड़ी भूमिका है। हमें विकसित भारत के लक्ष्य को युवाओं के साथ जोड़कर आगे बढ़ना होगा। देश की गति अब रुक नहीं सकती और आने वाले वर्षों में बड़े बदलाव करने होंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले एक साल में एक करोड़ युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की ट्रेनिंग दी जाएगी। एआई का विस्तार तेजी से हो रहा है और भारत के युवाओं में इस क्षेत्र में नेतृत्व करने की क्षमता है।

उन्होंने कहा कि भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए खोल दिया है और नेशनल ड्रोन पॉलिसी तथा खेलो इंडिया पॉलिसी जैसी पहल की गई हैं। करीब 35 वर्षों तक देश में नई शिक्षा नीति नहीं थी, लेकिन अब नई शिक्षा नीति लागू की गई है। इससे युवाओं के लिए शिक्षा और कौशल के नए रास्ते खुले हैं।

प्रधानमंत्री ने उच्च शिक्षा के विस्तार का उल्लेख करते हुए कहा कि 2004 से 2014 के बीच देश में 350 से भी कम विश्वविद्यालय थे, जबकि पिछले 10-12 वर्षों में करीब 650 नए विश्वविद्यालय जुड़े हैं और अब इनकी संख्या करीब एक हजार तक पहुंच रही है। साल 2014 से पहले देश में करीब 400 मेडिकल कॉलेज थे, जबकि अब इनकी संख्या बढ़कर करीब 850 हो गई है। विदेशी विश्वविद्यालय भी भारत में आ रहे हैं और युवाओं को देश में रहते हुए विदेशी विश्वविद्यालयों की डिग्री हासिल करने का अवसर मिल रहा है।

प्रधानमंत्री ने युवाओं को नशे से दूर रखने को भी राष्ट्रीय जिम्मेदारी बताया। नशा मुक्त भारत का निर्माण सभी का सामूहिक दायित्व होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रांची में आंदोलनकारी छात्रों ने राहुल गांधी- हेमंत सोरेन के पुतले फूंके

छात्रों की नाराज़गी है कि सीबीआई जाँच व विवादित परीक्षाओं को रद्द करने के मामलों में कोई ठोस पहल नहीं हुई

रांची, 16 अगस्त। झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों का आंदोलन रविवार को 23वें दिन भी जारी रहा। सीबीआई जांच और विवादित परीक्षाओं को रद्द करने की मांग पर अब तक ठोस पहल नहीं होने से आंदोलनकारी छात्रों में राज्य सरकार के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है।

- छात्र नेताओं ने घोषणा की है कि 20 अगस्त को रांची में मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा।

इसी क्रम में छात्रों ने रविवार शाम रांची के अल्बर्ट एक्का चौक पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पुतले फूंके। छात्रों ने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अपनी मांगों को लेकर आंदोलन तेज करने का ऐलान किया। रिपोर्टों के अनुसार, राज्य के विभिन्न जिलों में भी पुतला दहन का कार्यक्रम रखा गया था।

आंदोलनकारी छात्रों का कहना है कि जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों की निष्पक्ष जांच के लिए सीबीआई जांच जरूरी है। छात्रों ने आरोप लगाया कि उनकी मांगों पर सरकार की ओर से अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। इसी वजह से आंदोलनकारी अब आर-पार की लड़ाई की रणनीति पर आगे बढ़ रहे हैं।

छात्र नेताओं ने यह भी घोषणा की है कि 20 अगस्त को मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा। आंदोलनकारियों ने इसमें बड़ी संख्या में छात्रों के शामिल होने का दावा किया है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प.बंगाल के पूर्व डिप्टी स्पीकर ने आत्महत्या की

कोलकाता, 16 अगस्त। बीरभूम जिले के रामपुरहाट से तृणमूल कांग्रेस के पूर्व विधायक और पश्चिम बंगाल विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर आशीष बंद्योपाध्याय की रविवार सुबह

- उनके घर से सटे पार्टी कार्यालय में उनका शव फंदे से लटका मिला
- आशीष बंद्योपाध्याय ने शनिवार को अनेक पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की थी। घटना स्थल पर उनका सुसाइड नोट मिला, जिसमें उन्होंने लिखा है कि उन्होंने पूरी जिंदगी में काम के बदले एक पैसा भी नहीं लिया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कड़ी होड़ लगी है, यू.एन. के महासचिव के पद के लिए

वर्तमान महासचिव अंतोनियो गुटैरस का कार्यकाल आगामी 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अगस्त। संयुक्त राष्ट्र का अगला महासचिव बनने की दौड़ निर्णायक दौर में पहुंच गई है। सात उम्मीदवार एक ऐसे संगठन की कमान संभालने के लिए होड़ कर रहे हैं, जो युद्धों, वित्तीय संकट, नौकरशाही की सुस्ती और अपनी प्रासंगिकता को लेकर बढ़ते संदेहों से जूझ रहा है।

30 जुलाई को सुरक्षा परिषद में हुए पहले अनौपचारिक मतदान (स्ट्रॉ पोल) में कोस्टा रिका की रेबेका ग्रिन्सपैन 10 समर्थन वोटों के साथ सबसे आगे रहीं। उनके बाद गुयाना की कैरोलिन रोड्रिग्स-बिरकेट को नौ और अर्जेंटीना के राफेल मारियानो ग्रॉसी को सात वोट मिले। यह मतदान बाध्यकारी नहीं था, लेकिन इससे पहली बार उम्मीदवारों की स्थिति का संकेत मिला।

- हालांकि, सभी मान रहे हैं कि सात गंभीर उम्मीदवार हैं, पर, मजे की बात यह है कि यह माना जा रहा है कि इस बार किसी महिला को ही महासचिव बनने का सम्मान मिलेगा।
- और संभवतया यह महिला या तो लैटिन अमेरिका या कैरिबियन द्वीप समूह से होगी।
- हालांकि, केवल एक पुरुष, अर्जेंटीना के राजनयिक ग्रॉसी को अमेरिका का समर्थन प्राप्त है। पर, शायद इसी कारण वे अन्य देशों के व्यापक समर्थन से वंचित माने जा रहे हैं।
- अंततोगत्वा इस चयन को सिक्यूरिटी काउन्सिल के 15 सदस्यों का समर्थन चाहिए तथा सिक्यूरिटी काउन्सिल के पाँचों स्थाई सदस्यों के वोटों का उपयोग उसके खिलाफ नहीं होना चाहिए।

अंतोनियो गुटैरस का उत्तराधिकारी चुनने की यह दौड़ असामान्य रूप से महत्वपूर्ण है। गुटैरस का दूसरा कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। अगले संयुक्त राष्ट्र प्रमुख को मध्य पूर्व और यूक्रेन में संघर्षों, बढ़ते मानवीय संकटों, धन की कमी और हजारों कार्यक्रमों और बैठकों वाले इस संस्थान में बड़े बदलावों की मांगों का सामना करना होगा।

सातों उम्मीदवार मुख्य रूप से लैटिन अमेरिका और कैरिबियन क्षेत्र से हैं। इनमें चार महिलाएं हैं। इससे इस लंबे समय से चली आ रही उम्मीद को बल मिलता है कि अब इस क्षेत्र की बारी आनी चाहिए और आदर्श रूप से अगला महासचिव एक महिला होनी चाहिए।

70 वर्षीय ग्रिन्सपैन, जो कोस्टा रिका की पूर्व उपराष्ट्रपति और संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन की महासचिव रह चुकी हैं, शुरुआती दौर में सबसे मजबूत उम्मीदवार बनकर उभरी हैं। अर्थशास्त्र और विकास के क्षेत्र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जो वंदे मातरम् नहीं कहते, नहीं जानते, उनकी माँ कौन है?'

तिरुवनंतपुरम, 16 अगस्त। केरल विश्वविद्यालय के कुलपति मोहनन कुन्नुम्मल ने शनिवार को कहा कि जो लोग "वंदे मातरम्" नहीं कहते, वे नहीं जानते कि उनकी मां कौन है। वह मणिविला में आरएसएस के युवा सम्मेलन, संकल्प 2026 युवा संगम, को संबोधित कर रहे थे। कुन्नुम्मल ने कहा कि भारत माता ने ही बच्चों को उनके माता-पिता को सौंपा है।

- केरल विश्वविद्यालय के उपकुलपति के बयान ने विवाद खड़ा किया।

उन्होंने कहा, "प्रतिभाशाली बच्चे और आदर्श नागरिक बनाने की जिम्मेदारी परिवार के हर पुरुष और महिला मुखिया की है। मैं कहूंगा कि यह जिम्मेदारी परिवार की महिला मुखिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हैल्थ इंश्योरैंस पॉलिसी के अंतर्गत क्या-क्या इलाज कवर होंगे, कितना खर्च आएगा और मरीज को अंततोगत्वा कितना जेब से खर्च करना होगा'

मरीज के सामने प्रस्तुत इन दुविधाओं को खत्म करने के लिए गंभीर प्रयास हो रहे हैं, हैल्थ इंश्योरैंस के क्षेत्र में

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अगस्त। भारत का हैल्थ इंश्योरैंस सैक्टर, बड़े बदलाव की दहलीज पर नज़र आ रहा है, क्योंकि, रैगुलेटर, बीमा कंपनियां और अस्पताल, मैडिकल खर्च और बीमा कवरेज को उपभोक्ताओं के लिए अधिक पारदर्शी और निश्चित बनाने के उपायों पर विचार कर रहे हैं।

प्रस्तावित सुधारों में इलाज के स्टैण्डर्ड रेट, एक कॉमन हैल्थ बीमा पॉलिसी, बीमा कवरेज के लिए योग्य इलाज की एक समान लिस्ट और नेशनल हेल्थ क्लेम्स एक्सचेंज को बड़े पैमाने पर अपनाना शामिल है। इन मुद्दों पर चर्चा ऐसे समय पर हो रही है जब इलाज का खर्च तेजी से बढ़ रहा है, जिससे उन परिवारों पर ज्यादा दबाव पड़ रहा है, जो अस्पताल के बिल चुकाने के लिए बीमा पर निर्भर हैं।

- रैगुलेटर्स, इंश्योरैंस कंपनियाँ, अस्पताल तथा सी.आई.आई. की संयुक्त विशेष समिति इस बारे में अपनी रिपोर्ट इस मुद्दे पर साल के अंत तक देगी।
- हॉस्पिटलाइज़ेशन के खर्च के अलावा, दवाईयों के दाम, जाँच-पड़ताल की कीमत, स्पैशलाइज़्ड डॉक्टरी परामर्श में भारी अंतर होता है। अतः स्टैंडर्डाइज़ेशन रेट तय करने की बात चल रही है।
- इन प्रस्तावों की सार्थकता इसी से सिद्ध होगी कि वो कैसे संतुलन बैठाते हैं, कंज्यूमर (मरीज) के अधिकारों व हैल्थकेयर की लागत में।

चर्चा से जुड़े लोगों के अनुसार, रैगुलेटर, बीमा कंपनियों, अस्पतालों और कॉन्फिडरेशन ऑफ इण्डियन इण्डस्ट्रीज़ (सीआईआई) के प्रतिनिधियों वाला एक पैनल इस साल के अंत तक अपनी सिफारिशें दे सकता है। इस पैनल की अध्यक्षता इंश्योरैंस रैगुलेटरी एण्ड डवलपमैंट अथॉरिटी ऑफ इण्डिया (आईआरडीएआई) के प्रमुख कर रहे हैं।

इन प्रस्तावों पर अभी चर्चा चल रही है और इन्हें लागू करने से पहले जरूरी रैगुलेटरी प्रोसैस से गुजरना होगा।

सुधार की जरूरत क्यों महसूस की जा रही है? भारत की स्वास्थ्य बीमा व्यवस्था में एक बड़ी समस्या अस्पतालों की फीस और बीमा पॉलिसी की शर्तों में बहुत ज्यादा अंतर होना है। एक ही इलाज की कीमत अलग-अलग अस्पतालों में काफी अलग हो सकती है। जबकि, बीमा पॉलिसियों में कवरेज से बाहर की चीजों, वेटिंग पीरियड, कमरे के किराये की सीमा, कुछ खास खर्चों की अधिकतम सीमा और किन इलाजों को कवरेज में शामिल किया गया है, इसकी परिभाषा अलग-अलग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शेख हसीना को वापस भेजेंगे, तभी बांग्लादेश के प्रधानमंत्री भारत आएंगे

ढाका, 16 अगस्त। बांग्लादेश की सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान इसी शर्त पर भारत आएंगे, जब भारत वहां की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को उनके देश वापस भेज देता है।

बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एकेएम शाहिदुल करीम ने भारत के न्योते पर रविवार को एक आधिकारिक बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के अधिकारी तारिक रहमान की भारत यात्रा को लेकर

- बांग्लादेश ने प्रधानमंत्री तारिक रहमान की भारत यात्रा से पहले शर्त रखी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK CMYK

खैरथल में 80 वें स्वतंत्रता दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले 38 जने सम्मानित

खैरथल। 80वें स्वतंत्रता दिवस पर पूरे जिले में देशभक्ति का जश्न मनाया गया। जिला मुख्यालय पर मुख्य समारोह पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय में हुआ जहां जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। एडीएम शिवपाल जाट ने महामहिम राज्यपाल का संदेश पढ़कर सुनाया। समारोह में स्वतंत्रता सेनानियों की वीरांगनाओं और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 38 लोगों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर विधायक दीपचंद खैरिया, पूर्व विधायक रामहेत यादव,जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जया सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर शिवपाल जाट, सहित जिले के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने खैरथल जिला स्तरीय स्वाधीनता दिवस समारोह में सलामी दी ।

मुख्य समारोह में सुबह वाद्य यंत्रों की स्वर लहरियों के बीच राष्ट्रगान हुआ। इसके बाद जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने ध्वजारोहण किया और परेड का निरीक्षण कर मार्च पास्ट की सलामी ली। पुलिस विभाग के जवानों के साथ-साथ विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने अनुशासित और आकर्षक परेड कर तिरंगे को सलामी दी। परेड के बाद स्कूली बच्चों ने सामूहिक नृत्य और देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी, जिसने पूरे माहौल को देशभक्ति मय कर दिया।

मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने कहा कि हम आज 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्ष और गर्व के साथ मना रहे हैं। सबसे पहले उन्होंने देश की आजादी के लिए जीवन समर्पित करने वाले अमर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया। उन्होंने कहा, यह दिन हमें याद दिलाता है कि आजादी सहज नहीं मिली। इसके पीछे अनगिनत बलिदानों की गाथा है। स्वतंत्रता केवल आजादी का प्रतीक नहीं, यह जिम्मेदारी का संदेश भी है। स्वच्छता, पानी-बिजली की बचत, शिक्षा, सामाजिक उत्तरदायित्व और औद्योगिक विकास से ही हम इस आजादी को सशक्त बना सकते हैं। जिले का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि खैरथल-तिजारा औद्योगिक, कृषि और सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध है और विकास की अपार संभावनाएं रखता है। उन्होंने आमजन को आश्वस्त किया कि प्रशासन प्रत्येक योजना को धरातल पर उतारने के लिए लगातार प्रयासरत है। समारोह में अतिथियों ने स्वतंत्रता सेनानियों की वीरांगनाओं का शाल ओढ़ाकर सम्मान किया। इसके बाद विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 38 लोगों को प्रशस्ति पत्र और स्वामी विवेकानंद की किताबें देकर सम्मानित किया गया । डॉ. चंद्रप्रकाश सैनी, पशु चिकित्सा अधिकारी; गौरव बत्तरा, अध्यापक; श्रीमती कृष्णा शर्मा, सचिव पं. छीतरमल लाटा वेलफेयर सोसायटी; झिनेन्द्र शर्मा; श्रीमती सुनिता देवी और शिवानी शर्मा, सुरक्षा सखी; श्रीराम यादव, सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक; श्रीमती रिंकी खातून; स्पैक्ट्रा संस्था; सरजीत कुमार, कृषि पर्यवेक्षक; श्रीमती पूजा छितरोलिया, सूचना सहायक; लक्खी राम वर्मा; हेमंत कुमार, अध्यापक; महिपाल सिंह; फूल चंद; श्रीमती भारती, गाइड; यतेश यादव, इब्तिदा संस्था; अमित जुयाल, प्रदूषण नियंत्रण मंडल; मुकेश कुमार शर्मा, आयुक्त नगर परिषद; विशाल गुप्ता; बरखत खान और दया सिंह भुल्लर, बीडा; सुषमा, श्रीमती संतोष कुमारी, रतिराम सैनी और राकेश कुमार प्रधानाचार्य।

■ **नवोदय विद्यालय में हुआ मुख्य कार्यक्रम, मार्च पास्ट और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां**

फुलेरा में स्वाधीनता दिवस पर शहर में उत्साह रहा

फुलेरा । 40वां स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह फुलेरा नगरपालिका मण्डल के तत्वावधान में स्कूल खेल मैदान पर शनिवार को सुबह 10 बजे ध्वजारोहण कार्यक्रम फुलेरा नगरपालिका ईओ महिमा सोनी की अध्यक्षता में मनाया गया। मुख्य अतिथि फुलेरा विधायक विद्याधर सिंह चौधरी रहें जबकि विशिष्ठ अतिथि सेठ सूरजमल अग्रवाल राजकीय विद्यालय की प्रधानाचार्या ललिता वर्मा, बालिका विद्यालय की प्रधानाचार्य नविता वर्मा रहीं। कार्यक्रम के दौरान सरकारी व निजी विद्यालय के विद्यार्थियों ने पीटी, परेड और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। पालिका प्रशासन की ओर से विद्यालय प्रतिनिधी व विद्यार्थियों को मिठाई और पुरस्कार का वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन योगेन्द्र गहलोत ने किया। इसी प्रकार पुलिस थाना फुलेरा पर थानाधिकारी राजेंद्र कुमार यादव ने ध्वजारोहण किया।

■ **विद्यालय प्रतिनिधी व विद्यार्थियों को मिठाई और पुरस्कार का वितरण किया**

इसके अतिरिक्त रीको क्षेत्र स्थित भाजपा कार्यालय पर पूर्व विधायक निर्मल कुमावत, फुलेरा-ईटावा रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय पर विधायक विद्याधर चौधरी, व्यापार महासंघ कार्यालय पर अध्यक्ष मनोज आहूजा, उपजिला अस्पताल पर पीएमओ डॉ. धर्मेन्द्र भामू, टेगौर सेंट्रल स्कूल पर संजय शर्मा, दैनिक रेलयात्री संघ एकीकृत कार्यालय पर अशोक वासदेव की अध्यक्षता में जीआरपी थानाधिकारी ओमप्रकाश ने ध्वजारोहण किया। इसी प्रकार अनेक सामाजिक व राजनैतिक कार्यालयों व सरकारी व निजी विद्यालयों पर ध्वजारोहण कर तिरंगें को सलामी दी गई।

हत्या करने के आरोप से पति दोषमुक्त

सांभरझील, (निसं)। दहेज के लिए पत्नी को प्रताड़ित कर उसकी हत्या करने के मामले में अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश फागी कीर्ति सिंहमार ने आरोपी पति प्रभु दयाल पुत्र रामदेव जाति बेरवा 45 वर्ष निवासी नारायणपुरा सोसायटी तन पहाड़िया पुलिस थाना फागी जिला जयपुर को धारा 498 ए 302 के आरोपों से संदेह का लाभ देकर दोष मुक्त कर दिया। मृतका हरफूल पुत्री नानूराम 33 वर्ष की संदिग्थ अवस्था में मृत्यु होने की रिपोर्ट थाना फागी में लिखवाई गई थी जिसमें मृतका के पति पर दहेह के लिए प्रताड़ित करने तथा फंदा लगाकर हत्या करना बताया गया था। आरोपी के अधिवक्ता वीरेंद्र सिंह शेखावत ने अभियुक्त की ओर से बचाव साक्ष्य में दो गवाह तथा अनेक दस्तावेजी साक्ष्य न्यायालय में पेश किए। न्यायाधीश ने अपने फैसले में लिखा कि अभियोजन की ओर से प्रस्तुत साक्ष्य विवेचनानुसार अभियोजन पक्ष यह प्रमाणित करने में असफल रहा है।

धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाया 80 वां स्वतंत्रता दिवस

पावटा। उपखंड क्षेत्र पावटा में देशभक्ति, उत्साह और हर्षोल्लास के साथ 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा के तत्वावधान में उपखंड स्तरीय मुख्य समारोह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पावटा के खेल मैदान में आयोजित किया गया। समारोह में नगर क्षेत्र के विभिन्न राजकीय एवं निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरा परिसर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। समारोह में विधायक कुलदीप धनकड़ के मुख्य आतिथ्य एवं उपखंड अधिकारी बृजेश कुमार की अध्यक्षता में कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद मुख्य अतिथि ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। राष्ट्रगान के साथ पूरा वातावरण देशभक्ति के भाव से ओत-प्रोत हो गया। ध्वजारोहण के बाद पुलिस, होमगार्ड, एनसीसी तथा स्काउट-गाइड के विद्यार्थियों ने शानदार मार्च-पास्ट करते हुए मुख्य अतिथि को सलामी दी। विद्यार्थियों ने व्यायाम प्रदर्शन, स्काउट-गाइड गतिविधियों तथा विभिन्न देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनसमुदाय का मन मोह लिया। विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों पर समारोह स्थल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। समारोह के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों, समाजसेवियों, विद्यार्थियों, खेल प्रतिभाओं तथा विद्यालयों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उपजिला अस्पताल पावटा की बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. खुशबू अठावाल सहित विभिन्न प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। वहीं उपजिला अस्पताल पावटा के प्रभारी डॉ. रवि बंसल को जिला स्तर पर सम्मानित किए जाने पर क्षेत्रवासियों ने हर्ष व्यक्त किया। मुख्य अतिथि विधायक कुलदीप धनकड़ ने स्वतंत्रता संठााम के वीर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए कहा कि देश की आजादी असंख्य वीरों के त्याग, तपस्या और बलिदान का परिणाम है। उन्होंने आमजन से स्वतंत्रता की इस अमूल्य विरासत को अक्षुण्ण बनाए रखने का आ ान किया। उन्होंने युवाओं से शहीदों के बताए मार्ग पर चलने तथा देश और समाज के लिए कुछ कर गुजरने का संकल्प लेने की अपील की। विधायक ने मंच के माध्यम से भजनलाल सरकार द्वारा क्षेत्र में करवाए जाने वाले विभिन्न विकास कार्यों की भी जानकारी एवं घोषणाएं कीं।

■ **पावटा में हुआ उपखंड स्तरीय मुख्य समारोह**

पूर्व विधायक रामकरण सिंह कसाना को याद किया

कोटपुतली। देवनारायण मंदिर, पुतली में भूतपूर्व विधायक एवं 'शेर-ए-राजस्थान, किसान केसरी' के नाम से विख्यात स्वर्गीय रामकरण सिंह कसाना की 99वीं जयंती श्री देवनारायण गुर्जर समाज कल्याण समिति के तत्वावधान में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में सर्वसमाज के लोगों ने उनके जीवन, सामाजिक योगदान, किसान हितों तथा राजनीतिक जागृति के प्रयासों को याद किया। इस दौरान शिक्षा, महिला शिक्षा, युवाओं के विकास तथा सामाजिक संस्थाओं को मजबूत बनाने पर भी विचार-विमर्श हुआ।

कार्यक्रम में पूर्व संसदीय सचिव एवं विधायक रामस्वरूप कसाना ने कहा कि रामकरण सिंह कसाना ने सामाजिक सुधार और किसानों के हितों के लिए उल्लेखनीय कार्य किया। उन्होंने कहा कि समाज के लिए छात्रावासों सहित विभिन्न संस्थागत कार्यों की नींव रखकर उन्होंने आने वाली पीढ़ियों के लिए मजबूत आधार तैयार किया। उनकी कार्यशैली और समाज के प्रति समर्पण आज भी प्रेरणादायी है।

■ **शिक्षा, सामाजिक सुधार और संस्थागत विकास पर हुआ मंथन**

पूर्व विधायक रामचंद्र रावत ने रामकरण सिंह कसाना के राजनीतिक जीवन को याद करते हुए कहा कि वे चुनाव के बाद राजनीतिक विरोधियों को भी गले लगाकर सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास रखते थे। उनका व्यक्तित्व आपसी सौहार्द और सामाजिक एकता का प्रतीक था।

देवनारायण मंदिर, पुतली में पूर्व विधायक एवं 'शेर-ए-राजस्थान, किसान केसरी' के नाम से विख्यात रामकरण सिंह कसाना की 99 वीं जयंती मनाई।

मंजू रावत ने महिला शिक्षा की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि समाज की प्रगति के लिए बेटियों की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। उन्होंने युवाओं से नवाचार और रचनात्मक कार्यों के माध्यम से नए आदर्श स्थापित करने का आ ान किया।

युवा नेता भीम पटेल, वरिष्ठ कांठोस नेता मालीराम कसाना, सेढूराम नेताजी और मुकेश नेताजी ने भी स्वर्गीय रामकरण सिंह कसाना के जीवन एवं योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता बताई।

जीकैप के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं गुर्जर संस्कृति शोध संस्थान के अध्यक्ष पी.डी. गुर्जर तथा वरिष्ठ आरएएस अधिकारी महाराम गुर्जर ने कहा कि नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, विरासत और सामाजिक इतिहास से जुड़कर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज की प्रगति के लिए शिक्षा और संस्थागत विकास को प्राथमिकता देना आवश्यक है।

हंसराज दिल्ली पुलिस, लालचंद पटेल एवं संतोष सरपंच ने कहा कि महान विभूतियों के मार्गदर्शन और विचारों को वर्तमान पीढ़ी तक पहुंचाना समाज की जिम्मेदारी है। यदि शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता और वर्तमान नेतृत्व उनके आदर्शों को युवाओं के लिए प्रेरणा का आधार बनाएं तो विकास की दिशा और मजबूत होगी।

कार्यक्रम में कैलाश दास, रामनिवास यादव, हंसराज कसाना, रोहिताश्व किसान नेता, दाताराम गिरदावर, रामावतार मेडिकल, रामावतार कसाना (प्रिंसिपल), मास्टर बाबूलाल कसाना, हंसराज रावत पनियाला, ओमप्रकाश जांगल, ख्यालीराम सरपंच, लालचंद कसाना डेलीगेट, जयराम कसाना पुतली, बरफा पुतली, गिरिराज मेडिकल, एडवोकेट रामसिंह, बाबूलाल कंपाउंडर, दारा पुतली, विनोद अवाना, एडवोकेट राधेश्याम, रणवीर रावत,नरेंद्र रावत,रामोतार खटाना,बुधराम कसाना,रामनिवास राहेड़ा, विजेंदर रावत, विक्रम घांघल, इंद्राज कसाना सुंदरपुरा, मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पन्ना लाल कसाना, कमलेश छावड़ी, हर सहाय छावड़ी, राजीव कसाना, रोहिताश पंच, प्रकाश पंच, रोशन लाल कसाना, मुंशी कसाना, पायलट राजेश कसाना, जगमाल कसाना,पूरण कसाना, हवासिंह कसाना, प्रकाश कसाना, महावीर कसाना, विनोद डोई, राकेश डोई, एडवोकेट अशोक कसाना, महेश कसाना, एडवोकेट राजकुमार कसाना, एडवोकेट गिरिराज कसाना, राजेश कसाना एवं नरेश कसाना सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं सर्वसमाज के लोग उपस्थित रहे।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के अपमान के विरोध में सत्याग्रह

फुलेरा। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के हल्द्वानी कार्यक्रम के दौरान भाजपा एवं आरएसएस कार्यकर्ताओं द्वारा कथित रूप से किए गए अपमानजनक व्यवहार के विरोध में रविवार को जिला कांग्रेस कमेटी जयपुर ग्रामीण की ओर से फुलेरा में विरोध मार्च एवं सत्याठाह आयोजित किया गया। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अंबेडकर सर्किल पर एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे का अपमान करोड़ों कांठोस कार्यकर्ताओं के साथ-साथ लोकतांत्रिक मूल्यों का भी अपमान है। प्रदर्शन के दौरान भाजपा एवं आरएसएस के लोगों को सद्बुद्धि देने की कामना करते हुए सत्याठाह किया गया। इस अवसर पर जिला महासचिव राकेश परिहार, ब्लॉक अध्यक्ष निरंजन निठारवाल, जितेंद्र अठावाल, शैलेंद्र शर्मा, नवल सोनी, कन्हैयालाल सकरवार, कमल शुक्ला, अरविंद मेहरडा, राजेश कचावटिया, सीपी व्यास, राजकुमार गुप्ता, योगेश सैनी, अब्दुल लतीफ, प्रमोद मीणा, पूर्व नारायणा अध्यक्ष ब्रह्म प्रकाश स्वामी सहित बडी संख्या में कांठोस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छात्र-छात्राओं का व्यायाम का प्रदर्शन

टोंक। जिले में 80वां स्वाधीनता दिवस शनिवार को बेहद हर्षोल्लास के साथ मनाय गया। जिला स्तरीय मुख्य समारोह पुलिस परेड ग्राउण्ड में आयोजित किया गया, जहां समारोह के मुख्य अतिथि जलदाय और भू जल विभाग के मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने सुबह 9 बजे ध्वजारोहण किया। इसके बाद राष्ट्रगीत वंदे मांतरम एवं राष्ट्रगान की धुन आरएसी एवं राजस्थान पुलिस के बैण्ड द्वारा बजाई गई।

समारोह में मुख्य अतिथि के परेड निरीक्षण के बाद आरएसी, राजस्थान पुलिस, राजस्थान महिला पुलिस, होम गार्ड, एनसीसी, स्काउट्स एवं गाइड की टुकड़ियां मंच से सलामी लेते हुए गुजरी। मुख्य अतिथि ने वीरांगनाओं का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। साथ ही, जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 88 प्रतिभाओं को प्रमाण-पत्र और स्मृति चि भेंटकर सम्मानित किया गया। अतिरिक्त जिला कलेक्टर विनोद कुमार मीना ने राज्यपाल महोदय के संदेश का पठन किया।

■ **टोंक में जलदाय एवं भू जल मंत्री ने ध्वजारोहण किया**

समारोह में विद्यालय की छात्राओं ने सामूहिक देश भक्ति नृत्य प्रस्तुत किये। योग ड्रिल टीम एवं विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सामूहिक व्यायाम प्रदर्शित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत वंदेमात्रम एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ।

इस अवसर पर देवली उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर, जिला कलेक्टर टीना डाबी, पुलिस अधीक्षक रोशन मीना, पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया, पूर्व विधायक अजीत मेहता, पूर्व जिला प्रमुख सरोज बंसल, जिलाध्यक्ष चन्द्रवीर सिंह चौहान, पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन, सीईओ राकेश कुमार मीना, समेत जिला स्तरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मंच संचालन कवि प्रदीप पंवार एवं गिरदावर दीनदयाल गुप्ता ने किया।

समाजसेवी मुन्नालाल शर्मा की मौजूदगी में विजेता खिलाड़ी सम्मानित

सांभरझील, (निसं)। जोधपुर के स्पोर्ट्स ग्राउंड में आयोजित हुई नवीं सब जूनियर राज्य स्तरीय थ्रोबॉल चैंपियनशिप में जयपुर जिला टीम उप विजेता घोषित हुई। बता दें कि विजेता टीम में सांभर क्षेत्र के तीन खिलाड़ियों प्रद्युम्न कुमावत पुत्र जितेंद्र कुमावत, दक्षराज सिंह पुत्र विजय सिंह व चंद्रेश कुमावत पुत्र राधेश्याम कुमावत ने भी उक्त प्रतियोगिता में पार्टिसिपेट किया था, जिसमें दक्षराज सिंह का बेहतर खेल प्रदर्शन पर चयन समिति ने उसका राष्ट्रीय स्तर पर चयन किया है। थ्रो बॉल प्रतियोगिता में भाग लेकर सांभर लौटे तीनों खिलाड़ियों का समाजसेवी व बाबा जागेश्वर के अनन्य भक्त मुन्नालाल शर्मा ने भारतीय जन कल्याण परिषद के अध्यक्ष मुरारीलाल शर्मा, विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड अध्यक्ष शरद कालानी, विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड सचिव एडवोकेट सुनील कुमार शर्मा की मौजूदगी में उनका मोदक खिलाकर मुंह मीठा कराया तथा माल्यार्पण कर उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। राजकीय शाकंभर स्नातकोत्तर महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षक सुरेंद्र सिंह राठौड़ तथा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कोच्या की ढाणी की शारीरिक शिक्षिका संगीता कुमावत बताती है कि यह क्षेत्र के लिए एक गौरव का विषय है। हम चाहते हैं कि ग्रामीण क्षेत्र से खेल प्रतिभाएं प्रदेश स्तर पर अपना वर्चस्व स्थापित करें, इसके लिए हमारे स्तर से बेहतर से बेहतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस मौके पर पूर्व पार्षद उपेंद्र कुमार वर्मा, सांभर स्पोर्ट्स फाउंडेशन के सचिव व प्रशिक्षक राजेंद्र कुमावत ने उत्कृष्ट प्रदर्शन पर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

■ **कार्यक्रम की जानकारी दी**

विजेता टीम में सांभर क्षेत्र के तीन खिलाड़ियों को खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

सार-समाचार

पेड़ हमारे जीवन, पर्यावरण एवं भविष्य का आधार हैं

मनोहरपुर । पर्यावरण संरक्षण, हरियाली बढ़ाने और आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित एवं स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से "पेड़ लगाओ जीवन बचाओ" अभियान-2026 के तहत श्री लक्ष्मीनारायण मीणा मेमोरियल ट्रस्ट, कानड़ियावाला के सहयोग से रविवार, 16 अगस्त 2026 को जमवारामगढ़ क्षेत्र के विभिन्न गांवों में वृक्षारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम टीम सुमन मीणा जमवारामगढ़ द्वारा आयोजित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कानड़ियावाला, काली पहाड़ी, राजपुरवास ताला, भुरानपुरा, हरिपुरा, गढ़वाड़ी, बोबाड़ी, अजबपुरा, धुलेर, जयचंदपुरा, लाडिपुरा एवं धोला सहित विभिन्न स्थानों पर निर्धारित समय पर पौधारोपण एवं पौधा वितरण किया गया । डॉ. हर सहाय मीणा, आई.ए.एस. ने संबोधित करते हुए कहा है कि प्रकृति ही हमारा वास्तविक जीवन आधार है। यदि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, पर्याप्त जल और सुरक्षित पर्यावरण चाहते हैं तो आज हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने और लगाए गए पौधों की जिम्मेदारीपूर्वक देखभाल करने का संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा कि मेरा सभी क्षेत्रवासियों से आ ान है कि इस अभियान को केवल एक दिन का पौधारोपण कार्यक्रम न मानें, बल्कि इसे जन-अभियान बनाएं। प्रत्येक परिवार कम से कम दो पौधे लगाए-एक अपने लिए और दूसरा अपने परिवार एवं आने वाली पीढियों के लिए। पौधा लगाना पहला कदम है, उसे वृक्ष बनाना हमारी वास्तविक जिम्मेदारी है । उन्होंने सबसे अपील कि आइए, हम सब मिलकर जमवारामगढ को हराभरा बनाने और पर्यावरण संरक्षण का मजबूत संदेश देने का संकल्प लें।ट्रस्ट अध्यक्ष एवम पंचायत समिति सदस्य मानोता सुमन मीणा ने कहा कि पेड़ हमारे जीवन, पर्यावरण और भविष्य की सुरक्षा का आधार हैं। महिलाओं, युवाओं और ठाामीण परिवारों की भागीदारी के बिना पर्यावरण संरक्षण का अभियान पूर्ण नहीं हो सकता। इसलिए मैं क्षेत्र की मातृशक्ति, युवाओं, जनप्रतिनिधियों एवं आमजन से विशेष रूप से अपील करती हूं कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग ले । हमारा संकल्प केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं होना चाहिए। प्रत्येक लगाए गए पौधे को अपने परिवार के सदस्य की तरह संरक्षण देकर बड़ा करना होगा। जब आज लगाया गया पौधा कल विशाल वृक्ष बनेगा, तब यही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। आइए, मिलकर संकल्प लें-हर साल दो पेड़ लगाएं, धरती मां का कर्ज चुकाएं; पहला पेड़ अपने लिए और दूसरा पेड़ अपनों के लिए लगाएं । आयोजकों ने आमजन से अपील की है कि वे निर्धारित समय एवं स्थान पर अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर पौधारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम में सहभागी बनें और पर्यावरण संरक्षण के इस पुनीत अभियान को जन-जन का अभियान बनाएं।अभियान के दौरान रंगलाल चावंडिया, मुकेश सीकर, चन्द्रसिंह तहसीलदार, पूर्व सीआई बनवारीलाल भुरानपुरा, पूर्व मैनेजर नरसी मीणा, रामकुवार, रामचंद्र गठवाड़ी, राजेंद्र सिंह ब्रजपुरा,फूलचंद घाटी, विनोद सालाडवास,मांगीलाल तेजपाल राजपुरवास, जयराम मानोता, धोलूराम बोबाड़ी, हरिसिंह बृजपुरा, सुभाष लाड़ीपुरा,कृष्ण , विकास लोकेश धोला ,रोहिताश , अमित मीणा, धोलूराम, पूरण, सन्नी , राकेश डालू, लेखराज, दिनेश , देवेन्द्र देवड़वाल, ओम प्रकाश प्रजापत, राकेश , जमवारामगढ़ के सैकड़ो कार्यकर्ता, ठाामीण, पर्यावरण प्रेमी औरश्री लक्ष्मीनारायण मीणा मेमोरियल ट्रस्ट कानड़ियावाला के ट्रस्टी सक्रिय रूप से उपस्थित रहे ।

स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास से मनाया

दूदू । नगर पालिका मुख्यालय दूदू एवं आसपास की ग्राम पंचायतों में स्थित ग्राम पंचायत भवनों एवं सरकारी कार्यालय तथा सरकारी व निजी शिक्षण संस्थानों में 80 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास पूर्वक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर ध्वजारोहण के साथ मनाया गया । इस अवसर पर उपखंड स्तरीय समारोह दूदू नरेना रोड स्थित खेल मैदान परिसर में आयोजित किया गया । समारोह में ध्वजारोहण अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुरेश यादव उपखंड अधिकारी गुलाब सिंह वर्मा द्वारा किया गया। पश्चात विभिन्न सरकारी व निजी विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा राष्ट्र गीत प्रस्तुत किया गया। इस दौरान ध्वज को परेड द्वारा सलामी दी गई । छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने के साथ व्यायाम प्रदर्शन भी किया गया अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुरेश यादव द्वारा संबोधन में युवा वर्ग को नशे से दूर रहकर मातृशक्ति के सम्मान की बात कही । समारोह के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभिन्न विभागों के कार्मिकों एवं उच्चतम अंक लाने वाले प्रतिभाओं को पुरस्कृत किया गया । अतिरिक्त जिला कलेक्टर कार्यालय पर सुरेश यादव उपखंड अधिकारी कार्यालय पर गुलाब सिंह वर्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर शिवलाल बैरवा नगर पालिका मुख्यालय पर श्रीमती मोनिका सोलंकी पंचायत समिति प्रधान रवि चौधरी बिफ एण्ड ब्राइट इंजीनियरिंग कॉलेज एवं जयपुर आयुर्वेद चिकित्सालय बॉम्बे वर्ल्ड स्कूल परिसर में संरक्षक नंदलाल भारद्वाज लीलाधर महर्षि द्वारा ध्वजारोहण किया ।

महादेव मण्डल की 9 वीं कांवड यात्रा

फुलेरा। महादेव मण्डल के तत्वावधान में 9वीं भव्य कांवड़ यात्रा सांभरलेक स्थित पवित्र देवयानी सरोवर से कांवड में जल भरकर फुलेरा के स्कूल खेल मैदान स्थित संकटमोचन हनुमान मंदिर के शिवालय पर जलाभिषेक किया गया। महादेव मण्डल के अध्यक्ष मंगलचंद सैनी ने बताया कि रविवार को देवयानी सरोवर से सैवडों कांवडिए व महादेव मण्डल के कार्यकर्ताओं ने भगवान भोलेनाथ के मंदिर पर विधी-विधान से पूजा-अर्चना करके हर हर महादेव का जयघोष करते हुए महिलाये, पुरुष व बालक-बालिकाए कावंड़ियों का जत्था रवाना हुआ और डीजे की धुन पर डमरू व छालर बताते हुए नाचते गाते हुए सांभरलेक से भादरपुरा के रास्ते मुख्य बाजार से होते हुए स्कूल खेल मैदान पर पहुंचकर शिवालय पर जलाभिषेक किया गया। कांवड यात्रा का विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा व शीतल पेय पिलाकर स्वागत सत्कार किया गया।

राहुल राजवंशी का जन्मदिन मनाया

टोंक। इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट पत्रकार संगठन इकाई टोंक के उपाध्यक्ष राहुल राजवंशी का जन्मदिन रविवार को स्थानीय डाक बंगले में पत्रकारों द्वारा धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर जिला जार के जिला अध्यक्ष बृजेश परीडवाल, मनोज तिवाड़ी, आईएफडब्ल्यूजे जिला अध्यक्ष प्रेम रघुवंशी, वरिष्ठ पत्रकार एस,एन चावला, आईएफडब्ल्यूजे प्रदेश सदस्य भूपेंद्र सिंह सोलंकी, दौलत पारीक, रविंद्र जोहरी, रोशन शर्मा, विनोद शर्मा, समीर खान, सुरेंद्र गुप्ता, रोहित रजक, रवि सैनी, कमलेश सैनी, मोईन हिना, भीम सेना जिलाध्यक्ष अशोक बैरवा, गौरव विजय, एम, असलम खान , राकेश पालीवाल, अरशद शाहीन, जाहिद टोंकी सहित मुन्ना मियां, विष्णु, आजम, अजय, महबूब मियां, मनोज शाहिद एवं किलकिल मियां आदि मौजूद रहे।

प्रतिभाएं देश की धरोहर- विधायक रामसहाय वर्मा

निवाई। स्वतंत्रता दिवस पर कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि उपखंड अधिकारी गंभीर सिंह व अध्यक्षता कर रहे विधायक रामसहाय वर्मा ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों एवं प्रतिभावान छात्र-छात्राओं सहित 66 प्रतिभाओं को सम्मानित किया। विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा कि उन्होंने कहा कि प्रतिभाएं हमारे देश की धरोहर है, इनको संबल प्रदान करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। प्रतिभाओं के सम्मान से उनका मनोबल बढ़ता है।

कांवड़ यात्रा में शिव भक्ति की झलक दिखी

जयपुर। डबल शंकर महादेव विकास समिति के तत्वावधान में रविवार को कांवड़ एवं कलश यात्रा निकाली गई। पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल की अगुवाई में आयोजित यात्रा में करीब 1100 महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण कर हिस्सा लिया। कांवड़ियों और महिलाओं के जयकारों से शहर का माहौल शिवमय हो गया। यात्रा के दौरान कांवड़ियों ने गलता एवं हरिद्वार से लाए गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए कांवड़ में पवित्र जल भरा। यात्रा के चौड़ा रास्ता स्थित द्वारकाधीश मंदिर के बाहर पहुंचने पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हर-हर महादेव के जयघोष के साथ कांवड़ एवं कलश यात्रा का स्वागत किया। आयोजन समिति के संयोजक शरद खंडेलवाल के नेतृत्व में निकली यात्रा में कांवड़िए भगवान शिव की भक्ति में रंगे नजर आए। रास्ते में व्यापार मंडल पदाधिकारियों एवं विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों ने पुष्पवर्षा और आरती कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया। यात्रा में सजे-धजे ऊंट, घोड़े, ढोल-ताशे और नाट्यय कला के कलाकार भी आकर्षण का केंद्र रहे।यात्रा में शिव भक्ति के साथ देशभक्ति की झलक भी देखने को मिली। कई श्रद्धालु भगवा और तिरंगा ध्वज लहराते हुए भगवान शिव के जयकारे लगाते नजर आए।

"लोकमंथन-2026" की रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया का शुभारंभ

जयपुर में 4 से 6 दिसंबर तक होगा 'लोकमंथन 2026'

जयपुर। जवाहर कला केंद्र में रविवार को आगामी 'लोकमंथन 2026' के आयोजन को लेकर प्रेस वार्ता एवं बैठक आयोजित हुई। उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने आयोजन समिति की अध्यक्ष के रूप में कार्यक्रम में प्रतिभागी पंजीयन (रजिस्ट्रेशन) प्रक्रिया का औपचारिक शुभारंभ किया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने

- **जवाहर कला केंद्र में रविवार को आगामी 'लोकमंथन 2026' के आयोजन को लेकर बैठक आयोजित**

बताया कि लोकमंथन का पाँचवाँ राष्ट्रीय संस्करण जयपुर में 4 से 6 दिसंबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष लोकमंथन की मुख्य थीम हम भारत के लोग रखी गई है। तीन दिवसीय इस भव्य वैचारिक एवं सांस्कृतिक महाकुंभ में देश-विदेश के जाने-माने बुद्धिजीवी, कलाकार, विचारक और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रबुद्धजन हिस्सा लेंगे।

उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने आयोजन समिति की अध्यक्ष के रूप में कार्यक्रम में प्रतिभागी पंजीयन (रजिस्ट्रेशन) प्रक्रिया का औपचारिक शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय विचार-विमर्श के साथ लोक संस्कृति और कला का भव्य प्रदर्शन देखने को मिलेगा। बड़े मंच पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ देश के प्रमुख बुद्धिजीवियों एवं विचारकों के संवाद और वैचारिक सत्र आयोजित किए जाएंगे। आयोजन का उद्देश्य भारतीय लोक संस्कृति, परंपराओं, विचार और विविधता को व्यापक मंच प्रदान करना है।

चौमूं में तीज माता की सवारी निकली

चौमूं / कालाडेरा । नगर परिषद चौमूं द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजित की जाने वाली तीज माता की पारंपरिक सवारी में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने शिरकत की। सवारी के दौरान पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने तीज माता के पावन स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा चौमूं विधानसभा क्षेत्र वासियों के जीवन में खुशहाली, आरोग्य और सुख-समृद्धि की कामना की। तीज माता की भव्य सवारी पूरे लवाजमे, लवाजमे के साथ नगर परिषद चौमूं परिसर से गाजे-बाजे के साथ रवाना हुई। यह सवारी शहर के प्रमुख मार्गों-बावड़ी गेट, लक्ष्मीनाथ जी का चौक, चौपड़, नया बाजार, रावण गेट और धोली मंडी से होते हुए पुन: नगर परिषद चौमूं पहुंचकर सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष अर्चना कुमावत, नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष आशीष दुसाद, पूर्व उपाध्यक्ष कालूराम जाट, पवन सैनी, बाबूलाल यादव, संदीप कुमावत, रामावतार कुलदीप, मुकेश बलेसरा, संदीप शर्मा, ओमप्रकाश कुमावत, बजरंग कुमावत, धर्मेन्द्र बंजारा, चेतन सैनी, मदन गोरा, मोहन जलुथरिया, मुकुल अग्रवाल, अभिषेक, राहुल बिवाल, संदीप भतरा, हनुमान बागड़ा, दौलत जाट, मोहन यादव, सहित भाजपा कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

चौमूं में तिरंगा यात्रा निकाली

चौमूं / कालाडेरा । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रव्यापी हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत रविवार को बांसा देहात मण्डल के फतेहपुरा में एक विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। भाजपा देहात मण्डल बांसा अध्यक्ष शंकर लाल गागोरिया के नेतृत्व में पंचायत भवन फतेहपुरा से प्रारंभ हुई इस यात्रा में

- **यात्रा में भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की**

भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

तिरंगा यात्रा में सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ताओं, युवाओं और स्थानीय नागरिकों ने हाथों में राष्ट्रध्वज थामकर बड़े ही उत्साह और देशभक्ति के साथ भाग लिया। यात्रा के दौरान "भारत माता की जय" और "वंदे मातरम" के गगनभेदी नारों से पूरा क्षेत्र देशभक्ति के रंग में रंग गया। मार्ग में जगह-जगह सामाजिक संगठनों, व्यापारियों और ग्रामवासियों ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया तथा तिरंगा यात्रा का विजयसिंहपुरा में समापन हुआ।

फतेहपुरा में विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया ।

रामलाल शर्मा ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हर घर तिरंगा के आ ान ने पूरे देश में राष्ट्रभक्ति की एक नई लहर पैदा कर दी है। आज बांसा मण्डल में नागरिकों और कार्यकर्ताओं का यह उत्साह यह साबित करता है कि देश की एकता, अखंडता और तिरंगे की आन-बान-शान के प्रति हर नागरिक का समर्पण अटूट है। यह यात्रा केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति हमारी निष्ठा और संकल्प का प्रतीक है। इस अवसर पर भाजपा देहात मण्डल अध्यक्ष शंकर गागोरिया, पूर्व फल-सब्जी मंडी अध्यक्ष दिनेश गौरा, पूर्व सरपंच दिनेश चतुर्वेदी, सरपंच बाबूलाल गुर्जर, मांगीलाल शर्मा, श्रीराम शर्मा, श्याम शर्मा, विमल शर्मा, रामकिशोर मीणा, महेश योगी, जमन लाल सैनी, मुकेश बलेसरा, महामंत्री अंग्रेज यादव, जमनलाल सैनी, नरोत्तम शर्मा, कालूराम सेठी सहित मण्डल के प्रमुख पदाधिकारी, पार्षदगण, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आईसीएसआई के जयपुर चैप्टर ने स्वतंत्रता दिवस मनाया

जयपुर। द इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) जयपुर चैप्टर की ओर से स्वतंत्रता दिवस हर्षोंउल्लास के साथ मनाया गया। जयपुर चैप्टर के चेयरमैन सीएस सुमित कुमार श्योराण ने उपस्थित मुख्य अतिथियों, वरिष्ठ सदस्यों एवं विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत किया।

समारोह में विशेष अतिथि के रूप में जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के डिप्टी कमिश्नर श्याम सुंदर बिश्नोई एवं आईसीएसआई के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सीएस (डॉ.) श्याम अठावाल और एनईआरसी के सचिव सीएस सचिव राहुल शर्मा उपस्थित रहे। अतिथियों का पारंपरिक रूप से साफा पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया। इस दौरान अतिथियों ने जयपुर चैप्टर की तिमाही की विशेष पत्रिका का विमोचन किया। ध्वजारोहण के पश्चात रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। समापन पर जयपुर चैप्टर के सचिव सीएस वरुण मेहरा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रदेश स्तरीय हरित पखवाड़ा 31 अगस्त तक

चौमूं / कालाडेरा । राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) के तत्वाधान में पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक सरोकार के तहत 17 अगस्त से 31 अगस्त 2026 तक प्रदेश स्तरीय हरित पखवाड़ा अभियान का आयोजन किया जाएगा। जयपुर ग्रामीण की सभी उपशाखाओं में प्रदेश स्तरीय हरित क्रान्ति अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले इस पखवाड़े का मुख्य उद्देश्य वृक्षारोपण को बढ़ावा देना और प्लास्टिक प्रदूषण पर अंकुश लगाना है। इस दौरान "आओ वृक्षारोपण करें, सिंगल यूज प्लास्टिक बंद करें" के संदेश के साथ प्रदेशभर में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।यह अभियान संगठन के मुख्य संरक्षक सियाराम शर्मा के सानिध्य में संपन्न होगा। संस्कृत शिक्षा महामंत्री अमित योगी,जिलाध्यक्ष हनुमान सहाय खटीक व चौमूँ उपशाखा अध्यक्ष अर्जुन लाल यादव ने बताया की कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए वीरेंद्र शर्मा (प्रदेशाध्यक्ष), नवीन कुमार शर्मा (कार्यकारी अध्यक्ष), ललित आर पाटीदार (सभाध्यक्ष), उम्मेद सिंह डूडी

- **"आओ वृक्षारोपण करें, सिंगल यूज प्लास्टिक बंद करें" के संदेश के साथ प्रदेशभर में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होंगे**
- **पखवाड़े का मुख्य उद्देश्य वृक्षारोपण को बढ़ावा देना है**

(मुख्य महामंत्री), रामदयाल मीणा (महामंत्री), कोषाध्यक्ष हेमंत कुमार जांगिड,मीना मंसूरिया (महिला प्रदेशाध्यक्ष), मुकेश मीणा हाटवाल (संयोजक - हरित पखवाड़ा) तथा प्रदेश, जिला एवं उपशाखा कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारियों ने सभी शिक्षकों व आमजन से इस हरित क्रांति अभियान से जुड़कर अधिकाधिक पौधे लगाने की अपील की है। चोमूँ में संगठन पदाधिकारियों द्वारा हरित पखवाड़ा के अंतर्गत पूर्व में लगाए पौधों की देखभाल व नए पौधों का रोपण किया जाएगा।

राज्य के हाटों का पीपीपी मॉडल पर होगा संचालन

जयपुर। राज्य के पारंपरिक दस्तकारों, बुनकरों, महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और लघु उद्यिमयों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य दिलाने तथा उन्हें सीधे बाजार उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। इसी दिशा में राज्य के प्रमुख हाटों को सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर संचालित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल ने बताया कि राज्य सरकार का उद्देश्य हाटों को केवल बिक्री केंद्र तक सीमित न रखकर उन्हें दस्तकारों, बुनकरों और लघु उद्यिमयों के लिए आधुनिक बाजार एवं विपणन मंच के रूप में विकसित करना है। उन्होंने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री द्वारा 27 जून, 2026 को अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के अवसर पर की गई घोषणा की पालना में राज्य के चार

- **राज्य के दस्तकारों, बुनकरों एवं लघु उद्यिमयों के उत्पादों के लिए होगी स्थायी व्यवस्था**

प्रमुख हाटों को पीपीपी मॉडल पर संचालित करने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। इसी क्रम में उद्योग प्रोत्साहन संस्थान के माध्यम से रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) जारी किया गया है। हाटों को पीपीपी मॉडल पर संचालित करने की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण की जाएगी।इन हाटों का मुख्य उद्देश्य राज्य के हुनरमंद दस्तकारों, बुनकरों, लघु उद्यिमयों, महिला स्वयं सहायता समूहों तथा ओडीओपी एवं जीआई उत्पादों को उनके उत्पादों के प्रदर्शन और विपणन के लिए आधुनिक एवं सुविधायुक्त मंच उपलब्ध कराना है।

आरएसजीएल की डीपीएनजी सेवा शुरु

जयपुर। राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस आरएसजीएल ने डीपीएनजी सेवाओं का विस्तार करते हुए कोटा के कुन्हाडी के सद्गुरु प्राइम गर्ल्स हॉस्टल में डीपीएनजी सेवाएं उपलब्ध करा दी है। आरएसजीएल के प्रबंध निदेषक विनय पाटनी ने बताया कि केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा स्वच्छ, सुरक्षित, हरित और 24 गुणा 7 सीएनजी-डीपीएनजी सेवाओं के विस्तार पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आरएसजीएल द्वारा कोटा में कोटावासियों के लिए घरेलू डीपीएनजी कनेक्षन जारी करने के साथ ही हॉस्टल्स, होटल्स, मल्टीस्टोरी बिल्डिंग्स, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों को डीपीएनजी सेवाओं से जोड़ने के लिए प्राथमिकता से संरचना विकसित की जा रही है और उपलब्ध संरचना क्षेत्र में कनेक्षन जारी किये जा रहे हैं।

निकाय चुनावों में भाजपा की पर्ची और खर्ची का खेल खत्म करेगी जनता : जूली

जयपुर । नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अलवर और निम्बाहेड़ा दौरे पर कड़ा सियासी हमला बोलते हुए कहा कि गृह मंत्री राजस्थान की जमीनी हकीकत से पूरी तरह अनजान हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जागरूक जनता भाजपा के कुशासन, भ्रष्टाचार और वादाखिलाफी से त्रस्त हो चुकी है और आगामी निकाय चुनावों में भाजपा की पर्ची और खर्ची का खेल पूरी तरह खत्म करने का मन बना चुकी है।

जूली ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एकतरफा संवाद में यकीन रखती है। आपकी अपनी सभा है, आप जो चाहे बोल लीजिए क्योंकि वहां कोई विरोध करने वाला नहीं है। जो लोग वाजिब सवाल पूछना चाहते हैं, उन्हें आपकी सरकारें पहले ही डिटेन और गिरफ्तार कर लेती हैं। भाजपा संसद से भी भाग खड़ी हुई, जहां उसे जनता के तीखे सवालों का सामना करना पड़ रहा

- **राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखाओं में नमस्ते सदा वत्सले के स्थान पर वन्दे मातरम् का गायन कब से शुरू किया जाएगा?**
- **'अपनी सभा में तो जो चाहे बोल लीजिए, लोकसभा में जाकर एक बार भी यह नहीं बोला कि बच्चों पर पैलेट गन किसने चलाई '**

था और वह कोई जवाब नहीं दे पाई।

नेता प्रतिपक्ष ने आगे कहा कि सच तो यह है कि भाजपा लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शनों से बुरी तरह डरती है। वन्दे मातरम् को लेकर जानबूझकर विवाद खड़ा करने की कोशिश करने वाली भाजपा पहले यह स्पष्ट करे कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखाओं में नमस्ते सदा वत्सले के स्थान पर वन्दे मातरम् का गायन कब से शुरू किया जाएगा?

अमित शाह पर करारा निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जिस सरकार के मंत्री खुद अपनी ही सरकार के खिलाफ धरने पर बैठ जाएं, उस सरकार को तो शर्म से डूब जाना चाहिए। श्री जूली ने कहा, "मैं गृह मंत्री अमित शाह से कहना चाहता हूं कि आप पहले अपना घर ऑर्डर में लाओ, अपनी पार्टी की सुध लो और अपने कार्यकर्ताओं से पूछो कि आपकी सरकार का क्या हाल है। आपके नेताओं का अहंकार किस प्रकार अलवर को बदहाल कर रहा है, इसका सही फीडबैक आपके अपने कार्यकर्ता ही आपको दे देंगे। जनता भारी बैठी है और निकाय चुनावों में भाजपा का सूपड़ा साफ होना तय है।

जिला कलेक्टर ने राजसखी पंच गौरव रथ का शुभारंभ किया

जयपुर। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका), जयपुर द्वारा ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने तथा पंच गौरव कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से रविवार को राजसखी पंच गौरव रथ का शुभारंभ किया गया।

एसआईएएम, दुर्गापुरा, जयपुर से आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम में जिला कलक्टर जयपुर संदेश नायक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद् जयपुर प्रतिभा वर्मा द्वारा फीता काटकर राजसखी पंच गौरव रथ को रवाना किया गया।

राजसखी पंच गौरव रथ के माध्यम से राजीविका से जुड़ी ग्रामीण महिलाओं एवं स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न स्थानीय

जिला कलक्टर जयपुर संदेश नायक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रतिभा वर्मा ने फीता काटकर पंच गौरव रथ को रवाना किया

एवं स्वदेशी उत्पादों का प्रदर्शन, प्रचार-प्रसार एवं विक्रय किया जाएगा। रथ जयपुर शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर भ्रमण करेगा, जिससे ग्रामीण महिला उद्यिमयों के उत्पाद सीधे शहरी उपभोक्ताओं तक पहुंच सकेंगे।

इस पहल का प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं के उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराना, उनकी आय एवं आजीविका के अवसरों में वृद्धि करना तथा स्थानीय उत्पादों को नई पहचान दिलाना है। साथ ही पंच गौरव कार्यक्रम के माध्यम से जिले के विशिष्ट उत्पादों और स्थानीय विशेषताओं के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाई जाएगी।

- **ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने तथा पंच गौरव कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से राजसखी पंच गौरव रथ का शुभारंभ**

रथ में ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित हस्तशिल्प, सजावटी एवं उपयोगी वस्तुओं, खाद्य उत्पादों तथा अन्य स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है। जयपुर के विभिन्न स्थानों पर इनके प्रदर्शन एवं बिक्री से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को अपने उत्पादों के लिए प्रत्यक्ष बाजार एवं ग्राहकों से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

कार्यक्रम के दौरान पुष्पेंद्र सिंह, जिला प्रबंधक-आजीविका; इंदिरा शर्मा, सीएलएफ मैनेजर सहित राजीविका से जुड़ी स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजसखी पंच गौरव रथ ग्रामीण महिला उद्यिमता को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ 'लोकल फॉर वोकल' और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

वर्ल्ड हिंदू कांग्रेस सम्मेलन 18 से 20 दिसंबर तक

जयपुर। विश्व हिंदू समुदाय का सबसे बड़ा वैश्विक मंच, वर्ल्ड हिंदू कांग्रेस इस वर्ष भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई में आयोजित होगा। 18, 19 और 20 दिसंबर को जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इस सम्मेलन का विषय है समानं व्रतं सह चित्तम् - अर्थात साझा संकल्प, सामूहिक दृढ़ता। इस महासम्मेलन में भारत और विश्व के कोने-कोने से हिंदू नेता, विचारक, उद्यमी, नीति-निर्माता, शिक्षाविद, पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता एकत्र होंगे। इनके बीच धर्म, संस्कृति और समाज के पुनरुत्थान पर विचार-मंथन होगा। स्वामी विज्ञानानंद ने रविवार को पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि 2026 में सात समानांतर विषयगत सम्मेलन आयोजित होंगे - वर्ल्ड हिंदू इकोनॉमिक फोरम, हिंदू एजुकेशन कॉन्फ्रेंस, हिंदू मीडिया कॉन्फ्रेंस, हिंदू पॉलिटिकल कॉन्फ्रेंस, हिंदू वुमेन कॉन्फ्रेंस, हिंदू यूथ कॉन्फ्रेंस और हिंदू ऑर्गेनाइजेशनल कॉन्फ्रेंस।

सार-समाचार

एनएफआईडब्ल्यू राजस्थान की वर्किंग प्रेसिडेंट मिनाक्षी बिंदोरिया सम्मानित

जयपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सा माजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियनवीमेन राजस्थान की वर्किंग प्रेसिडेंट मिनाक्षी बिंदोरिया को आज सम्मा नित किया गया। यह सम्मानराजस्था न सरकार के कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ जी एवं जयपुर जिला कलेक्टर सं देश कुमार नायकजी के द्वारा दिया गया हैं। यह सम्मान उनके लं बे समय से महिला अधिकार, सामाजिक न्याय, जनसेवा तथा जरूरतमंद और वंचित लोगों के लिए किए जा रहे निरंतर कार्यों के लिए प्रदान किया गया। मिनाक्षी बिंदोरिया ने सामाजिक क्षेत्र में कार्य करते हुए महिलाओं, बच्चों, गरीब एवं जरूरतमं द परिवारों तथा संकट ग्रस्त लोगों की सहायता के लिए लगातार सक्रि य भूमिका निभाई है। उनके कार्यों में महिला अधिकारों के प्रतिजा गरूकता, हिंसा से पीड़ित महिला ओं को सहायता, सामाजिक न्याय, नि: शुल्क जनसेवा तथा जरूरतमंद लोगों तकस हायता पहुंचाने जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने विशेष रूप से उन लोगों के बीच काम किया है जोआर्थिक औ र सामाजिक रूप से कमजोर होने के कारण अपने अधिकारों और उपलब्ध स रकारी सहायता तक आसानी से नहींप हुंच पाते। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मिला यह सम्मान केवल मिनाक्षी बिंदोरिया के व्यक्तिगत योगदान की पहचान है, बल्कि उन तमाम सामाजिक कार्यकर्ताओं और जनसंगठनों के संघर्ष का भी सम्मान है जो समाज के कमजोर और वंचित तबकों के अधि कारों के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

इंस्पेक्टर दिनेश सिंह सम्मानित

जयपुर। 80 वे स्वतंत्रता दिवस समारोह का जिला स्तरीय आयोजन 15 अगस्त को चौगान स्टेडियम जयपुर में हजारों लोगों के सामने, मुख्य अतिथि उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री माननीय कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ जी की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर रोड सेफ्टी अवेयरनेस एवं सोशल एक्टिविटीज वर्क में उत्कृष्ट कार्य करने पर प्रादेशिक परिवहन कार्यालय जयपुर द्वितीय विद्याधर नगर में पद स्थापित इंस्पेक्टर दिनेश सिंह को माननीय मुख्य अतिथि उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राजस्थान सरकार कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ जी एवं जिला कलेक्टर व जिला मजिस्ट्रेट माननीय संदेश नायक जी के द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर माननीय सांसद जयपुर शहर मंजू शर्मा जी व विधायक माननीय आचार्य बालमुकुंद आचार्य जी उपस्थित रहे। गौरतलब है कि इंस्पेक्टर दिनेश सिंह ने स्कूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थानों एवं गवर्नमेंट इंस्टीट्ययूशन में सैकड़ो स्टूडेंट व नागरिकों को रोड सेफ्टी अवेयरनेस के लिए प्रेरित किया है। पूर्व में भी इंस्पेक्टर दिनेश सिंह को इन्हीं उत्कृष्ट कार्यों के लिए स्टेट एवं नेशनल लेवल पर सम्मानित किया जा चुका है।

सांगानेर में कांवड़ यात्रा के साथ सहस्त्रघट अभिषेक का आयोजन

जयपुर। सावन के पावन अवसर पर जगन्नाथपुरी, काली का खाना स्थित कृष्ण शिव मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। मंदिर परिसर में भव्य सहस्त्रघट अभिषेक का आयोजन किया गया, वहीं शिवभक्तों ने कांवड़ यात्रा निकालकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कांवड़ यात्रा में शिवभक्त हाथों में कांवड़ लेकर हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारे लगाते हुए मंदिर पहुंचे। जयकारों और भजनों से पूरा वातावरण शिवमय हो गया। यात्रा में युवाओं के साथ महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं ने भी बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई।मंदिर पहुंचने पर कांवड़ यात्रियों का श्रद्धा के साथ स्वागत किया गया। इसके बाद विधि-विधान से भगवान शिव का पवित्र जल से अभिषेक किया गया। मंदिर में आयोजित सहस्त्रघट अभिषेक में श्रद्धालुओं ने कलशों के माध्यम से भगवान भोलेनाथ को जल अर्पित किया। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।आयोजक रतन सिंह राजावत और विष्णु यादव ने बताया कि सावन के पवित्र महीने में भगवान शिव की आराधना और जलाभिषेक का विशेष महत्व है। कांवड़ यात्रा एवं सहस्त्रघट अभिषेक के माध्यम से श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ के प्रति अपनी आस्था प्रकट की तथा समाज में भक्ति, सेवा, सद्भाव और भाईचारे का संदेश दिया।इस दौरान जगन्नाथ पूरी समिति अध्यक्ष अक्षय यादव कोषाध्यक्ष रामावतार शर्मा पवन अठावाल देवराज कुमावत श्याम बाबू यादव लक्ष्मण यादव गणेश कुमावत सहित बड़ी संख्या में मातृ शक्ति उपस्थित रही ।

सर्व ब्राह्मण महासभा महिला प्रकोष्ठ का लहरिया महोत्सव आयोजित

जयपुर। सर्व ब्राह्मण महासभा महिला प्रकोष्ठ की ओर से जयपुर स्थित होटल शिव पैलेस में भव्य एवं रंगारंग लहरिया महोत्सव का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रंग-बिरंगे लहरिया परिधानों में सजी महिलाओं ने पूरे आयोजन को राजस्थानी संस्कृति और परंपरा के रंगों से सराबोर कर दिया कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने पारंपरिक एवं आकर्षक लहरिया परिधानों में रैंप वॉक किया। रैंप वॉक में महिलाओं का आत्मविश्वास और उत्साह देखते ही बना तथा उपस्थित लोगों ने तालियों के साथ प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. शैल शास्त्री एवं राष्ट्रीय महामंत्री सविता शर्मा ने सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा एवं प्रदेश अध्यक्ष दिनेश शर्मा का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में आयोजन समिति की 13 सदस्यीय टीम, जिसमें डॉ कविता शास्त्री, सुनीता शर्मा, नीलम मिश्रा, अंजना गोस्वामी, दीपा शर्मा, अनामिका शर्मा, सौम्यता मिश्रा, अदिति शर्मा, मधु मिश्रा सहित सभी सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

ARBIT it happens here...

राष्ट्रदूत
MONDAY
17 August 2026
A-B

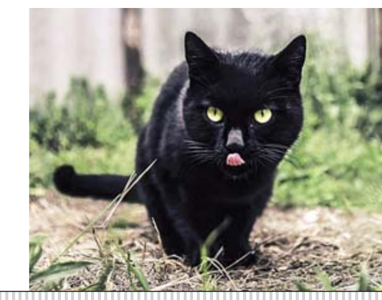

Black Cat Appreciation Day

Black Cat Appreciation Day, observed on August 17 in the USA, aims to dispel myths and superstitions surrounding black cats. Often unfairly associated with bad luck, these beautiful felines have long suffered from negative stereotypes, affecting their adoption rates in shelters. This day highlights their charm, uniqueness, and loving nature, encouraging people to see them as symbols of good fortune and companionship. Animal shelters and pet lovers use the occasion to promote black cat adoptions and spread awareness through social media and events. It's a perfect time to celebrate these mysterious, elegant creatures and give them the love they deserve.

#"SHIR O SHAKAR"

The Timeless Appeal of Seersucker

In the United States Congress, there's a tradition known as "Seersucker Thursday," when lawmakers show up dressed in seersucker suits

Seersucker is one of those fabrics that quietly carries a long, global story while still feeling effortlessly modern. Light, breathable, and instantly recognizable by its puckered stripes, it has become a symbol of relaxed elegance in places as varied as summer sporting events and political traditions.

At events like Wimbledon Championships, where style is almost as important as sport, seersucker often makes an appearance. Its crisp yet casual look fits perfectly with the atmosphere, refined, but not overly formal. The fabric's signature stripes and texture give it a distinctive charm that stands out without trying too hard.

Across the Atlantic, seersucker has even carved out a place in politics. In the United States Congress, there's a tradition known as "Seersucker Thursday," when lawmakers show up dressed in seersucker suits. It's a lighthearted custom that breaks from the usual seriousness of government attire, celebrating both heritage and comfort during the warmer months. What many people don't realize is that seersucker's origins trace back to India. The name itself is derived from the Persian phrase "shir o shakar," meaning "milk and sugar." This poetic description refers to the fabric's texture: smooth stripes alternating with slightly rough, puckered ones. Over time, "shir o shakar" evolved into "seersucker" as the fabric traveled through trade routes and into Western fashion.

Those alternating stripes aren't just decorative, they serve a practical purpose. The puckered sections lift parts of the fabric away from the skin, allowing air to circulate more freely. This makes seersucker especially comfortable in hot, humid climates because it doesn't cling to the body. The result is a fabric that feels as cool as it looks, combining function with understated style.

From its roots in Indian craftsmanship to its presence at iconic events and institutions, seersucker remains a testament to how traditional textiles can find new life across cultures. It's more than just a summer fabric, it's a blend of history, design, and practicality woven into every stripe.

The Desperate Man (Le Désespéré)

"To know in order to do, that was my idea," the artist wrote in 1855. "To be in a position to translate the customs, the ideas, the appearance of my time, according to my own estimation; to be not only a painter, but a man as well; in short, to create living art, this is my goal." By the artist's own token, *The Desperate Man* should be taken as a literal expression of his lived experience. After all, in 1843, when Courbet undertook this anxious self portrait, he was young man without a manifesto, still laboring to build his reputation.

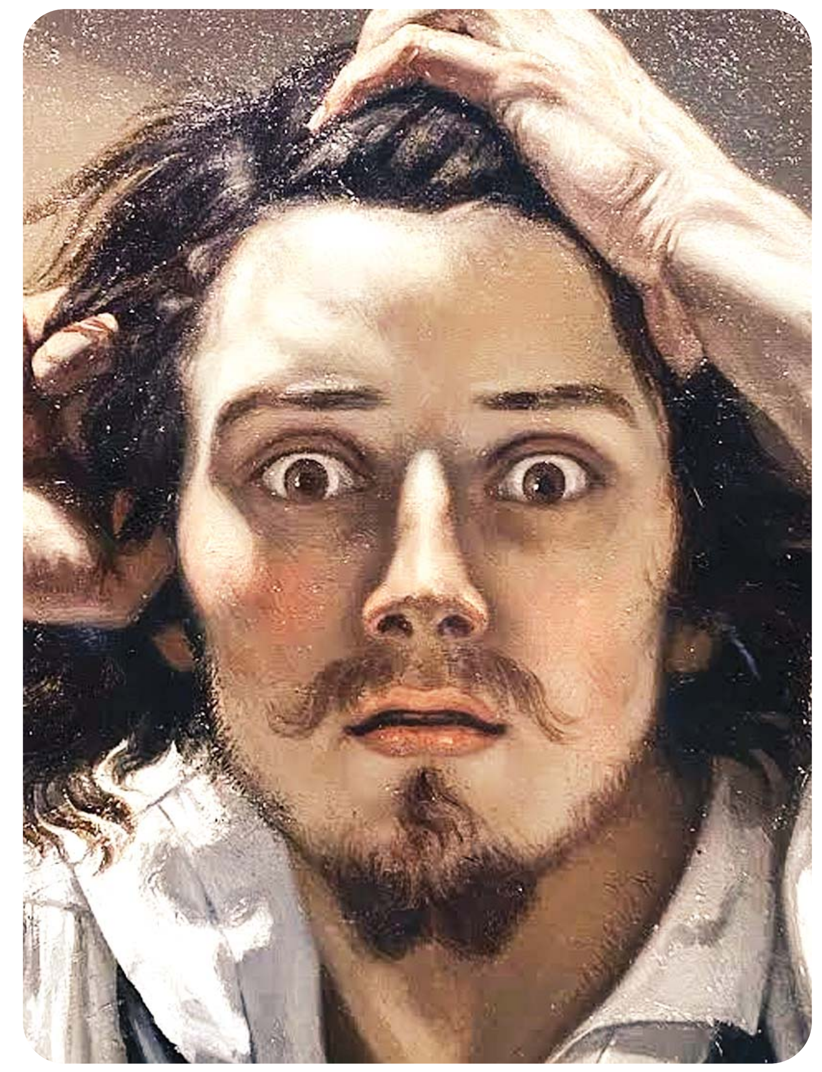

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

Courbet kept this painting until he died. Why would he keep this? An image most of us would hide.

He pushes his own face right to the front of the painting. His mouth is tight. Caught before speech. Both hands clutch his hair as if he is trying to hold himself together. The white shirt catches the light, but everything around him darkens. There is no landscape, no table, no steadying object. Nothing gives this image rest.

Then comes the most unsettling part. He looks straight at us. Not away and not past us. At us. Courbet painted this early in his life before he would become the artist who would challenge French painting. Before the public defiance, and before his name became larger than the man he painted himself. Like this.

He kept it. Most of us carry a version of ourselves we would rather leave behind. The anxious one, the ashamed one, the one who didn't yet know whether life would hold together. But to love oneself begins by seeing yourself without contempt. Courbet gives us a face held in the edge of panic. And somehow, he lets that face meet our eyes. Maybe, some part of us needs that too. Not to be explained away or to be hidden, to simply to be seen and not cast out.

The 24-year-old stares wild-eyed out at the viewer, his hands tearing at his flowing, unkempt hair. In his blousy white shirt and blue smock, Courbet here appears the quintessential Romantic artist, a tortured genius struggling for recognition and a bite to eat.

"May I meet my frightened self without contempt. May honesty come before performance. I notice the hands in the hair and the eyes that don't look away. Today, I will notice one person who seems tightly held together, and I will offer gentle love without needing them to explain themselves."

While familiar in this folkloric sense, *The Desperate Man* contrasts markedly with the public image Courbet had been steadily crafting for himself. Only a few years later, at the Paris salon of 1850-51, he would cause a sensation with confrontational canvases, *The Stone Breakers* (1849-50, since destroyed) and *A Burial at Ornans* (1849-50) among them, featuring ordinary people from his native Ornans depicted at a large scale typically reserved for lofty history painting.

The unvarnished realism of these works would establish Courbet as the proponent of a new art, one that reflected life, including the lower classes, as it is. "To know

#COURBET

in order to do, that was my idea," the artist wrote in 1855. "To be in a position to translate the customs, the ideas, the appearance of my time, according to my own estimation; to be not only a painter, but a man as well; in short, to create living art, this is my goal."

By the artist's own token, The Desperate Man should be taken as a literal expression of his lived experience. After all, in 1843, when Courbet undertook this anxious self-portrait, he was a young man without a manifesto, still laboring to build his reputation.

Courbet had moved to Paris when he was 20, in 1839, to pursue a law degree. He quickly defected from this career path, vowing, he wrote, "to lead the life of a savage," enjoying "the great, independent vagabond life of the Bohemian," as an artist unencumbered by the state. To that end, Courbet skipped enrollment at the Academy of Fine Arts, training instead in various artists' studios and spending hours at the Musée du Louvre copying Old Masters he admired. He also took in works by the previous generation of French Romantic artists, especially Théodore Géricault and Eugène Delacroix, who painted contemporary events on a monumental scale.

Despite his enthusiastic drive, Courbet was still searching for his own artistic identity. Yet, he found

Gustave Courbet (1819-1877)

himself growing increasingly disillusioned by the art establishment as he faced repeated rejection from the state-sanctioned salon. Finally, in 1844, the salon accepted his Courbet with a *black dog* (1842-44), a haughty view of the artist, in black cape and hat, as a resting traveler in a craggy hillside (a trope that repeats in the 1854 work *The Encounter* [Bonjour, M. Courbet], which art historians Linda Nochlin and T.J. Clark have compared to images of the "Wandering Jew," a rootless outsider with whom Courbet identified).

Perhaps, in a literal bid to insert himself into art history, the ambitious but insecure young artist took to the self-portrait on a number of occasions during this decade. In paintings like *The Wounded Man* (1844-54), *The Man with the Leather Belt* (1845-46), and *Man with a Pipe* (ca. 1848), Courbet appears as a Byronic heartthrob who exudes a vulnerable sexuality, the man Nochlin was talking about when she deemed him "the Mick Jagger of the nineteenth century."

These other portraits serve only to complicate the identity of the frightened animal who appears in The Desperate Man. Looking back on his early struggles, Courbet once remarked: "How I was made to suffer despair in my youth!" Aside from these early rejections from the salon, Courbet had a pronounced chip on his shoulder stemming from his parochial bourgeois roots, a feeling that would only become more pronounced as he spun farther away from his Romantic ideals and towards a controversial form of social realism.

Courbet faced a turning point not long after he completed The Desperate Man, undergoing a political and artistic awakening in 1848, a pivotal year both civically and personally. A democratic revolution in France deposed the monarchy and resulted in the liberal Second Republic, and Karl Marx published his Communist Manifesto. That same year, Courbet moved into a studio on the Left Bank, falling in with the poet Charles Baudelaire, art critic Champfleury, and socialist philosopher Pierre-Joseph Proudhon, who encouraged him to create the serious, unidealized depictions of the working classes that would catapult him to notoriety. By the early 1850s, Courbet had acquired the steady support of Alfred Bruyas, a wealthy collector whose patronage allowed him financial freedom. Still, throughout his life, Courbet retained his provocative sense of dissent, and of being an outsider. (As an active socialist, the artist couldn't resist, for instance, begrudging Bruyas's upper-class status in works like The Encounter.) Courbet's characterization of himself as the "proudest and most arrogant man in France" seems distant from the horrified figure in The Desperate Man. A little-known self-portrait completed around the same time, entitled *The Man Mad with Fear* (ca. 1843), shows the artist with an almost identically wretched expression, but in this scene, he crouches down at the edge of an abyss. Here, the Romantic prospect of the solitary genius is literalized to comical effect, the looming threat of failure exemplified by the ridiculous chasm. The Desperate Man, therefore, focuses in on a moment of dichotomy in the artist's life. Just as Courbet began to shed the Romantic tropes of his forebears to attend to a new, modern art, he experienced the now-cliched insecurity of the young artist who stares down his own unknown future. When taken alongside his other self-portraits, and with the fact that it largely remained in his studio during his lifetime, The Desperate Man seems intensely personal, and thus, deeply genuine. In many of his paintings, Courbet was committed to capturing the truth of modern life, or the unwashed masses. But in this picture, he takes off his mask, revealing a much more vulnerable truth about himself.

Courbet himself never mentioned this enigmatic work, which remained with him until his death. The painting has been read as an "expressive head," an academic exercise in the tradition of Charles Le Brun (1619-1690), an image of the artist as mad genius, and an autobiographical work depicting the artist in a moment of personal and artistic crisis. It probably was painted about 1844-45, after Courbet had been rejected several times by the Salon jury and was becoming disillusioned with his youthful Romantic ideals. Looking back on his early struggles, Courbet would comment, "How I was made to suffer despair in my youth!"

rajeshsharma1049@gmail.com

#PALM COCKATOO

Drum Beats in the Rainforest

A male Palm Cockatoo searches for a suitable branch, snaps off a stick, and then trims it with his powerful beak until it resembles a drumstick

Long before humans carved the first drums from wood or stretched animal hide over hollow frames, another musician may already have been performing deep within the rainforests of Australia and New Guinea.

Meet the Palm Cockatoo (Probosciger aterrimus), a striking black parrot with a crimson cheek patch and one of the most extraordinary musical behaviours ever documented in the animal kingdom.

Unlike birds that sing with their voices, Palm Cockatoos create rhythm with tools.

In fact, they are the only known wild animals that deliberately manufacture tools specifically to produce sound.

Nature's First Drummers

The performance begins with careful preparation.

A male Palm Cockatoo searches for a suitable branch, snaps off a stick, and then trims it with his powerful beak until it resembles a drumstick. Sometimes, he may even use a seed pod, but carefully shaped sticks appear to be his preferred instrument.

With drumstick in beak, he flies to a hollow tree, his natural stage. Then, the concert begins. Holding the stick firmly, he strikes the hollow trunk repeatedly, producing loud, resonant beats that echo through the rainforest.

This is not random pecking.

It is rhythmic drumming.

Every Bird Has Its Own Style

Researchers have discovered that individual Palm Cockatoos possess distinctive drumming styles. Some perform faster rhythms, while others prefer slower, deliberate tempos. The spacing between beats differs from bird to bird, creating individual rhythmic "signatures." A performance can continue for several minutes, maintaining a remarkably consistent tempo.

Much like human musicians, no two performers sound exactly alike. These unique patterns suggest that the drumming is more than instinctive noise, it is an individualized display.

Echoes Through the Rainforest

In the dense forests of northern Australia and New Guinea, these remarkable birds continue a tradition that may predate human drumming by millions of years.

Each carefully crafted drumstick, each measured strike against a hollow tree, and each rhythmic performance reminds us that the roots of rhythm may run far deeper in nature than once imagined.

Before concert halls, before orchestras, and perhaps even before humanity's first drum, the rainforest already had its percussionists. And their ancient beats still echo beneath the forest canopy today.

THE WALL

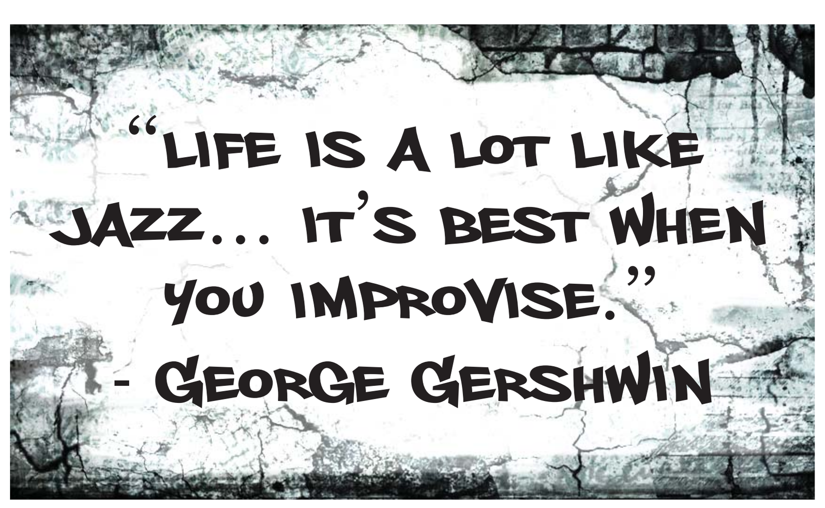

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

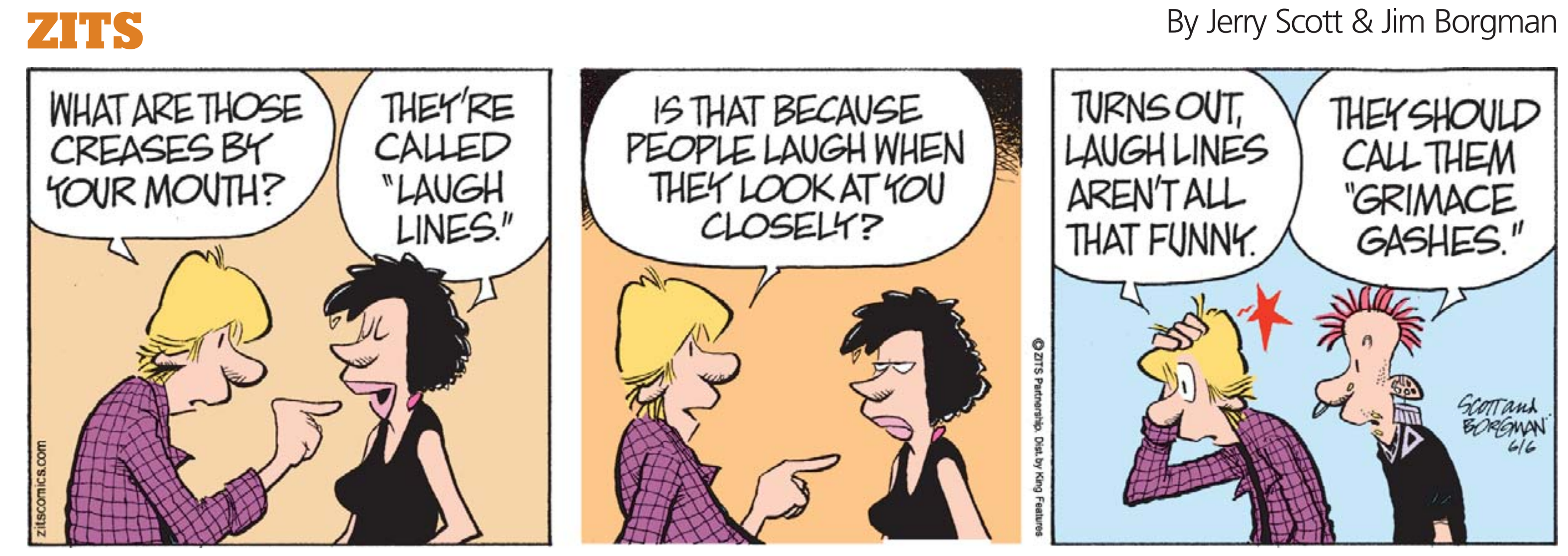

डीडवाना में राज्यपाल ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का अनावरण किया

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले व्यक्तित्व थे : राज्यपाल बागड़े

डीडवाना, (निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागड़े रविवार को डीडवाना के एक दिवसीय दौरे पर रहे। इस दौरान राज्यपाल बागड़े ने कलैक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और हॉस्पिटल चौराहे पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का अनावरण किया। राज्यपाल बागड़े ने प्रतिमा अनावरण समारोह को संबोधित करते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला और उनके साथ व्यतीत किये गए समय के अनुभवों को साझा किया।

राज्यपाल ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन संघर्षों से भरा हुआ रहा, परंतु उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में रहकर भी अपना पूरा जीवन राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिया। राज्यपाल बागड़े ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय चुनावी राजनीति से दूर रहकर जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले व्यक्तित्व थे। उन्होंने गरीब को परमेश्वर माना और अंत्योदय की संकल्पना दी ताकि गरीब कल्याण सुनिश्चित हो सके। राज्यपाल ने कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं से पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को अपनाने और उनके पदचिन्हों पर चलने का आव्हान किया।

इस दौरान कार्यक्रम को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मंत्री अविनाश गहलोत, राज्यसभा सांसद सतीश पूनियां ने भी संबोधित किया और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों के महत्व से अवगत करवाया। इस अवसर पर कार्यक्रम में राज्यपाल बागड़े द्वारा लोकतंत्र सेनानियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में किसान आयोग के अध्यक्ष सीआर चौधरी, सांगलिया धूणी के पीठाधीश्वर ओमदास महाराज, मुकेश दाधीच, जिलाध्यक्ष सुनीता रांदड, जितेंद्र सिंह जोधा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित रहे।

राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागड़े ने डीडवाना के हॉस्पिटल चौराहे पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का अनावरण किया।

- **राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के पदचिन्हों पर चलकर अंत्योदय की संकल्पना को साकार करने का आव्हान किया**

इससे पूर्व राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कलैक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान राज्यपाल महोदय ने जिले के नीट एवं जेईई में चयनित छात्र- छात्राओं से भी मुलाकात की। बैठक में जिला कलैक्टर अवधेश मीना, पुलिस अधीक्षक डॉ. प्यारेलाल शिवरान, अतिरिक्त जिला कलैक्टर रतन कुमार सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कोटा में नीट की तैयारी कर रही बिहार की छात्रा बालकनी से गिरी

कोटा, (निसं)। कोटा आकर मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम नीट की तैयारी कर रही बिहार निवासी 17 वर्षीय छात्रा के बालकनी से गिरने का मामला सामने आया है। बिहार के मधेपुरा निवासी छात्रा का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। वह लंबे समय से कोटा में रह रही है। घटना लैंडमार्क सिटी इलाके के एक हॉस्टल में शुक्रवार को हुई। इस संबंध में भी हॉस्टल संचालक ने पुलिस को सूचना दी।

कुन्हाड़ी थाना अधिकारी देवेश भारद्वाज ने बताया कि दुर्घटना 14 अगस्त को हुई थी। लड़की के ज्यादा चोट नहीं लगी है। चौथी मंजिल से गिरते समय वह बीच में बिजली के तारों से उलझ गई थी, इसके चलते बच गई। घटना के तत्काल बाद छात्रा को निजी अस्पताल ले जाया गया। सूचना पर परिजन भी कोटा पहुंचे। फिलहाल बालिका की तबीयत नॉर्मल है। हालांकि बयान देने की स्थिति में नहीं है।

- **घायल छात्रा का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है**

घटना से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें बालिका गिरने के बाद सड़क पर पड़ी नजर आ रही है। घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए। तत्काल एंबुलेंस बुलवा उसे अस्पताल भेज दिया था। उसके हाथ, पैर और सिर में चोट है। फिलहाल घटना का कारण सामने नहीं आया है। यह भी सामने नहीं आया है कि बालिका गिरी है या हादसा उसने खुद किया है। पुलिस जांच में जुटी है। बालिकाओं के परिजन भी आ गए लेकिन कुछ भी कहने से बच रहे हैं।

भांकरी में एक ही रात में चार मकानों में चोरी

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा थाना क्षेत्र में चोरी की वारदातों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला भांकरी गांव के कल्याणपुरा के पास स्थित मालियों की ढाणी का है, जहां अज्ञात चोरों ने एक ही रात में चार-पांच मकानों को निशाना बनाकर लाखों रुपये की नकदी और लाखों रुपये कीमत के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। एक साथ कई घरों में चोरी की वारदात सामने आने के बाद ग्रामीणों में दहशत और आक्रोश का माहौल है। जानकारी के अनुसार अज्ञात चोरों ने सबसे पहले ख्यालीराम पुत्र भूलाराम सैनी के मकान को निशाना बनाया। चोरों ने खिड़की तोड़कर घर में प्रवेश किया और लाखों रुपये कीमत के आभूषण चोरी कर लिए। बताया जा रहा है कि ये आभूषण परिवार की बेटी ज्योकि दिल्ली पुलिस में कार्यरत है की आगामी शादी के लिए पिछले कई महीनों से संभालकर रखे गए थे। ऐसे में चोरी की इस वारदात ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है।

इसके बाद चोरों ने ओमप्रकाश सैनी पुत्र चंदाराम सैनी के मकान में भी सेंध लगाई। यहां मकान के लेंटर निर्माण के लिए रखी गई लाखों रुपये की नकदी सहित जेवरात पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया। इसके अलावा आसपास के अन्य मकानों को भी चोरों ने निशाना बनाया। कई घरों में खिड़कियां और मुख्य दरवाजे तोड़कर चोरी की गई। हालांकि एक मकान में चोर अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो सके। रविवार सुबह जब ग्रामीण अपने घरों में पहुंचे तो कमरों और सामान को अस्त-व्यस्त देखकर उनके होश उड़ गए। घरों के दरवाजे और खिड़कियां टूटी मिलीं तथा सामान बिखरा पड़ा था। सूचना मिलते ही प्रागपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। विराटनगर वृताधिकारी उमेश निठारवाल तथा प्रागपुरा थाना प्रभारी भजनाराम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पीड़ित परिवारों से जानकारी ली। पुलिस ने घटनास्थल की बारीकी से जांच की। वहीं एफएसएल और एमओबी टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से संभावित महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। पुलिस अब आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही संदिग्ध लोगों और पूर्व में चोरी की वारदातों में शामिल रहे बदमाशों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

युवक की मौत

उदयपुर, (कासं)। डबोक थाना क्षेत्र में दो बाइकों की आमने-सामने हुई भिडंत में घायल युवक की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को डबोक थाना क्षेत्र चित्तौड़ से उदयपुर रोड़ सिंघानिया के समीप दो बाइकों की आमने-सामने भिडंत होने से चावण्ड सराड़ा निवासी अजय रावल (23) पुत्र नारायणनाथ रावल की मौत हो गई तथा साथी हार्दीक मीणा निवासी आसपुर घायल हो गया। दोनों बाइक पर सावंरिया जी से दर्शन कर घर लौट रहे थे।

नाबालिग बालिका को रेस्क्यू किया

कोटा, (निसं)। मानव तस्करी विरोधी यूनिट टीम ने कार्रवाई करते हुए घर से लापता हुई 14 वर्षीय नाबालिग को तलवंडी क्षेत्र से रेसक्यू किया। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 12 अगस्त को फरियादी ने रिपोर्ट दी थी कि उसकी 14 वर्षीय नाबालिग बेटी बिना बताये घर से चली गई है, जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर तलाशी के लिये मानव तस्करी विरोधी यूनिट प्रभारी मीनाक्षी के नेतृत्व में टीम का गठन किया, गठित टीम ने तलवंडी क्षेत्र से बालिका को सुरक्षित रेस्क्यू करवाकर प्रकरण में अग्रिम अनुसंधान कार्रवाई हेतु थाना को सुपुर्द किया।

करौली में जिला स्तरीय समारोह में डोरी टूटने से तिरंगा झंडा नीचे गिरा

फिर से तिरंगा झंडा को पोल पर चढ़ाने के बाद ध्वजारोहण किया गया

करौली, (निसं)। करौली के त्रिलोकचंद माथुर स्टेडियम में शनिवार को 80 वे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित हुए जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला कलैक्टर अक्षय गोदारा द्वारा ध्वजारोहण करते समय डोरी टूटने से तिरंगा झंडा के नीचे गिरने से बड़ी लापरवाही सामने आई। हालांकि फिर से तिरंगा झंडा को पोल पर चढ़ाने के बाद ध्वजारोहण किया गया और स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्साह पूर्वक मनाया गया, लेकिन घटना को लेकर कार्यक्रम में उपस्थित लोगों में तिरंगे के अपमान की बड़ी चर्चा रही।

जिले में सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों में शनिवार को 80 वे स्वतंत्रता दिवस समारोह को उत्साह पूर्वक मनाया गया। जिला मुख्यालय पर जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह यहां के त्रिलोकचंद माथुर स्टेडियम में ध्वजारोहण करने जिला कलैक्टर अक्षय गोदारा निर्धारित समय पर पहुंचे उनके ध्वजारोहण करते समय डोरी टूटने से जिला कलैक्टर के ठीक सामने तिरंगा झंडा नीचे गिरते ही जिला कलेक्टर ने तिरंगे को उठाया जिसको पुनः एक पुलिस कर्मी द्वारा पोल पर तिरंगे को चढ़ाया उसके बाद जिला कलैक्टर के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। उसके बाद स्वतंत्रता दिवस समारोह कार्यक्रम में जिला कलेक्टर द्वारा पुलिस परेड का निरीक्षण किया गया और और पुलिस परेड की सलामी ली गई। इसी मौके पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर द्वारा राज्यपाल के संदेश का पठन किया गया एवं जिला कलैक्टर और जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारी अधिकारी के अलावा सामाजिक क्षेत्र उत्कृष्ट कार्य करने वालो को प्रशंसा पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

जोधपुर में दो युवकों से 15 लाख की ठगी

पीड़ितों ने नागौरी गेट थाने में ठगी के प्रकरण दर्ज कराए

जोधपुर, (कासं)। शहर में दो युवकों से इंवेस्टमेंट के नाम पर 15 लाख से ज्यादा की ठगी के प्रकरण दर्ज हुए हैं। पीड़ितों ने नागौरी गेट थाने में ठगी के प्रकरण दर्ज कराए हैं।

नागौरी गेट पुलिस ने बताया कि मेघवाल बस्ती निवासी पृथ्वीराज पुत्र रामनारायण की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि कुछ समय पहले उसकी पहचान ऋतुल पाटीदार से हुई थी। उसने बड़े मुनाफे का प्रलोभन दिया था। उसने निवेश के नाम पर उससे 9 लाख रूपए ऐंठ लिए। मगर ना तो मुनाफा मिला और ना ही दी गई रकम वापिस मिल पाई। पीड़ित ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि ऋतुल ने बाद में अपना फोन भी बंद कर दिया। नागौरी गेट पुलिस ने प्रकरण पर अब जांच आरंभ की है। दूसरी तरफ मिरासी कॉलोनी रेलवे स्टेशन के सामने नागौरी गेट के रहने वाले समीर अली पुत्र मुमताल अली की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसकी पहचान पवन गुप्ता नाम के शख्स से हुई थी। जिसने शेयर बाजार में इंवेस्टमेंट के नाम पर उससे 6 लाख 65 हजार रूपए निवेश करवाए। मगर काफी समय गुजरने के बाद भी कोई मुनाफा नहीं हुआ। ऑनलाइन खाते में रकम को ट्रांसफर किया गया।

हादसे में जीजा-साले की मौत

उदयपुर, (कासं)। जावरमाइन्स थाना क्षेत्र में डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर घायल जीजा साले की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर में जावरमाइन्स थाना क्षेत्र पलोड़ा रोड़ पर डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में पलोदड़ा निवासी किशन (25) पुत्र नाथू मीणा एवं उसका साला प्रकाश (16) पुत्र चेना मीणा निवासी बगूरवा गंभीर घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। जहां दोनों की मौत हो गई। इस पर एएसआई प्रतापसिंह ने मृतकों को पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। किशन अपने साले को बाइक पर लेकर घर से निकला ही था। इसी दौरान उदयपुर की तरफ से आ रहे डपंर ने बाइक को टक्कर मार दी थी। हादसे के बाद चालक डंपर लेकर फरार हो गया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

- **डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी थी**

बुजुर्ग महिलाओं को बातों में उलझाकर जेवर उतरवाए

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में चार महिलाओं ने दो बुजुर्ग महिलाओं को बातों में उलझाकर चांदी-सोने के जेवर उतरवा लिए। भींडर थाना क्षेत्र के सवना इलाके में पहली वारदात शनिवार शाम को हुई। वहीं दूसरी वारदात भींडर थाना क्षेत्र के शाहजी की भागल पावर हाउस क्षेत्र में करीब 3 घंटे बाद हुई।

जानकारी के अनुसार सोहनी बाई ओड (50) ने बताया कि मुझे लगा चारों महिलाएं घर-घर मांगने वाली हैं या फिर पानी पीने आईं हैं। वे बोलीं कि हमारे यहां चोरी हो गई है। दूसरी महिला बोली कि मेरी बेटी की शादी करनी है। इसी तरह बातें बनाती रहीं। इस दौरान मुझे बातों में ऐसा उलझाया कि मुझे पता ही नहीं लगा कि कब मैंने गले से करीब आधा तोले वजनी सोने का मादलिया खोलकर उन्हें दे दिया। इसके बाद वे तुरंत रवाना हो गईं। बाद में लूट का पता लगा। नगर पालिका रोड पर लगे सीसीटीवी कैमरे में पुलिस को चार संदिग्ध महिलाएं दिखीं हैं।

घटना के करीब तीन घंटे बाद भींडर के शाहजी की भागल पावर हाउस क्षेत्र में काली बाई डामर (70) के साथ भी इसी तरह की वारदात सामने आई। काली बाई ने बताया कि मुझे बातों में उलझाकर तरह-तरह की बातें कीं। उनमें से एक महिला ने मेरे शरीर पर हाथ फेरा। फिर पैर से करीब एक किलो चांदी की कडियां निकलवा लीं। वे 4 महिलाएं थीं। इनमें से दो महिलाओं ने बातचीत शुरू की।बाद में जब मुझे जेवर गायब होने का पता लगा तो मैंने परिजनों को इसकी सूचना दी। घटना की शिकायत भींडर थाने में दर्ज कराई गई है। इसके बाद पुलिस आरोपी महिलाओं की तलाश में जुटी है। पुलिस आसपास सीसीटीवी खंगालते हुए आरोपी महिलाओं की तलाश में जुटी है। पुलिस को भींडर नगर पालिका रोड पर लगे सीसीटीवी कैमरे में पुलिस को चार संदिग्ध महिलाएं दिखीं हैं। पुलिस उनकी तलाश में जुट गई हैं। दोनों घटनाओं में शामिल महिलाओं के हुलिए बातचीत के तरीके और वारदात के पैटर्न को देखते हुए पुलिस जांच में जुटी है। वहीं एक ही दिन में महिलाओं के साथ हुई 2 वारदातों ने इलाके में महिला सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

सरसों के तेल में मिलावट करने वाला गिरोह पकड़ा

टोंक, (निसं)। गत शुक्रवार की रात्रि को जिला स्पेशल टीम व पुलिस थाना बरोनी टीम द्वारा संयुक्त कार्रवाई करते हुए पीपलू क्षेत्र के सोहेला बाइपास पर एक ढाबे पर दबिश देकर ढाबे के पिछे बने एक कमरे में भारी मात्रा में अवैध रूप से भण्डारण किये गये सरसों का खाद्य तेल तथा मौके पर खाद्य तेल के अमानक परिस्थितियों में अवैध भण्डारण एवं विक्रय में संलिप्त तीन आरोपियों को पूछताछ के बाद प्रकरण में संदिग्ध पाये जाने पर गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस की सूचना पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी मदन लाल गुर्जर मय टीम मौके पर पहुंचकर खाद्य तेल के सैम्पल लेकर करीब 2800 लीटर सरसों के तेल को जब्त किया गया। टीम ने मौके से एक पिकअप, स्विफ्ट डिजायर कार और 28,005 रुपए की खरीद-फरोख्त राशि भी बरामद की है। तीन आरोपियों को डिटेन कर बरौनी थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी सरसों के तेल में मिलावट कर उसे नामी कंपनियों के नाम से बेचने का अवैध कारोबार कर रहे थे।

चोर गिरोह का पर्दाफाश, चार आरोपी सहित कबाड़ी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। कैथून पुलिस टीम ने डीआरसी प्लांट में लोहे की सटरिंग प्लेटें चोरी करने की वारदात का खुलासा करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया। साथ ही पुलिस टीम ने चोरी का माल खरीदने वाले कबाड़ी को भी पकडा है। मामले में पुलिस ने एक नाबालिग को विधि संघर्षरत् निरूद्ध किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 12 अगस्त को फरियादी विष्णु चौधरी ने थाने पर रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि उसका काम बालापुरा लिफ्ट परियोजना का सांगोद रोड नहर की पुलिया के पास चल रहा है, रिपोर्ट में कहा कि मौके पर लोहे की स्टरिंग प्लेटें 18 नहीं मिली पता नहीं कोई अज्ञात व्यक्ति लोहे की स्टरिंग प्लेटें चुरा कर ले गये। फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए कैथून थानाधिकारी मनोज सिंह सिकरवार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए कैथून निवासी सिकन्दर (47), कैथून निवासी अयान (20), कैथून निवासी राहुल (21) एवं कैथून निवासी शोयब (20) को गिरफ्तार किया। साथ ही चोरी का माल खरीदने वाले भीमपुरा निवासी कबाड़ी फरियाद हुसैन (49) को भी पकड़ा एवं एक बालक को विधि से संघर्षरत निरूद्ध किया। पुलिस टीम ने पकडे गये आरोपियों से लोहे की 17 सटरिंग प्लेटें व थाना सीमलिया थाना क्षेत्र से चुराई हुई दो मोटरसाइकिलें व घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

- **मामले में पुलिस ने एक नाबालिग को विधि संघर्षरत् निरूद्ध किया है**

ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस जांच में सामने आया है कि यह गिरोह बेहद शातिराना और संगठित तरीके से काम करता था जो प्लांटों व मकानों की रैकी करता है, जिनके घरों के बाहर जो मोटरसाइकिलें मिलती उनको मास्टर की से चोरी करके ले जाते हैं। उसके बाद सुनसान जगह पर छुपा देते हैं तथा मोटरसाइकिलों को खोलकर उनके पार्टस को अलग-अलग करके बेच देते हैं।

रूपयों से भरा बैग लेकर भागा बदमाश

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा इलाके के शॉपिंग सेंटर क्षेत्र में एक जने द्वारा कार से उतरकर पांच लाख रूपये से भरा बैग लेकर भागने का मामला सामने आया है। मामले में सामने आया कि रूपयों से भरा बैग लेकर भागने वाला बदमाश पीड़ित का ही परिचित था। जानकारी के अनुसरा इलाके के शॉपिंग सेंटर में एक कार में तीन-चार जने बैठकर बात कर रहे थे। इसी दौरान एक अख्तर नाम का युवक रूपयों से भरे बैग को लेकर कार से उतरकर भागने लगा, जिसका कार में बैठे अन्य ने पीछा भी किया। पूरा घटनाक्रम वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गया। पीड़ित ने इसकी शिकायत गुमानपुरा थाने में दी है। गुमानपुरा थानाधिकारी सुनील सिंह सिसोदिया ने बताया कि सोहेल नाम के युवक ने शिकायत दी है, मामले में क्रिप्टो करेंसी की बात सामने आ रही है, पीड़ित ने अख्तर नाम के युवक के खिलाफ पांच लाख रूपयों से भरा बैग ले जाने की रिपोर्ट दी है। थानाधिकारी ने बताया कि पीड़ित की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच एवं फरार आरोपी की तलाश की जा रही हैं।

सिर के ऑपरेशन के बाद एक साल की बच्ची की मौत

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में आरएनटी मेडिकल कॉलेज के बाल चिकित्सालय में शनिवार देर रात एक साल की बच्ची की मौत हो गई। परिजनों ने उदयपुर में आरएनटी मेडिकल कॉलेज के बाल चिकित्सालय में शनिवार देर रात एक साल की बच्ची की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया। परिजनों ने नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही के आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। मामले में पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

परिजनों का आरोप है कि उन्होंने कई बार स्टाफ को बच्ची की हालत बिगड़ने की जानकारी दी, लेकिन वहां तैनात स्टाफ ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। परिजनों ने कहा कि उन्हें बच्ची से मिलने के लिए वार्ड में जाने से भी रोक दिया गया। हंगामे की सूचना पर हाथीपोल थानाधिकारी राजू देवी जाब्ते के साथ मौके पर पहुंची और समाझाइश के बाद मामला शांत कराया। परिजनों ने इस संबंध में थाने में शिकायत भी दर्ज कराई है।

डॉक्टरों के अनुसार, बच्ची को बचाने की पूरी कोशिश की गई। इलाज में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरती गई। आलू फैक्ट्री निवासी दिनेश सालवी ने अपनी 1 साल की बेटी आराध्या को 11 अगस्त को बाल चिकित्सालय में भर्ती कराया था। दूसरे दिन डॉक्टरों ने उसके सिर में गांठ का ऑपरेशन किया था। जिसके बाद उसे आईसीयू में शिफ्ट किया गया। दिनेश ने बताया कि उनकी बच्ची सुबह अच्छे से हंस-बोल रही थी, लेकिन कुछ समय बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। हमने वहां मौजूद स्टाफ को बार-बार बताया लेकिन उन्होंने कोई सुनवाई नहीं की। आखिरकार बच्ची ने दम तोड़ दिया। नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टर्स की लापरवाही से मेरी बच्ची की जान गई है।

- **परिजनों ने नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही के आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की**

शिक्षा निदेशालय में एक करोड़ खर्च होने के बाद भी मीटिंग हॉल का कार्य सात साल से अधूरा

बीकानेर, (निसं)। यहां शिक्षा निदेशालय में करीब एक करोड़ रुपए खर्च होने के बाद भी मीटिंग हॉल सात साल से अधूरा पड़ा है। भवन का स्ट्रक्चर करीब चार साल पहले तैयार हो चुका था, लेकिन फर्नीचर तक नहीं लगाया गया। इस्तेमाल शुरू होने से पहले ही दीमक ने स्टेयर, दीवारों और टॉयलेट को नुकसान पहुंचा दिया, जबकि खिड़कियों के कांच भी टूट चुके हैं। खास बात यह है कि यह भवन निदेशालय परिसर में अधिकारियों की सीट से महज 100 मीटर दूर है, फिर भी इसे पूरा कराने की सुध नहीं ली गई। तत्कालीन विधायक गोपाल कृष्ण जोशी ने 20 लाख की मांग के बजाय 50 लाख रुपए विधायक कोटे से दिए थे। अब करीब एक करोड़ रुपए खर्च होने के बाद भवन को उपयोग में लाने की जगह उसके खंडहर बनने का खतरा है।

- **भवन का स्ट्रक्चर करीब चार साल पहले तैयार हो चुका था, लेकिन फर्नीचर तक नहीं लगाया गया**
- **इस्तेमाल शुरू होने से पहले ही दीमक ने स्टेयर, दीवारों और टॉयलेट को नुकसान पहुंचा दिया, जबकि खिड़कियों के कांच भी टूट चुके हैं**

बीकानेर के शिक्षा निदेशालय परिसर में अधिकारियों की बैठकों के लिए मीटिंग हॉल बनाने का काम करीब सात साल पहले शुरू हुआ था।

इसकी शुरुआत तत्कालीन शिक्षा निदेशक नथमल डिडेल के प्रयासों से हुई। उन्होंने तत्कालीन भाजपा विधायक गोपाल कृष्ण जोशी से विधायक कोटे से 10 से 20 लाख रुपए देने का आग्रह किया था। प्रोजेक्ट को बेहतर मानते हुए जोशी ने 20 लाख की जगह 50 लाख रुपए दिए और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त बजट देने का आश्वासन भी दिया। इसके बाद डिडेल का ट्रांसफर हो गया। करीब चार साल पहले भवन का स्ट्रक्चर तैयार हो गया और अब तक करीब एक करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। हॉल का निर्माण आधुनिक सुविधाओं को ध्यान में रखकर किया गया था। इसमें स्टेयर बनाई गई थी, ताकि पीछे बैठने वाले लोग भी मंच पर मौजूद व्यक्ति को आसानी से देख सकें। हर चेयर के आगे माइक लगाने की व्यवस्था की गई थी। टॉयलेट और अन्य कमरे भी बनाए गए हैं।

तत्कालीन विधायक गोपाल कृष्ण जोशी ने 50 लाख रुपए देने के साथ हर सीट पर माइक सिस्टम लगाने के लिए भी कहा था। यानी भवन को इस तरह तैयार किया गया था कि इसमें अधिकारियों की नियमित बैठकों के साथ बड़े अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और मंत्री या मुख्यमंत्री के कार्यक्रम भी हो सकें। भवन का स्ट्रक्चर तैयार होने के करीब चार साल बाद भी इसमें फर्नीचर तक नहीं लगाया जा सका है। मुख्य रूप से अब फर्नीचर का काम बाकी है। फर्नीचर लगने के बाद हॉल का उपयोग शुरू किया जा सकता है। लेकिन जिस जगह टेबल-कुर्सियां लगनी थीं और अधिकारियों की बैठकें होनी थीं, वहां लंबे समय से काम बंद पड़ा है। इस दौरान खिड़कियों के कांच टूट चुके हैं। स्टेयर, दीवारों और टॉयलेट में दीमक लग चुकी है। यानी जिस हॉल को बैठकों के लिए तैयार किया गया था, वह उपयोग शुरू होने से पहले ही खराब होने लगा है। हाल ही में रिटायर हुए माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट करीब दो साल तक निदेशालय में रहे, लेकिन इस दौरान भी भवन को पूरा करवाने की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई।

रिटायर संयुक्त निदेशक रमेश हर्ष का कहना है कि यह भवन तत्कालीन निदेशक नथमल डिडेल और तत्कालीन विधायक गोपाल कृष्ण जोशी के प्रयासों से बना था। अब विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है।

इस हॉल का उपयोग डीईओ और डीडी स्तर के अधिकारियों की मीटिंग के लिए किया जा सकता है। मंत्री या मुख्यमंत्री के बीकानेर आने पर भी यह हॉल उपयोगी साबित हो सकता है। उनका कहना है कि जिस उद्देश्य से यह भवन बनाया गया था, उसका फायदा अब तक नहीं मिल पाया है।

दावे का भुगतान समय पर नहीं करने पर बीमा कंपनी पर हर्जाना लगाया

जोधपुर, (कासं)। कोरोना से डॉक्टर की मृत्यु का पचास लाख रुपए दावे का भुगतान सवा दो साल बाद किए जाने पर बीमा कंपनी को 10 लाख 29 हजार रूपए बतौर ब्याज और 20 हजार रूपए हर्जाना तथा परिवाद व्यय 11 हजार रुपए अदा करने होंगे। जिला उपभोक्ता आयोग जोधपुर प्रथम के अध्यक्ष राजकुमार सुथार और सदस्य दिलशाद अली ने परिवाद मंजूर करते हुए न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक और चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय के उप महाप्रबंधक को दो माह में इसकी पालना करने का आदेश दिया।

अंजना व्यास ने अधिवक्ता अनिल भंडारी के माध्यम से परिवाद दायर कर कहा कि उनके पति डॉ. मनमोहन व्यास जब रेवाड़ी के एक अस्पताल में कार्यरत थे तभी कोरोना ग्रसित मरीजों का इलाज करते वे एक मई 2021 को कोरोना की चपेट में आ गए और 17 मई को गुरूग्राम के अस्पताल में उनका निधन हो गया। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज योजना के तहत न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी ने उनका दावा देरी से कागजात पेश करने पर ख़ारिज कर दिया, जिसे राजस्थान उच्च न्यायालय में चुनौती दिए जाने पर 12 दिसंबर 2023 को रिट याचिका का निस्तारण करते हुए बीमा कंपनी को दो माह में दावा निपटान करने का आदेश दिया। बीमा कम्पनी की ओर से पालना नहीं किए जाने पर अवमानना याचिका के नोटिस जारी होते ही 3 सितंबर 2024 को परिवादी को पचास लाख रुपए का भुगतान कर दिया।

- **जिला उपभोक्ता आयोग जोधपुर ने परिवाद मंजूर करते हुए आदेश दिये**

अधिवक्ता अनिल भंडारी ने बहस करते हुए कहा कि इरडा द्वारा अधिसूचित स्वास्थ्य बीमा 2016 में 30 दिन में दावा निपटान करने का आज्ञात्मक प्रावधान है और परिवादी ने सभी कागजात 22 मार्च 2022 तक पेश कर दिए थे, सो बीमा कंपनी ब्याज वास्ते दाई है। बीमा कंपनी की ओर से कहा गया कि हाईकोर्ट ने ब्याज का कोई आदेश नहीं दिया है और भारत सरकार ने न्यू इंडिया को कुल 110 करोड़ रुपए प्रीमियम दिया है सो जिला आयोग में परिवाद पोषणीय नहीं है।

जिला उपभोक्ता आयोग ने परिवाद मंजूर करते हुए बीमा कंपनी पर 20 हजार रुपए हर्जाना और 11 हजार रूपए परिवाद व्यय लगाते हुए कहा कि परिवादी को पचास लाख रुपए का भुगतान होने से ब्याज के वास्ते जिला आयोग को परिवाद सुनने का अधिकार है। उन्होंने इरडा द्वारा जारी अधिसूचना के आधार पर न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक और चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय के उप महाप्रबंधक को दो माह में 22 मई 2022 से 3 सितंबर 2024 तक पचास लाख रुपए पर 9 फीसदी ब्याज अदा करने का आदेश दिया।

80वें स्वतंत्रता दिवस पर सीएम भजनलाल शर्मा ने बीकानेर में ध्वजारोहण किया

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से वर्षाकाल में अधिक से अधिक पौधरोपण करने का आव्हान किया

बीकानेर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 44 राज्य को सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करने का निर्देश देता है। हमारी सरकार इसी संवैधानिक भावना के अनुरूप राजस्थान सिविल संहिता-2026 लाने की दिशा में काम कर रही है। इससे प्रदेश के सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून सुनिश्चित किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री शनिवार को बीकानेर के डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में 80वें स्वतंत्रता दिवस राज्य स्तरीय समारोह में ध्वजारोहण के बाद प्रदेशवासियों को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्वतंत्रता दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में मार्च पास्ट की सलामी ली।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में शांति और सुरक्षा का वातावरण निर्माण करने के लिए राज्य सरकार ने कई बड़े और कड़े कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की प्रतिष्ठा विश्वपटल पर नई ऊंचाइयों को छू रही है, यही कारण है कि आज पूरी दुनिया भारत की ओर आशा और विश्वास से देख रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान के लिए पानी केवल संसाधन ही नहीं जीवन, अर्थव्यवस्था और भविष्य का आधार है। सरकार प्रदेश में जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्राथमिकता से कार्य कर रही है। राम जल सेतु लिंक परियोजना को तेजी से मूर्त रूप दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान अब बिजली खरीदने वाले राज्य से बिजली प्रदाता राज्य की दिशा में आगे बढ़ चुका है। राजस्थान सौर ऊर्जा क्षमता में देश में प्रथम और अक्षय ऊर्जा क्षमता में दूसरे स्थान पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तीकरण के बिना विकसित राजस्थान की कल्पना संभव नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सार्वजनिक सेवाओं को सरल, सुगम एवं सम्मानजनक बनाते हुए आमजन की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जा रहा है। ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों के माध्यम से लोगों को राहत दी जा रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान अभूतपूर्व आर्थिक प्रगति करते हुए आज देश की सातवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए, जिनमें से करीब 9 लाख करोड़ रुपये के एमओयू पर काम शुरू हो चुका है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से वर्षाकाल में अधिक से अधिक पौधरोपण करने का आव्हान करते हुए कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' और 'हरियालो राजस्थान' अभियान के तहत अब तक 24 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं तथा सरकार ने 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

मुख्यमंत्री ने ध्वजारोहण के बाद परेड का निरीक्षण किया और मार्चपास्ट की सलामी ली। उन्होंने प्रशासन, पुलिस सहित राजकीय सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों को पदक, योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान किए। साथ ही, समाज सेवा, लोक कलाओं, पर्यावरण एवं खेलों के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले लोगों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए।

- **महिला सशक्तीकरण के बिना विकसित राजस्थान की कल्पना संभव नहीं है : भजनलाल शर्मा**

समारोह में राजस्थान के अलावा ओडिशा, पश्चिम बंगाल एवं उत्तर प्रदेश से आए लोक कलाकारों ने मनोहारी लोक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। साथ ही, छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीतों पर सामूहिक नृत्य की प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में मुख्य आरक्षक अजीत सिंह के नेतृत्व में बीएसएफ के ऊंट दस्ते द्वारा प्रदर्शन किया गया। भव्य समारोह का आरंभ और समापन राष्ट्र गीत एवं राष्ट्र गान के साथ हुआ। वंदे मातरम की रचना के 150 वर्ष पूरे होने के सम्मान में राज्य स्तरीय स्वाधीनता दिवस समारोह में पहली बार राष्ट्र गीत का सामूहिक गायन किया गया। समारोह में केन्द्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुनराम मेघवाल, राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष सी. आर. चौधरी, विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल, अंशुमान सिंह भाटी, जेठानंद व्यास, ताराचंद सारस्वत, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, गणमान्यजन एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

झालावाड़ में निजी बस की टक्कर से चार श्रद्धालुओं की मौत

हादसे में रामगंजमंडी के तीन, कोटा के एक युवक की मौत हो गई

रामगंजमंडी, (निसं)। झालावाड़ जिले के खानपुर क्षेत्र स्थित पातले पीर धार्मिक स्थल के पास शनिवार देर शाम को प्राईवेट बस चालक द्वारा सड़क किनारे खड़े छह श्रद्धालुओं को टक्कर मारने का मामला सामने आया है। हादसे में चार श्रद्धालुओं की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं में तीन रामगंजमंडी के एवं एक कोटा का निवासी बताया गया है।

मामले में सामने आया कि दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं को कैथून से आई एक निजी बस ने टक्कर मार दी। हादसे में घायल दो जनों को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार शनिवार रात करीब आठ बजे पातले पीर धार्मिक स्थल से श्रद्धालु दर्शन कर वापस लौट रहे थे, इसी दौरान एक निजी बस स्टार्ट होकर आगे बढ़ी और सड़क किनारे

- **मामले में सामने आया कि दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं को कैथून से आई एक निजी बस ने टक्कर मार दी थी**

खड़े श्रद्धालुओं को टक्कर मारते हुए चपेट में ले लिया, हादसे में छह लोग घायल हो गए। प्रारंभिक जानकारी में बस के ब्रेक फेल होने तथा बारिश के कारण सड़क पर फिसलन और ढलान होने से बस के अनियंत्रित होने की आशंका भी जताई जा रही है। हालांकि पुलिस ने हादसे के कारणों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

हादसे में रामगंजमंडी की गरीब नवाज कॉलोनी निवासी हामिद खान, तालिब और रेहान अब्बासी की मौत हो गई। वहीं कोटा के गोविंद नगर निवासी अल्फेज ने भी हादसे में जान गंवा दी। हामिद खान को हादसे के बाद खानपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं रेहान, तालिब और अल्फेज को गंभीर हालत में झालावाड़ के एसआरजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान तीनों ने दम तोड़ दिया। वहीं हादसे की सूचना मिलते ही सारोला थाना पुलिस सहित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी अस्पताल पहुंचे और घायलों के उपचार की जानकारी ली। वहीं रामगंजमंडी के गरीब नवाज कॉलोनी निवासी तीन जनों की मौत होने से कॉलोनी मे मातम का माहौल व्याप्त हो गया, अंजुमन कमेटी के सदर मकसूद पाया ने सभी मृतकों के परिजनों को ढांढस बंधाया।

टीनशेड पर चढ़ते श्रमिक गिरा, मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के बोरानाडा स्थित एक फैक्टरी में टीनशेड पर चढ़ते एक श्रमिक नीचे गिर गया। हादसे में घायल श्रमिक की अस्पताल में मौत हो गई। वहीं दूसरी तरफ एक युवक ने अपने किराए के कमरें पर फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। मामले में पिता भवानी शंकर ने मर्ग में रिपोर्ट दी। वहीं पुलिस मामले को लेकर जांच कर रही है।

बोरानाडा पुलिस ने बताया कि मूलत : शेरगढ़ के साई निवासी 25 साल का प्रकाशराम पुत्र विरमाराम जाट यहां बोरानाडा स्थित एक फैक्टरी में टीनशेड पर चढ़ते समय अनियंत्रित होकर गिर गया। हादसे में गंभीर रूप से घायल होने पर उसे अस्पताल ले जाया गया। मगर बाद में उसकी मौत हो गई। इस बारे में उसके भाई मांगाराम की तरफ से थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी गई। दूसरी तरफ एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में किराए पर रहने वाले सुवासरा मंदसौर एमपी निवासी 35 साल के संजय पुत्र भवानी शंकर ने अपने रूम पर फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। वह यहां जोधपुर में रहकर मजदूरी करता था। उसके आत्महत्या का कारण पता नहीं चल पाया है। उसके पिता भवानी शंकर ने मर्ग में रिपोर्ट दी।

जोधपुर ले जाया जा रहा 61 लाख का डोडा-चूरा बरामद, दो गिरफ्तार

नाकाबंदी के दौरान देवली मांझी पुलिस टीम ने दो कारों से डोडा-चूरा जब्त किया

कोटा, (निसं)। अवैध मादक पदार्थ की तस्करी व तस्करों की धरपकड़ के लिये ग्रामीण पुलिस टीम की ओर से चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत ग्रामीण इलाके की देवली मांझी पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान कार्रवाई करते हुए दो कारों से 278 किलो डोडा-चूरा बरामद कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है।

मामले में सामने आया कि पुलिस टीम द्वारा नाकाबंदी के दौरान पकड़ा गया अवैध मादक पदार्थ को ग्रामीण क्षेत्र से होकर डांगियावास जोधपुर ले जाया जा रहा था। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि देवली मांझी थानाधिकारी ने मय जाब्ता आवां तिराहा देवली मांझी पर नाकाबंदी कर वाहनों की चेकिंग की। पुलिस नाकाबंदी के दौराने सांगोद की और से दो कारे तेज गति से आती हुई दिखाई दी। पुलिस नाकाबंदी को देखते हुए दोनों कारों के चालक नाकाबंदी के लिये लगाए गए बैरिकेट्स को टक्कर मारते हुए दोनों वाहनो को तेजी से कोटा की ओर भगाकर ले जाने लगे, जिस पर दोनों कारों को रोकने के लिये थाना कैथून को भी नाकाबंदी के लिये सूचित किया गया। दोनों कारों का पुलिस टीम द्वारा पीछा किया गया, पुलिस को पीछा आता देखकर दोनों वाहनों के चालक वाहन को कोटा-सांगोद रोड पर खड़ा कर उतरकर खेतों में भागने लगे। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने भागकर दोनों को डिटेन किया व दोनों डिटेनशुदा व्यक्तियों से भागने का कारण पूछा तो दोनों व्यक्ति घबराने लगे। दोनों व्यक्तियों ने कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया, जिस पर टीम ने कब्जे मे ली कारों की तलाशी ली तो तलाशी के दौरान कारो से अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा बरामद किया गया। पुलिस टीम ने मौके पर एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए खेडी सालवा थाना डांगियावास जिला जोधपुर के निवासी श्रवण पूनिया (29) एवं जिला जोधपुर के खेडी सालवा थाना डांगियावास निवासी नरपतराम पूनियां (41) को गिरफ्तार किया। पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

मकराना में हुये सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

आरओबी की बैरिकेडिंग से पिकअप कैंपर टकरा गई थी

मकराना, (निसं)। शहर के मंगलाना रोड स्थित आरओबी पर शनिवार को बड़ा सड़क हादसा हो गया। यहां बड़े वाहनों को रोकने के लिए लगाई गई बैरिकेडिंग से एक पिकअप कैंपर गाड़ी टकरा गई। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कैंपर में सवार होकर बेड़वा, मौलासर निवासी 4 महिलाएं और 4 पुरुष पुष्कर जा रहे थे। बताया जा रहा है कि तीन युवक कैंपर के पीछे खड़े थे। इसी दौरान मंगलाना रोड आरओबी पर बेरिकेडिंग से कैंपर टकरा गई। हादसे के बाद चालक घायलों को नजदीकी निजी अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां से उन्हें राजकीय उप जिला चिकित्सालय भेज

- **हादसे में एक युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया**

दिया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने विकास पुत्र बालाराम (18) निवासी बेड़वा, मौलासर और दुर्गराम पुत्र नारायणराम (21) निवासी बेड़वा, मौलासर को मृत घोषित कर दिया। वहीं जयसिंह पुत्र सुरेंद्र सिंह (21) निवासी बेड़वा को गंभीर हालत में उपचार के लिए रेफर किया गया। कैंपर में सुशीला कंवर, गीता देवी सहित अन्य महिलाएं भी सवार थीं। सूचना मिलने पर परबतसर पुलिस अस्पताल पहुंची और घटना की जानकारी ली। दोनों मृतकों के शव मोर्चरी में रखवाए गए हैं।

गोदाम से एसी चुराने का आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। कोतवाली थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक्स गोदाम से एयर कंडीशनर (एसी) चुराने के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे पांच हजार रुपये के इनामी आरोपी रोशन लाल वैष्णव को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी के दो एसी भी बरामद किए हैं।

जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा ने बताया कि शहर में हुई चोरी की घटनाओं का खुलासा करने और वांछित अपराधियों को पकड़ने के लिए कोतवाली थानाधिकारी हनुमान चौधरी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया था, जिसमें साइबर सेल को भी शामिल किया गया था। पुलिस के अनुसार 14 जुलाई 2024 को अशोक कुमार सामरिया (47) निवासी माणिक्यनगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया कि सूचना केंद्र के पास स्थित उनकी दुकान श्री इलेक्ट्रॉनिक्स का गोदाम सिंधु नगर में स्थित है। 12 जून से 9 जुलाई 2024 के बीच अज्ञात बदमाशों ने गोदाम के पीछे का गेट तोड़कर अंदर रखे 6 नए एयर कंडीशनर पार कर दिए। रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। अनुसंधान के दौरान पूर्व में सह आरोपी प्रवीन गुजराती को गिरफ्तार किया गया था तथा आरोपी गोपाल उर्फ राहुल जाट को जिला कारागार भीलवाड़ा से प्रोडक्शन वारंट पर प्राप्त कर पूछताछ की गई। पूछताछ में सामने आया कि चोरी किए गए एसी रोशन वैष्णव ले गया था। इसके बाद टीम ने मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी रोशन लाल वैष्णव (32) निवासी सारणों का खेड़ा (थाना बागौर) को पटेल नगर स्थित किराए के मकान से घेराबंदी कर धर दबोचा। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी रोशन वैष्णव के खिलाफ चित्तौड़गढ़ जिले के राशमी पुलिस थाने में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण में भी स्थाई वारंट पेंडिंग चल रहा था।

बस में चोरी का खुलासा, महिला गिरफ्त में

नापासर, (निसं)। पुलिस ने बस में हुई चोरी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी महिला से नौ हजार रुपए बरामद किए हैं।

थानाधिकारी कविता पूनिया के निर्देश पर एएसआई कविंद्र कुमार ने पंजाब के गीदड़वा गांव की 33 वर्षीय महिला पोपा को दस्तयाब किया। पुलिस के अनुसार जसरासर निवासी ओमप्रकाश सोनी और गंगाशहर निवासी मोबीना बस से यात्रा कर रहे थे। इसी दौरान ओमप्रकाश सोनी के बैग से 100 ग्राम वजनी चांदी का नेकलेस चोरी हो गया। मोबीना के बैग से 9 हजार रुपए नकद चुराए गए थे। पुलिस ने मोबीना के चोरी हुए 9 हजार रुपए बरामद कर लिए हैं। हालांकि, ओमप्रकाश सोनी का चांदी का नेकलेस अभी तक बरामद नहीं हुआ है और उसकी तलाश जारी है। महिला आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया।

निर्माणाधीन मकान के खुले टैंक में गिरकर मासूम की मौत

कोटा, (निसं)। जवाहर नगर थाना इलाके में एक ढाई साल के मासूम बच्चे की पानी के खुले टैंक में गिरने से मौत का मामला सामने आया है। मामले में सामने आया कि स्वतंत्रता दिवस होने के चलते दोनों पति-पत्नी तिरंगे झंडे बचने के लिए तलवंडी चौराहे और आसपास के इलाके में चले गए थे और उनके बच्चे अन्य बच्चों के साथ घर के पास खेल रहे थे। उसी दौरान एक मासूम बच्चा निर्माणाधीन मकान के खुले टांके में गिर गया। बालक के माता-पिता जब घर पहुंचे तो बालक की काफी तलाश की, बाद में निमार्णाधीन मकान के टैंक में पानी के उपर फुटबॉल तैरती देखी तो टैंक में उतरकर देखा तो मासूम बालक टैंक में मिला जिसे अस्पताल लेकर गये, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

जवाहर नगर थाने के एएसआई महेन्द्र सिंह हाडा ने बताया कि बारां जिले के मंडोला गांव से दिलखुश अपनी पत्नी और दो जुड़वां बच्चों के साथ कोटा आया हुआ था। उसके ससुर तलवंडी इलाके में एक निर्माणाधीन मकान में चौकीदारी करते हैं वहीं वह पत्नी के साथ रुका हुआ था। बच्चों को छोड़कर दोनों पति-पत्नी शनिवार सुबह तिरंगे झंडे बेचने के लिए निकल गये। वापस आने पर उनका बालक अक्षु वहां नहीं मिला जिसकी परिजनो ने काफी तलाश किया। मामले में पुलिस को सूचना दी गई। एएसआई ने बताया कि बालक की फुटबॉल पानी के टांके में तैरती नजर आई इसके बाद जब टैंक में तलाश किया गया तो बालक टैंक में मिला।

123 डोडा-चूरा बरामद

कोटा, (निसं)। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने एक ट्रैक्टर-ट्रॉली की तलाशी के दौरान 123.630 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा जब्त किया। टीम ने कार्रवाई करते हुए एक जने को गिरफ्तार किया। केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि एक ट्रैक्टर-ट्रॉली से बिजौलियां तक अवैध डोडा-चूरा ले जाया जा रहा है। सूचना पर सीबीएन चित्तौड़गढ़ सेल के अधिकारियों की एक टीम का गठन किया गया और टीम को मौके पर रवाना किया गया। टीम ने निगरानी के दौरान, संदिग्ध ट्रैक्टर की पहचान की और उसे तुरंत रोक लिया गया। टीम ने कार्रवाई करते हुए ट्रॉली और उसके हाइड्रोलिक सिस्टम के बीच एक गुप्त जगह (चैंबर) में छिपाया गया 123.630 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा बरामद किया। टीम ने मौके पर कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद, बरामद अवैध डोडा-चूरा और ट्रैक्टर को जब्त कर लिया गया है और एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में आगे की जांच जारी है।

विवाहिता का शव डिग्गी में मिला

पति और सास के खिलाफ मामला दर्ज कराया

नापासर, (निसं)। थाना क्षेत्र में विवाहिता की मौत पर ससुराल पक्ष पर हत्या का मामला दर्ज हुआ है। रिपोर्ट में पीहर पक्ष ने बाइक सहित अन्य दहेज की मांग को लेकर पति नरेंद्र और सास मैनादेवी के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया कि, पुष्पा की शादी साल 2017 में मुंडसर निवासी नरेंद्र कुमार से हुई थी। पिता महावीर जाट ने बताया कि शादी के बाद से ही सास मैना देवी दहेज को लेकर पुष्पा को ताने मारती और प्रताड़ित करती थी और अक्सर पति-पत्नी में विवाद होता था। पीहर पक्ष का आरोप है कि सास मैना देवी और पति नरेंद्र ने खेत में बनी डिग्गी में धकेलकर मार डाला। सुबह परिजनों को पुष्पा की मौत की सूचना मिली। जानकारी मिलते ही गंगाशहर सीओ हिमांशु शर्मा और नापासर थानाधिकारी कविता पूनिया घटनास्थल पर पहुंचे। एफएसएल टीम ने भी मौके का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। पुष्पा के शव को नापासर उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। रविवार सुबह गंगाशहर सीओ हिमांशु शर्मा और थानाधिकारी कविता पूनिया की देखरेख में मेडिकल बोर्ड द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव पीहर पक्ष के परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने पति नरेंद्र कुमार और सास मैना देवी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। इस मामले की जांच गंगाशहर सीओ हिमांशु शर्मा कर रहे हैं।

भरतपुर में स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में छात्र बेहोश हुआ

भरतपुर, (निसं)। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भरतपुर में आयोजित जिला स्तरीय समारोह के दौरान उमस भरी गर्मी के कारण एक स्कूल का छात्र अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा। घटना केन्द्रीय विद्यालय परिसर की है, जहां जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित

- **समारोह में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे कई घंटों से गर्मी धूप में बैठे हुए थे**
- **बताया गया कि गर्मी के बीच बच्चे पानी और छांव के लिए परेशान नजर आए**

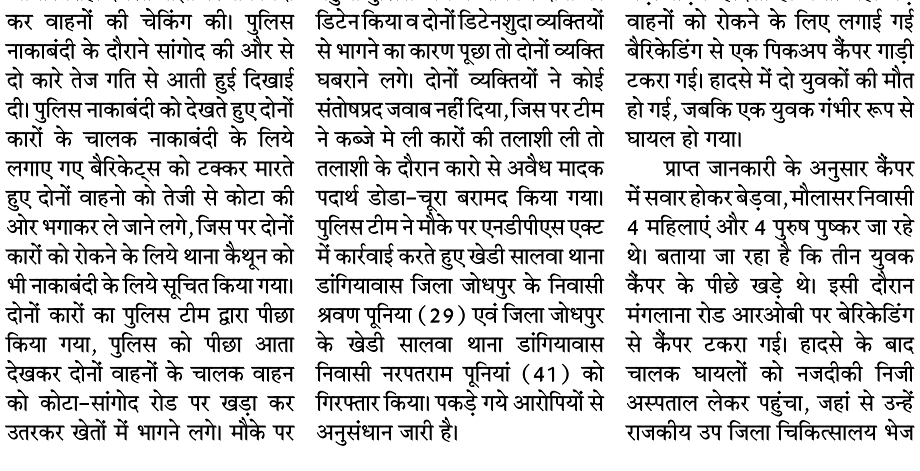

बच्चे के बेहोश होते ही मौके पर मौजूद शारीरिक शिक्षकों ने तत्काल उसे संभाला।

किया गया था। समारोह में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे कई घंटों से गर्मी धूप में बैठे हुए थे। उमस और गर्मी के कारण बच्चों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। धूप से बचने के लिए कई बच्चों ने अपने सिर पर रुमाल बांध रखे थे। बताया गया कि गर्मी के बीच बच्चे पानी और छांव के लिए परेशान नजर आए। बच्चों की ओर से कई बार शिक्षकों से उन्हें छाया में ले जाने की गुहार भी लगाई गई। इसी दौरान कक्षा 9वीं में पढ़ने वाला छात्र आयुष अचानक बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा। बच्चे के बेहोश होते ही मौके पर मौजूद शारीरिक शिक्षकों ने तत्काल उसे संभाला और प्राथमिक तौर पर राहत देने का प्रयास किया।

घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और बच्चे का हाल-चाल जाना। शिक्षकों और अधिकारियों ने बच्चे को पानी पिलाया। कुछ देर बाद बच्चे को होश आ गया, जिसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली। घटना के दौरान समारोह स्थल पर मौजूद अन्य बच्चे भी उमस और तेज गर्मी के कारण परेशान दिखाई दिए। स्वतंत्रता दिवस जैसे बड़े जिला स्तरीय आयोजन में बच्चों के लिए छाया, पेयजल और गर्मी से बचाव की पर्याप्त व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े हुए हैं।

कार पलटने से महिला की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती डांगियावास स्थित जालेली फौजदार गांव की सरहद में सड़क हादसे में महिला की मौत हो गई, जबकि उसका पति घायल हो गया। उनकी कार के सामने अचानक से कोई आवारा पशु आ गया था। कार पलटने से दंपती घायल हो गया था। घटना में मृतका के पुत्र की तरफ से केस दर्ज कराया गया है। डांगियावास पुलिस ने बताया कि भीलवाड़ा के गांधीनगर कांचीपुर निवासी श्रीष जैन पुत्र ज्ञानचंद जैन ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसकी माताजी सुशीला और पिता ज्ञानचंद कार में सवार होकर जोधपुर आ रहे थे। यह लोग कार लेकर जब जालेली फौजदार गांव की सरहद में आए तब कार के सामने एक आवारा पशु अचानक से आ गया। इससे कार पलटी खा गई।

विवाहिता ने जहर खाकर आत्महत्या की

जोधपुर, (कासं)। मंडोर स्थित मेगा आवासीय योजना आंगणवा में रहने वाली एक महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। आशंका है कि उसकी मौत जहर खाने से हुई है। पुलिस ने शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवा परिजन को सुपुर्द किया। मृतका के भाई का आरोप है कि उसकी बहन को बहनोई तंग और परेशान करता था, जिससे उसने जहर खाकर आत्महत्या की। मंडोर पुलिस ने बताया कि लक्ष्मी नारायण मंदिर के पीछे मदेरणा कॉलोनी भदवासिया निवासी जितेंद्र सांखला पुत्र माधुसिंह माली की तरफ से मामला दर्ज कराया गया है। इसमें बताया कि उसकी बहन कंचन कंवर की शादी राजेंद्र से की गई थी। वह वर्तमान में मेगा आवासीय योजना आंगणवा में रहती थी। 13 अगस्त को उसे संदिग्ध हालात में अस्पताल लाया गया, मगर बाद में उसकी अस्पताल में मौत हो गई। परिवादी जितेंद्र सांखला का आरोप है कि उसकी बहन कंचन कंवर को पति राजेंद्र तंग और परेशान करता था, जिसके चलते उसकी बहन ने जहर खाकर आत्महत्या की है।

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

प्रभारिम शशि सूर्ययोः

कार्यालय संभागीय मुख्य अभियंता (जयपुर संभाग) पुराना पॉवर हाऊस, बनीपार्क, जयपुर

टेलीफैक्स : 0141 - 2201489, ई-मेल: zcejz@jvvnl.org

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा दो भागों में (तकनीकी-वाणिज्यिक), जयपुर डिस्कॉम के अंतर्गत भिवाड़ी सर्कल के क्षेत्र में टीएन-209 के तहत् एआरसी 2025 पर विद्युत कार्य हेतु योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर आमंत्रित किये जाते है। योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा संबंधित दस्तावेज ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल **http://www.eproc.rajasthan.gov.in** पर दिनांक 16.08.2026 से डाउनलोड कर सकते है। निविदायें ऑनलाईन ई- पोर्टल पर दिनांक 24.08.2026 को सांय 04:00 बजे तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा संबंधी जानकारी कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेब साईट **www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://eproc.rajasthan.gov.in** से प्राप्त की जा सकती है। **UBN : VVN2627WSOB00342**

राज.संवाद/सी/26/9995 | जेपीआर - 3219 (2026) | संभागीय मुख्य अभियंता (जयपुर संभाग)

बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

कार्यालय श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल मण्डफिया, जिला-चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक/लेखा/श्रीसामंमं/2026-27/795 | दिनांक -14.08.2026

-: ई-निविदा सूचना -09/2026-27:-

श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल, मण्डफिया द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु पंजिकृत व योग्य संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया के माध्यम से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, विस्तृत विवरण व अन्य शर्तें **http://sppp.rajasthan.gov.in** तथा **http://eproc.rajasthan.gov.in** पोर्टल पर दिनांक 17.08.2026 को प्रातः 09:00 बजे सेउपलब्ध होकर दिनांक 07.09.2026 सांय 06:00 बजे तक ऑनलाईन सबमिट किये जा सकते है जिनकी तकनीकी निविदाएं दिनांक 08.09.2026 को दोपहर 12:00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी। निविदा संबंधी शुल्क व राशियां निविदा प्रपत्र में अंकित बैंक खाते में जमा करवानी होगी।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनु.लागत (लाखों में)	UBN
1.	Repair and Renovation Works at Gokul Vishranti Griha.	300.00	SMM2627WSO B00036
2	Construction of Additional Class Rooms at Various Villages of SSMM, Mandfiya	308.00	SMM2627WSO B00037
3	Construction of TEE PEE Shed on the Remaining portion of the Road in front of the Mandir Singh Dwar at . Mandfiya	320.00	SMM2627WSO B00038
4	Various Construction Works in Goshala of S.S.M.M Mandfiya	500.00	SMM2627WSO B00039
5	Annual Rate Contract for Miscellaneous Civil Works including Repair, Maintenance Alteration, Renovation and New work in S.S.M.M. Mandfiya	500.00	SMM2627WSO B00040

मुख्य कार्यपालक अधिकारी
श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल

राष्ट्रीय गीत के कथित अपमान पर भड़का भाजपा का गुस्सा

कोटपूतली। 80 वें स्वाधीनता दिवस 15 अगस्त के अवसर पर कांग्रेस मुख्यालय में राष्ट्रीय गीत "वंदे मातरम्" को पूरा नहीं गाने देने और बीच में ही रुकवाने के कथित मामले ने अब देशव्यापी राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। इस घटनाक्रम के विरोध में रविवार को कोटपूतली में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने जबरदस्त आक्रोश व्यक्त करते हुए विशाल विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपाईयों ने कांग्रेस आलाकमान के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कस्बे के मुख्य चौराहे पर पुलिया के नीचे भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं का भारी जमावड़ा हुआ। कार्यकर्ताओं के चेहरों पर राष्ट्रीय गीत के कथित अनादर को लेकर भारी आक्रोश साफ देखा जा सकता था। आक्रोशित भाजपाईयों ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी व लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ तीखी नारेबाजी करते हुये उनका पूतला फूंक कर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेतृत्व से इस मामले में स्पष्टीकरण की मांग की। इस जोरदार प्रदर्शन के कारण कुछ समय के लिए मुख्य चौराहे पर हलचल काफी बढ़ गई। इस मौके पर पूर्व चेयरमैन एड. महेन्द्र कुमार सैनी ने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, देश के लाखों शहीदों का संकल्प है।

नाम परिवर्तन

मै मोहम्मद शाहिद खान उम्र 43 वर्ष जाति मुसलमान निवासी773, मौहल्ला इमाम चौक, बांस बदनपुरा, जयपुर मै अपना नाम बदल कर मोहम्मद शाहिद पुत्र श्री अब्दुल गफूर कर रहा हूँ। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए तथा मेरी पुत्री माहिनूर (MAHINOOR) की माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक अंकतालिकाओं व अन्य दस्तावेजों में भी आवश्यक नाम परिवर्तन किया जाए।

खोया पाया

कुणाल भटनागर के नाम से आवंटित HIG फ्लैट नं. 52/74, सेक्टर 5, प्रताप नगर, सांगानेर जयपुर के मूल दस्तावेज अलॉटमेंट लैटर क्रमांक 6233 दिनांकित 17.1.2005 और पजेशन लेटर क्रमांक 1250 दिनांकित 26.4.2005 सहित जो कि विद्याधर नगर में गिर/ गुम गए, मिलने पर संपक करें 7636014406

मेरे आवास संख्या 43/59/02, वरुण पथ, मानसरोवर, जयपुर का मूल अदेय प्रमाण पत्र (नो-ड्यूज सर्टिफिकेट) जो उर्मिला देवी का नाम से RHB द्वारा जारी है, कहीं खो गया है कृपया मिलने पर सूचित करें 7742288872

मैं, वीरेश कुमार भावरा पुत्र श्री गोपाल राम भावरा मेरे HD-702, प्रताप अपार्टमेंट्स (HIG), जयपुर का राजस्थान आवासन मंडल द्वारा जारी मूल अदेय प्रमाण पत्र 1547/1078, दिनांक 11.07.2016 जो कि प्रताप नगर, जयपुर में बाजार जाते समय खो गया है। मिलने पर सूचित करें, मोबाइल 9478853003

नम्बर मिलाइए
8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

15 जिलों में 944 विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास

जल जीवन मिशन के तहत 1 हजार 500 गांवों को "हर घर नल से जल" की सौगात

चित्तौड़गढ़/जयपुर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी का पूरा जीवन राष्ट्र प्रथम की भावना को समर्पित रहा। वे बाल्यकाल से ही राष्ट्रभक्ति के रास्ते पर चले। 40 साल तक विपक्ष में रहने और हर प्रतिकूल परिस्थिति के बावजूद राष्ट्रभक्ति का सिद्धांत ही उनके जीवन का आधार रहा। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने देश के विकास को लेकर कई बड़े फैसले किए। पूरे विश्व के दबाव के सामने ना झुकते हुए उन्होंने पोकरण में परमाणु परीक्षण किया।

केन्द्रीय गृह मंत्री रविवार को चित्तौड़गढ़ के निम्बाहेड़ा में आयोजित अटल गौरव स्मृति समारोह को संबोधित किया।

केन्द्रीय गृह मंत्री रविवार को चित्तौड़गढ़ के निम्बाहेड़ा में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा अनावरण के बाद आयोजित अटल गौरव स्मृति समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर 15 जिलों में 5 हजार 659 करोड़ रुपये के 944 विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास किया गया। साथ ही, जल जीवन मिशन के तहत 1 हजार 500 गांवों को हर घर नल से जल की सौगात दी गई।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि स्व. अटलजी ने हर गांव को सड़क से जोड़ने का काम किया। स्वर्णिम चतुर्भुज योजना के तहत नेशनल हाईवे बनाए। देश के आदिवासियों के लिए उन्होंने पहली बार जनजाति कल्याण मंत्रालय बनाया। इसी का परिणाम है कि आज आदिवासी परिवार की बेटी द्रौपदी मुर्मु देश की राष्ट्रपति हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा आदिवासी कल्याण को आगे बढ़ाया। एसटी कॉम्पोनेंट का बजट 25 हजार करोड़ से बढ़ाकर 1 लाख 25 हजार करोड़ तक पहुंचाने का काम किया। भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिन को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया। साथ ही, देश में 10 आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय और 772 एकलव्य विद्यापीठ बनाने का काम किया। अटलजी ने जो शुरूआत की थी

- बुझेगी आधे राजस्थान की प्यास - केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह
- नए आपराधिक कानूनों से न्याय व्यवस्था में आ रहा व्यापक सुधार- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा
- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किए तीन बड़े जल समझौते
- 'अटलजी की गौरवशाली परम्परा को आगे बढ़ा रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी'

प्रधानमंत्री मोदी ने इसको अंजाम तक पहुंचाया है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने राष्ट्र गौरव महाराणा प्रताप को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि मेवाड़ की यह वीर भूमि देशभक्तों के लिए काशी से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि इस वीर भूमि के महाराणा प्रताप, वीर पूंजा भील और सेठ भामाशाह की राष्ट्रभक्ति, धर्मभक्ति, स्वराज के प्रति लगन ने मुगलों के विजय रथ को रोक कर रख दिया था। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पहले 11 लाख घरों तक ही नल से पानी पहुंचा था। माताएं-बहनें सिर पर तीन-तीन मटकियां लेकर कोसों दूर से पानी लेकर आती थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से शुरू हुए जल जीवन मिशन से 8 साल में ही राजस्थान में 64 लाख घरों तक पानी पहुंचा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी देश के महान नेता थे। उनके कुशल नेतृत्व में द्वितीय परमाणु परीक्षण और 1999 के कारगिल युद्ध की जीत ने भारत की छवि को दुनियाभर में मजबूत किया। इसी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर, सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के माध्यम से भारत को एक स्वाभिमानी और सशक्त राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाजपेयी जी के जन्मदिवस 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के रूप में घोषित किया।

इससे पहले केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की अष्टधातु से निर्मित प्रतिमा का अनावरण किया तथा पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने पंच गौरव पवेलियन, भारत टैक्सी, ई-पैक्स, प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र, माणिक्यलाल वर्मा आदम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान एवं राजीविका, चित्तौड़गढ़ केंद्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड तथा उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, राजस्व मंत्री हेमंत मीणा, नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक, महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार, सांसद सी पी जोशी, चुन्नीलाल गरासिया, मन्नालाल रावत, दामोदर अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, विधायक श्रीचंद कृपलानी, अर्जुन लाल जीनगर, सुरेश धाकड़, चन्द्रभान आक्या सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, वरिष्ठ अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से जयपुर स्थित ऐतिहासिक शाहपुरा हाउस में ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया। राष्ट्रीय ध्वज राजस्थान के सह-अध्यक्ष एवं शाहपुरा होटल्स एंड रिसॉर्ट्स के सुरेंद्र सिंह शाहपुरा ने फहराया। इसमें उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधि, विशिष्ट अतिथि, पर्यटक तथा शाहपुरा हाउस की पूरी टीम शामिल हुई।

आशा सहयोगिनियों के मानदेय में 10 प्रतिशत की वृद्धि

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका और साथिन बहनें सक्षम नारी, स्वस्थ बचपन और समृद्ध राजस्थान के संकल्प के साथ कार्य कर रही हैं। महिला कल्याण और बाल विकास में इनका अमूल्य योगदान है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की हर बेटी को पोषण, शिक्षा और विकास के बेहतर अवसर उपलब्ध करवाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री शनिवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में सक्षम नारी, स्वस्थ बचपन, समृद्ध राजस्थान राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि महिलाओं के सशक्तीकरण के बिना मानवता की प्रगति अधूरी है। इसलिए उन्होंने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसा महत्वपूर्ण अभियान एवं विभिन्न योजनाएं चलाई हैं, जिससे बड़ी संख्या में बालिकाएं और महिलाएं लाभान्वित हुई हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में 5 हजार रुपये की राशि बढ़ाकर 6 हजार 500 रुपये तथा दिव्यांग गर्भवती महिलाओं के लिए राशि बढ़ाकर 10 हजार रुपये की गई है। राज्य सरकार द्वारा मा वाउचर योजना के जरिए दूरस्थ क्षेत्रों तक गर्भवती महिलाओं को सोनोग्राफी की निशुल्क सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है, जिससे 4.82 लाख महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। उन्होंने कहा कि दूसरे बच्चे के जन्म पर मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजना के तहत लगभग 6 लाख 48 हजार लाभार्थियों को लगभग 215 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि पोषण के क्षेत्र में राजस्थान ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। अष्टम राष्ट्रीय पोषण माह में देश में राजस्थान द्वितीय स्थान पर रहा तथा अप्रैल 2026 में अष्टम पोषण पखवाड़े के तहत राजस्थान ने पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लाडो प्रोत्साहन योजना के माध्यम से 7 किस्तों में 1.50 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि का प्रावधान किया गया है। इसमें अब तक पहली किस्त से 9 लाख से अधिक बालिकाएं, दूसरी किस्त से 7 लाख 73 हजार बालिकाएं तथा तीसरी किस्त से 95 हजार बालिकाएं लाभान्वित हुई हैं। इसी प्रकार, कालीबाई भील महिला संबल शिक्षा सेतु योजना के तहत 1 लाख से अधिक महिलाएं एवं बालिकाएं निशुल्क माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। प्रदेश में 11 लाख मेधावी बालिकाओं को साइकिल और 46 हजार को स्कूटी वितरित की गई है।उन्होंने कहा कि सशक्त नारी से ही समाज एवं राष्ट्र का सशक्तीकरण संभव है। राजीविका के माध्यम से 25 लाख महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिये सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय श्रीमान उपखण्ड अधिकारी महोदय
पावटा जिला कोटपूतली-बहरोड़ राजस्थान
रिंकी वगैरह बनाम ग्राम पंचासत पांचूडाला वगैरह
अपील विरुद्ध आदेश ग्राम पंचायत पांचूडाला,
नामान्तरण संख्या 453
दिनांक 26.09.2025
अपील नं.-02/2026

बनाम नितिन, दीपक पुत्रान बिमला पुत्री स्व. रामधन पत्नि धनीराम, शोभा देवी पुत्री बिमला पुत्री स्व. रामधन पत्नि धनीराम समस्त जातियान धानका निवासीयान सिंतोपसिंहपुरा तहसील पावटा जिला कोटपूतली-बहरोड राजस्थान अपीलान्ट नें आपके विरुद्ध अपील आदेश ग्राम पंचायत पांचूडाला, नामान्तरण संख्या 453 दिनांक 26.09.2025 पंजीयन किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 18.8.26 को दिन में 10 बजे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक् अनुदेश दिए गये हो और जो इस प्रार्थना पत्र से सम्बन्धित सभी वारदान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आपस उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करे, जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखि/ सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या सुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रुप में निर्भर करते है तो आप ऐसे दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ठ करें।
आपको सूचित किया जाता है यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होंगे तो प्रार्थना पत्र की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।
यह प्रार्थना पत्र तारीख 14.8.26 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत
उपखण्ड अधिकारी
पावटा (कोटपूतली-बहरोड)

कार्यालय पंचायत समिति गोविन्दगढ़, जयपुर
Email ID:bdo.jai.gov@gmail.com Phone No. 01423-230025

क्रमाकः-पंसगो/लेखा/ई-निविदा/2026/158 दिनांकः- 13.08.2026

निविदा सूचना संख्या /2026-27

वित्तीय वर्ष 2026-27 में पंचायत समिति गोविन्दगढ़ व अधीनस्थ ग्राम पंचायतों में विभिन्न योजनाओं में स्वीकृत कार्यों / सकर्म हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत प्रतिष्ठानों / संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण www.eproc.rajasthan.gov.in व sppp.rajasthan.gov.in से upload/download की व देखी जा सकती है।
ऑनलाईन निविदा :-
NIB NO- PFA2627A0252 to PFA2627A0261
UBN NO- PFA2627WSOB00249 to PFA2627WSOB00258

विकास अधिकारी
पं.स.-गोविन्दगढ (जयपुर)

मनोहरपुर में भव्य तिरंगा यात्रा आज

मनोहरपुर। आजादी के अमृत उत्सव एवं हर घर तिरंगा अभियान के तहत मनोहरपुर में आज भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। इस दौरान महिपाल सिंह गुर्जर ने बताया कि यात्रा दोपहर 3 बजे गांधी चौक मनोहरपुर से शुरू होकर मनोहरपुर बस स्टैंड होते हुए शाहपुरा चौपड़ तक जाएगी।

इस दौरान तिरंगा यात्रा में भाजपा के वरिष्ठ जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी शामिल होंगे। आयोजन को लेकर कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। यात्रा के दौरान हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारों के साथ राष्ट्रीय एकता और देशप्रेम का संदेश दिया जाएगा। कार्यक्रम में जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह, शाहपुरा के पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल, राजकुमार देवायुष सिंह एवं जिला अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा सहित भाजपा के प्रमुख पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। तिरंगा यात्रा के निवेदक मंडल अध्यक्ष रामचंद्र यादव तथा संयोजक सम्पूर्णानंद शर्मा ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर तिरंगा यात्रा को सफल बनाने की अपील की है।

पंचायतीराज चुनाव की आरक्षण लॉटरी एक महीने टली

अब 17-18 सितंबर को तय होंगी आरक्षित सीटें

जयपुर। राजस्थान में पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव की तैयारियों के बीच आरक्षण लॉटरी की तारीखों में बड़ा बदलाव किया गया है। जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, प्रधान, सरपंच और वार्ड पंच पदों के लिए प्रस्तावित आरक्षण लॉटरी को करीब एक महीने के लिए आगे बढ़ा दिया गया है।

- जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य और प्रधान पदों की लॉटरी 17 सितंबर को, सरपंच और वार्ड पंचों का आरक्षण 18 सितंबर को होगा

अब जिला स्तर पर जिला परिषद सदस्यों, पंचायत समिति सदस्यों और प्रधान पदों के आरक्षण की लॉटरी 17 सितंबर 2026 को निकाली जाएगी। वहीं सरपंच और वार्ड पंचों के आरक्षण की प्रक्रिया 18 सितंबर 2026 को उपखंड स्तर पर पूरी की जाएगी। इससे पहले आरक्षण लॉटरी के लिए 17 और 18 अगस्त की तारीख प्रस्तावित थी।

आरक्षण लॉटरी टलने के बाद पंचायतीराज चुनाव में उतरने की तैयारी कर रहे संभावित उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों को अब एक महीने और इंतजार करना होगा। लॉटरी होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि जिला परिषद, पंचायत समिति और ग्राम पंचायत स्तर पर कौन-सा पद या वार्ड किस वर्ग के लिए आरक्षित रहेगा। ऐसे में टिकट दावेदारी और चुनावी रणनीति को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया भी प्रभावित होगी। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार राज्य सरकार 15 नवंबर 2026 तक नगरीय निकायों और पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव की प्रक्रिया पूरी कराने के लिए प्रतिबद्ध है। चुनाव कार्यक्रम को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग के स्तर पर भी तैयारियां चल रही हैं।

विभाग के अनुसार, हाईकोर्ट में राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से दिए गए प्रतिवेदन में नगरीय निकायों के चुनाव पहले चरण में और पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव दूसरे चरण में कराए जाने की संभावना का उल्लेख किया गया है। इसी संभावित चुनावी क्रम को ध्यान में रखते हुए पंचायतीराज संस्थाओं की आरक्षण लॉटरी को अगस्त से आगे बढ़ाकर सितंबर में करने का निर्णय लिया गया है।

नई समय-सारिणी के अनुसार 17 सितंबर को जिला स्तर पर जिला परिषद सदस्यों, पंचायत समिति सदस्यों और प्रधान पदों के लिए आरक्षण तय किया जाएगा। इसके अगले दिन 18 सितंबर को उपखंड स्तर पर सरपंच और वार्ड पंचों की आरक्षण लॉटरी होगी। आरक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही पंचायत चुनावों की स्थानीय राजनीतिक तस्वीर अधिक स्पष्ट हो सकेगी और संभावित उम्मीदवार अपने-अपने क्षेत्रों में चुनावी तैयारी तेज कर पाएंगे।

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक:2943 जाहिर आम-सूचना दिनांक:06.08.2026

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 80/354 (EWS), (एरिया 36.000 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री सत्यनारायण शर्मा पुत्र श्री गोपीनाथ गुसाई को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 2388 दिनांक 18.11.1989 को जारी किया गया। श्रीमती मधुबाला नरूला पत्नी श्री सुरेन्द्र कुमार नरूला के पक्ष में उक्त आवास का नियमितिकरण पत्र क्रमांक 1847 दिनांक 04.01.2002 के द्वारा किया गया। श्रीमती मधुबाला नरूला के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 22.02.2005 को उप पंजीयक-सांगानेर, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्रीमती मधुबाला नरूला की मृत्यु दिनांक 07.01.2020 को हो जाने के कारण शपथ पत्र एवं क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र के आधार पर इनके वारिसों 1. श्री हर्ष कुमार नरूला पुत्र स्व. श्री सुरेन्द्र कुमार नरूला एवं 2. सुश्री रीना नरूला पुत्री स्व. श्री सुरेन्द्र कुमार नरूला द्वारा उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं. 1. श्री हर्ष कुमार नरूला पुत्र स्व. श्री सुरेन्द्र कुमार नरूला एवं 2. सुश्री रीना नरूला पुत्री स्व. श्री सुरेन्द्र कुमार नरूला का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर
-0141-4901853
क्रमांक-2936 दिनांक-14/08/26

आम जाहिर सूचना राजस्थान आवासन मण्डल जयपुर द्वारा आवास संख्या-3/ग/28 नाहरी का नाका, जयपुर, क्षेत्रफल 137.00 वर्ग गज का आंवटन श्री के0के0 वाजपेई (श्री कान्ति कुमार वाजपेई) को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र कमांक 2471 दिनांक 18/12/1976 जारी किया गया था। उनके द्वारा आवास के पंजीयन प्रपत्रो का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर मे दिनांक 30/05/1986 को करवाया गया। आवास के मूल आवंटी श्री कान्ति कुमार वाजपेई की मृत्यु दिनांक 06/11/1999 को हो जाने के कारण श्रीमती ज्योत्सना वाजपेई पत्नी स्व0 श्री कान्ति कुमार वाजपेई के द्वारा आवेदन पत्र के साथ जमा प्रशासनिक शुल्क की छाया प्रति, शपथ पत्र, क्षितपूर्ति बंधक पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र की छाया प्रति, इच्छा पत्र की छाया प्रति एवं इच्छा पत्र मे अंकित गवाहो का शपथ पत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास का प्रतिस्थापन अपने पक्ष मे करने का निवेदन किया गया है।
अतः उक्त आवास के प्रतिस्थापन के संबंध मे किसी भी व्यक्ति / बैंक / संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञिप्त प्रकाशन के 07 दिवस मे अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय मे व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवे, अन्यथा उक्त अवधि मे कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्रीमती ज्योत्सना वाजपेई पत्नी स्व0 श्री कान्ति कुमार वाजपेई के पक्ष मे आवास के प्रतिस्थापन की कार्यवाही करदी जावेगी।
सम्पदा प्रबंधक, वृत तृतीय, रा.आ.मण्डल, जयपुर

नगर परिषद, टोंक

आप सभी नगरवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
15 अगस्त 2026
हमारा संकल्प
स्वच्छ टोंक • सुंदर टोंक • स्वस्थ टोंक
सशक्त टोंक • विकसित टोंक
आइए, आज़ादी के इस पावन पर्व पर हम राष्ट्र निर्माण का संकल्प लें और स्वच्छ, सुंदर एवं विकसित टोंक के निर्माण में अपना योगदान दें।
नगर परिषद, टोंक की प्रमुख योजनाएं
स्वच्छ टोंक अभियान: घर-घर कचरा संग्रहण, डोर-टू-डोर कलेक्शन एवं सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना।
जल आपूर्ति योजना: शुद्ध एवं नियमित पेयजल उपलब्ध कराने हेतु जल आपूर्ति व्यवस्था का विस्तार।
स्ट्रीट लाइट योजना: शहर में आधुनिक एवं ऊर्जा कुशल स्ट्रीट लाइट से सुरक्षित और रोशन टोंक।
पार्क एवं हरित क्षेत्र विकास: नए पार्क, हरित क्षत्र एवं सौंदर्यीकरण से स्वच्छ और सुंदर वातावरण।
सार्वजनिक शौचालय: स्वच्छ एवं आधुनिक सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण और रखरखाव।
सड़क निर्माण एवं मरम्मत: बेहतर सड़कें, बेहतर आवागमन, विकास की नई रफ्तार।
प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी): आवश्यकतानुसार पात्र परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराना।
ऑनलाइन सेवाएं: जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र, संपत्ति कर, जुर्माना भुगतान एवं अन्य सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध।
जनसुविधाएं: जनसुनवाई, शिकायत निवारण, वरिष्ठ नागरिक सहायता एवं विशेष अभियान।
आइए, स्वतंत्रता दिवस पर स्वच्छता, हरियाली, पानी की बचत और जिम्मेदार नागरिक बनकर अपने टोंक को गौरवमय बनाएं।
हमसे जुड़ें Nagar Parishad Tonk | nptonk | nptonk

ॐ शांति शोक संदेश - तीये की बैठक सतनाम श्री वाहेगुरु जी

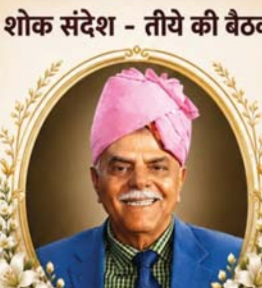

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूजनीय पिताजी
श्री सावल सिंह जीं सेठी
का स्वर्गवास 15 अगस्त को हो गया है,
जिनकी तीये की बैठक सोमवार 17 अगस्त को होगी।
समयः दोपहर 2:00 बजे से 3:00 बजे तक
स्थानः शिव वाटिका, (जगदीश धाम) देवली

शोकाकुल
श्रीमती प्रेम सेठी (पत्नी)
भगवानदास, गोविंद (पत्रकार) जसविंदर सिंह सेठी (भ्राता)
डॉ गुरमीत, सुरेन्द्र सिंह सेठी (पुत्र)
सन्नी, कवीश, समर्थ, सफल सिंह सेठी (भतीजे)
नवनीत, दिव्य, शरविल सिंह सेठी (पौत्र)
एवं समस्त शोकाकुल सेठी परिवार, रिश्तेदार एवं मित्रगण

प्रतिष्ठान -
- गुरमीत डेंटल हॉस्पिटल
- देवली फिलिंग स्टेशन
- जी एस डेवलपर्स
- गुरमीत मार्बल, कोटास्टोन एड सेनेट्रीज, देवली - टोंक (राज.)

संपर्क सूत्र - 9829232973, 9571732445

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने प्रदेश कार्यालय पर ध्वजारोहण किया

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज पूरा देश गर्व और गौरव के साथ स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। यह अवसर हमें उन महान क्रांतिकारियों और स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान का स्मरण कराता है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

जयपुर में गाजे-बाजे के साथ तीज की शाही सवारी निकली।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, नगरपरिषद् कुचामन सिटी
Email : eo.mcorp.kuchaman@rajasthan.gov.in फोन नं. 01586-220022
munibkcity@gmail.com 01586-221526

क्रमांक :— न.प.कु./2026—27/3470 दिनांक :— 13.08.2026

लोक सूचना

निम्न लिखित आवेदको द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर—कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :—

क्र. सं.	आवेदक का नाम	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा सं.	क्षेत्र
1.	श्री मोहनराम, रूपाराम पुत्रान बालूराम जाति कुम्हार	तहसील कुचामन सिटी, जिला डीडवाना—कुचामन	कुचामन सिटी	4324/1100	0.8000 Hq.
2.	श्री सीताराम पुत्र भंवरलाल जाति कुम्हार	तहसील कुचामन सिटी, जिला डीडवाना—कुचामन	कुचामन सिटी	4299/2630	0.1805 Hq.
3.	श्री आनन्द सेठी पुत्र राजकुमार सेठी जाति जैन, श्रीमती कविता भार्मा पुत्री राजेन्द्र भार्मा जाति ब्राहम्ण	तहसील कुचामन सिटी, जिला डीडवाना—कुचामन	जसराना	1066/1009 1067/1009 1068/1009 1064/1010	0.1250 Hq. 0.1200 Hq. 0.1595 Hq. 0.1338 Hq.

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90—क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिन के भीतर—भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर—भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 13.08.2026 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी
आयुक्त नगरपरिषद् कुचामन सिटी

आर. अश्विन ने टीम इंडिया में मेरे चयन को लेकर अपनी राय रखी है, जिसका वह सम्मान करते हैं। इस पर टीम प्रबंधन और मैनेजमेंट को फैसला लेना होता है।

- भुवनेश्वर कुमार

भारतीय तेज गेंदबाज, आर. अश्विन को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

पी.वी. सिंधु

जापान ओपन का खिताब जीतकर बढ़े आत्मविश्वास और घरेलू दर्शकों के समर्थन के साथ पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु सोमवार से नई दिल्ली में शुरू हो रही बीएफडब्ल्यू विश्व चैंपियनशिप-2026 में उतरेंगी। पांच बार विश्व चैंपियनशिप पदक जीत चुकी सिंधु की नजर अब सात साल के इंतजार को खत्म कर एक और पदक अपने नाम करने पर है। 2019 में विश्व चैंपियन बनने वाली सिंधु ने कहा कि हाल ही में जापान ओपन में मिली जीत ने उन्हें विश्व चैंपियनशिप से पहले काफी आत्मविश्वास दिया है। इस जीत से निश्चित रूप से मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ा है।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय हॉकी टीम ने 1975 में पाकिस्तान को हराकर विश्व कप जीता था।

गाले टेस्ट : बारिश से धुले दिन में भारत की पारी लड़खड़ाई

पड्डिकल 167 पर आउट, श्रीलंका ने की वापसी

गाले, 16 अगस्त। भारत और श्रीलंका के बीच गाले में खेले जा रहे पहले टेस्ट के दूसरे दिन रविवार को बारिश ने जमकर खलल डाला। करीब 55 ओवर का खेल बारिश की भेंट चढ़ने के बावजूद भारत ने दिन का खेल समाप्त होने तक 172 रन जोड़कर 9 विकेट पर 460 रन बना लिए। देवदत्त पड्डिकल ने अपनी शानदार पारी को 167 रन तक पहुंचाया, जबकि ध्रुव जुरेल ने अर्धशतक लगाया। हालांकि पदार्पण कर रहे केशारा नुवंथा के तीन और प्रबाथ जयसूर्या के 4 विकेटों ने श्रीलंका को मुकाबले में वापसी का मौका दिया।

बारिश और गीले आउटफील्ड के कारण दिन का खेल निर्धारित समय से करीब पांच घंटे की देरी से शुरू हुआ। भारत ने 288/2 से आगे खेलना शुरू किया। ऋषभ पंत ने आते ही मिडविकेट क्षेत्र में चौका लगाया और भारत ने शुरुआती आधे घंटे में बिना नुकसान के खेल आगे बढ़ाया। हालांकि दूसरी नई गेंद लिए जाने के बाद पंत ज्यादा देर नहीं टिक सके।

नुवंथा के खिलाफ बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में पंत क्रीज से बाहर निकले, लेकिन गेंद को सही तरीके से टाइम नहीं कर सके और मिडऑफ पर कैच दे बैठे। इसके बाद श्रीलंका ने लगातार विकेट निकालकर भारतीय बल्लेबाजी पर दबाव बनाया।

शनिवार को ऐंठन के कारण रिटायर्ड हर्ट हुए केएल राहुल भी दोबारा बल्लेबाजी करने उतरे, लेकिन अपने स्कोर में सिर्फ पांच रन जोड़ सके। नुवंथा की घूमती गेंद को फ्लिक करने के प्रयास में राहुल शॉर्ट लेग पर कैच दे बैठे और 82 रन पर आउट हुए।

167 रन पर पड्डिकल की शानदार पारी का अंत: भारत को देवदत्त पड्डिकल से बड़ी पारी की उम्मीद थी और उन्होंने उसे पूरी तरह सही भी साबित किया। हालांकि जब वह 167 रन पर पहुंच चुके थे, तब प्रबाथ जयसूर्या की गेंद पर आगे बढ़कर खेलने के प्रयास में चूक गए और विकेटकीपर ने उन्हें स्टंप कर दिया। इसके बाद नुवंथा ने रवींद्र जडेजा को एलबीडब्ल्यू आउट कर भारत को 377/6 की स्थिति में पहुंचा दिया। इस दौरान ध्रुव जुरेल को 29 रन पर स्लिप में जीवनदान भी मिला।

जुरेल और सुथार ने संभाली पारी: जीवनदान का फायदा उठाते हुए जुरेल ने शानदार बल्लेबाजी जारी रखी। उन्होंने मानव सुथार के साथ मिलकर 55 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। दोनों ने लाहिरू कुमारा की खराब गेंदों का फायदा उठाते हुए एक ओवर में तीन चौके लगाए और भारत को 400 रन के पार पहुंचाया। जुरेल ने अपना अर्धशतक पूरा किया, लेकिन इसके तुरंत बाद धनंजय डी सिल्वा ने स्लिप में शानदार कैच लेकर उनकी पारी का अंत कर दिया। जुरेल ने 51 रन बनाए। निचले क्रम में मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव ने कुछ उपयोगी रन जोड़े और भारत को 460/9 तक पहुंचाया। भारत के पास अब सिर्फ एक विकेट बाकी है। श्रीलंका की तरफ से प्रबाथ जयसूर्या ने 4 और केशारा नुवंथा ने तीन विकेट लिए।

तीन दिन का खेल अभी बाकी है और मौसम विभाग की ओर से आगे भी बारिश की संभावना जताई गई है। ऐसे में अगर भारत इस टेस्ट में जीत के लिए दबाव बनाना चाहता है तो उसे शेष एक विकेट जल्दी लेने के बाद मुकाबले को तेजी से आगे बढ़ाना होगा।

स्व. सतीश पूनिया की स्मृति में राजगढ़ में दो दिवसीय विशाल खेल महोत्सव संपन्न

राजगढ़ (चूरू), 16 अगस्त। अंतर्राष्ट्रीय खेल स्टेडियम, राजगढ़ में पद्मश्री कृष्णा पूनिया स्पोर्ट्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित दो दिवसीय भव्य खेल महोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह विशाल खेल प्रतियोगिता जयपुर। सादुलपुर (चूरू) के पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष व वरिष्ठ पत्रकार स्व. सतीश पूनिया की प्रथम पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में खेल आयोजन किए गए। इस अवसर पर कार्यक्रम में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा मुख्य अतिथि रहे, जबकि अध्यक्षता विधानसभा नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने की। जयपुर के खिलाड़ियों ने लहराया परचम: प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को नगद राशि व पदक देकर सम्मानित किया गया।

लंबी कूद (लॉन्ग जंप): जयपुर के मगराज सिंह शेखावत ने दूसरा स्थान हासिल कर 11,000 रुपए का पुरस्कार जीता। **भारत केसरी कुश्ती:** जयपुर के रक्षित सिंह ने दूसरा स्थान प्राप्त कर रजत पदक के साथ 31,000 रुपए का इनाम अपने नाम किया।

सत्य प्रकाश यादव भाजपा राजस्थान खेल प्रकोष्ठ के संयोजक नियुक्त

जयपुर, 16 अगस्त। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार सत्य प्रकाश यादव को भाजपा

राजस्थान खेल प्रकोष्ठ का प्रदेश संयोजक नियुक्त किया गया है। यह घोषणा 15 अगस्त को की गई। पूर्व भारतीय कप्तान और मुख्य प्रशिक्षक रहे सत्य प्रकाश यादव अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित खिलाड़ी एवं खेल प्रशासक हैं। खेल में उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें महाराणा प्रताप पुरस्कार, रेल मंत्रालय के राष्ट्रीय पुरस्कार तथा अमेरिका के स्पोर्ट्स एंबेसडर सम्मान से नवाजा जा चुका है। उनकी नियुक्ति से प्रदेश में खेल संस्कृति मजबूत होगी और खिलाड़ियों को बेहतर अवसर मिलेंगे। खेल जगत व पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दी है।

महिला हॉकी विश्व कप

भारत ने चीन को दी कड़ी टक्कर, पूल डी के मुकाबले में 2-2 से ड्रॉ खेला

एम्स्टलवीन (नीदरलैंड्स), 16 अगस्त। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच हॉकी विश्व कप-2026 के अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए 2024 ओलंपिक की रजत पदक विजेता चीन को कड़ी टक्कर दी और पूल डी के मुकाबले में 2-2 से ड्रॉ खेला।

वैगनर हॉकी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले हाफ में बढ़त बनाई, लेकिन चीन ने दूसरे हाफ में वापसी करते हुए बराबरी हासिल कर ली। भारत की ओर से नवनीत कौर और दीपिका ने गोल किए, जबकि चीन के लिए यिंग झांग और मा निंग ने गोल दागे।

भारत ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। लालरेमसियामी ने शुरुआती मिनटों में शानदार प्रयास करते हुए भारत को पहला पेनल्टी कॉर्नर दिलाया, हालांकि नवनीत के शॉट को चीन की रक्षापंक्ति ने रोक दिया। भारत का दबाव लगातार बना रहा और आठवें मिनट में नवनीत कौर ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। नेहा ने डी के बाहर से गेंद सर्किल में भेजी, जिस पर नवनीत ने अंतिम टच देते हुए गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाया।

चीन ने इसके बाद मुकाबले में वापसी की कोशिश तेज कर दी। 14वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक मिलने के बाद यिंग झांग ने कोई

गलती नहीं की और भारतीय गोलकीपर सविता को छकाते हुए स्कोर 1-1 कर दिया। भारत ने इस फैसले के खिलाफ रेफरल भी लिया था, लेकिन मैदानी अंपायर का फैसला बरकरार रहा।

दीपिका के शानदार ड्रैग-फ्लिक से भारत फिर आगे : दूसरे क्वार्टर में भारत ने फिर से दबाव बनाना शुरू किया। शिल्पी ने शानदार रक्षात्मक प्रयास करते हुए चीन के एक खतरनाक प्रयास को रोका। दूसरी ओर, भारत लगातार चीन के सर्किल में जगह बनाने में सफल रहा। 24वें मिनट में दीपिका ने शानदार व्यक्तिगत प्रयास करते हुए चीन के सर्किल में प्रवेश किया और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। इसके बाद दीपिका ने खुद जिम्मेदारी संभाली और 25वें मिनट में जोरदार ड्रैग-फ्लिक के जरिए गोल कर भारत को 2-1 से आगे कर दिया। भारत ने ऊर्जावान प्रदर्शन करते हुए पहले हाफ की समाप्ति तक अपनी बढ़त कायम रखी।

राहुल क्रैम्प्स से हुए रिटायर हर्ट, टीम इंडिया की चिंता बढ़ी

गाले, 16 अगस्त। गाले में श्रीलंका के खिलाफ भारत के पहले टेस्ट मैच के आखिरी सेशन के दौरान स्टार भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल को मैदान छोड़ना पड़ा। तीसरे सेशन की शुरुआत से पहले ही अनुभवी बल्लेबाज को ऐंठन की शिकायत हुई और वे बिना एक भी गेंद खेले मैदान से बाहर चले गए। मैदान पर फिजियो ने उनकी जांच की, जिसके बाद 77 रन पर रिटायर हर्ट होने का फैसला लिया गया। खास बात यह है कि उन्हें अपने दाहिने हाथ को लेकर परेशानी हो रही थी, साथ ही उनके बाएं हाथ में भी दिक्कत और चलने में भी परेशानी साफ दिख रही थी। आखिरकार शुभमन गिल उनकी जगह मैदान पर आए। इस बीच, उनके बाहर जाने से पडिक्कल के साथ उनकी 150 रन की साझेदारी भी टूट गई, जिन्होंने बाद में अपने टेस्ट करियर का पहला शतक लगाया।

उत्तर क्षेत्र बैडमिंटन प्रतियोगिता दो सितम्बर से जयपुर में होगी

भीलवाड़ा,16 अगस्त। राजस्थान बैडमिंटन संघ के तत्वावधान में जयपुर में दो से छह सितंबर तक उत्तर क्षेत्र अंतरराज्यीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। आयोजन सचिव अभिषेक शर्मा ने बताया कि पांच दिवसीय इस प्रतियोगिता में उत्तर भारत के सात राज्यों की टीमें शिरकत करेंगी। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता का उद्घाटन दो सितम्बर की शाम छह बजे केंद्रीयमंत्री एवं राजस्थान बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष गजेंद्र सिंह शेखावत करेंगे। समारोह में सांसद दामोदर अठावाल, विधायक गोपाल खंडेलवाल, अशोक कोठारी, उदयलालभड़ाना, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, जिंदल लिमिटेड के निदेशक नरेन्द्र मंत्री, संगम समूह के अध्यक्ष रामपाल सोनी अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले को तैयार भारत, पूल डी में शीर्ष स्थान पर नजर

एम्स्टलवीन (नीदरलैंड्स), 16 अगस्त। वेल्स के खिलाफ शानदार जीत के साथ अभियान का आगाज करने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम सोमवार को एफआईएच हॉकी विश्व कप-2026 के अपने दूसरे पूल मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ उतरेगी। वैगनर हॉकी स्टेडियम में होने वाला यह मुकाबला पूल डी की शीर्ष टीम के निर्धारण में बेहद अहम साबित हो सकता है। भारत ने अपने पहले मुकाबले में वेल्स को 3-1 से हराया था, जबकि इंग्लैंड ने पाकिस्तान को 4-1 से मात देकर अपने अभियान की दमदार शुरुआत की। ऐसे में दोनों टीमें जीत के साथ अपनी स्थिति

मजबूत करने के इरादे से मैदान पर उतरेंगी।

वेल्स के खिलाफ भारत की जीत में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल किए, जबकि संजय ने भी पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टीम का खाता खोला। भारत के तीनों गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए।

हालांकि, टीम ने ओपन प्ले में कई मौके बनाए, लेकिन उन्हें गोल में नहीं बदल सकी। इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम की नजर इस कमी को दूर करने पर होगी।

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, जब से हमने प्रो लीग खेलना शुरू किया है, मुकाबला काफी बराबरी का रहा है। लेकिन विश्व कप अलग है। यह दोनों टीमों के लिए जीतना जरूरी मुकाबला है। उन्होंने कहा, वे हमारे पूल की सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम हैं, इसलिए हम उनके खिलाफ पूरी ताकत से उतरेंगे। हमें अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

अभिषेक पोरेल को रेप केस में जमानत नहीं, 14 दिन की रिमांड

नई दिल्ली, 16 अगस्त। क्रिकेटर अभिषेक पोरेल को कथित रेप केस में जमानत नहीं मिली है। कोर्ट ने शुक्रवार को उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पोरेल को 11 अगस्त को हुगली में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने एक मेडिकल स्टूडेंट की शिकायत के बाद उनसे पूछताछ की थी। शिकायत में युवती ने रेप, ब्लैकमेल और अन्य आरोप लगाए हैं।

23 साल के अभिषेक विकेटकीपर बैटर हैं। वे बंगाल के लिए 116 और टीम दिल्ली कैपिटल्स के लिए 35 मैच खेल चुके हैं। दिल्ली ने उन्हें 4 करोड़ रुपए में रीटेन किया था।

अफगानिस्तान ने आयरलैंड को 6 विकेट से हराया

नई दिल्ली,16 अगस्त। अफगानिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ 299 रन का लक्ष्य 48.5 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। टीम ने 5वें और आखिरी वनडे में आयरलैंड को 6 विकेट से हराया और सीरीज 4-0 से अपने नाम की। बेलफास्ट के सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब में खेले गए मुकाबले में रहमत शाह ने नाबाद 143 रन की पारी खेली। उन्होंने सिद्दीकुल्लाह अटल (98) के साथ तीसरे विकेट के लिए 201 रन जोड़े। यह अफगानिस्तान के वनडे इतिहास में तीसरे विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी है। अफगानिस्तान ने 299 रन का लक्ष्य हासिल कर वनडे में अपना सबसे बड़ा सफल रन चेज किया। इससे पहले टीम का सबसे बड़ा सफल रन चेज 295 रन था। इस जीत के साथ अफगानिस्तान ने 5 मैचों की सीरीज 4-0 से जीत ली। सीरीज का पहला मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था।

नोवाक जोकोविच सिनसिनाटी ओपन में पहले ही दौर का मुकाबला हारे, तिरांते ने दी मात

नई दिल्ली, 16 अगस्त। विंबलडन के सेमीफाइनल में हारने के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट में खेल रहे नोवाक जोकोविच सिनसिनाटी ओपन

टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में हारकर बाहर हो गए। अर्जेंटीना के 25 वर्ष की खिलाड़ी थियागो अगस्टिन तिरांते ने 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच को 2-6, 6-4, 6-4 से हराया। यह मैच गर्म और उमस भरे मौसम में दो घंटे 44 मिनट तक चला। तिरांते विश्व रैंकिंग में 50वें स्थान पर हैं। तीन बार सिनसिनाटी चैंपियन रह चुके और रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज 39 वर्षीय जोकोविच विंबलडन के सेमीफाइनल में यानिक सिनर से हार गए थे। जोकोविच को अब अमेरिकी ओपन में खेलना है, जो 30 अगस्त से न्यूयॉर्क में शुरू होगा।

महिला एशिया कप और एशियाई खेलों के लिए पाकिस्तान की कमान फातिमा सना को

नई दिल्ली, 16 अगस्त। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने रविवार को आगामी

महिला एशिया कप और एशियाई खेलों के लिए 15 सदस्यीय टीमों की घोषणा कर दी। तेज गेंदबाज फातिमा सना दोनों टूर्नामेंटों में पाकिस्तान की कप्तानी करेंगी। द हंड्रेड में हिस्सा लेने के कारण वह हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ टी-20 श्रृंखला में नहीं खेल सकी थीं। महिला एशिया कप का आयोजन 28 अगस्त से 13 सितंबर तक दुबई में होगा। पाकिस्तान को ग्रुप ए में भारत, थाईलैंड और हांगकांग-चीन के साथ रखा गया है। पाकिस्तान अपने अभियान की शुरुआत एक सितंबर को थाईलैंड के खिलाफ करेगा, जबकि पांच सितंबर को उसका मुकाबला भारत से होगा। सात सितंबर को पाकिस्तान हांगकांग-चीन से भिड़ेगा। सेमीफाइनल 10 और 11 सितंबर को, जबकि फाइनल 13 सितंबर को खेला जाएगा।

एशियाई खेलों में भी फातिमा संभालेंगी नेतृत्व: जापान में होने वाले एशियाई खेलों में भी फातिमा सना पाकिस्तान की कप्तान होंगी। क्रिकेट प्रतियोगिता 17 सितंबर से आइची के कोरोगी एथलेटिक पार्क में शुरू होगी।

बांग्लादेश ने रचा इतिहास, ऑस्ट्रेलिया को नौ विकेट से हराकर पहली बार ऑस्ट्रेलियाई धरती पर जीता टेस्ट

डार्विन, 16 अगस्त। बांग्लादेश क्रिकेट के इतिहास में रविवार का दिन सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गया। मेहदी हसन मिराज और हसन महमूद की शानदार गेंदबाजी के बाद सलामी बल्लेबाजों के संयमित प्रदर्शन की बदौलत बांग्लादेश ने डार्विन टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को नौ विकेट से हराकर उसकी धरती पर अपनी पहली टेस्ट जीत दर्ज की। यह ऑस्ट्रेलिया में बांग्लादेश की तीसरी कोशिश थी और 23 साल बाद देश में खेला गया उसका पहला टेस्ट था।

ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी 284 रन पर समेटने के बाद बांग्लादेश को जीत के लिए केवल 57 रन का लक्ष्य मिला। मेहदी हसन मिराज ने ऑस्ट्रेलियाई पारी को समेटने में अहम भूमिका निभाते हुए पांच विकेट लिए, जबकि हसन महमूद ने तीन विकेट झटके।

लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ने एक विकेट गंवाकर 57 रन बनाए और मैच अपने नाम कर लिया। मोमिनुल हक ने विजयी रन बनाकर ऐतिहासिक जीत पर मुहर लगाई। मोमिनुल 30 और शादमान इस्लाम 25 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से जोश हैजलवुड ने एक विकेट लिया।

तंजिद के शतक ने रखी जीत की नींव : बांग्लादेश ने पहली पारी में 426 रन बनाए थे। तंजिद हसन तमीम ने 101 रन की शानदार पारी खेलकर अपना पहला टेस्ट शतक

लगाया। कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने 84 और मेहदी हसन मिराज ने 65 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के जोश हैजलवुड ने छह विकेट लिए, लेकिन बांग्लादेश की मजबूत बल्लेबाजी ने मेजबान टीम पर दबाव बना दिया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी सिर्फ 198 रन पर सिमट गई। हसन महमूद ने कहर बरपाते हुए छह विकेट चटकाए, जबकि इबादत हुसैन ने दो विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से स्टीव स्मिथ ने सर्वाधिक 71 रन बनाए।

ग्रीन के शतक के बावजूद नहीं बचा ऑस्ट्रेलिया: 228 रन से पिछड़ने के बाद ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में कैमरन ग्रीन ने संघर्षपूर्ण 104 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने 44 रन का योगदान दिया, लेकिन बांग्लादेश के गेंदबाजों ने लगातार दबाव बनाए रखा। मेहदी हसन मिराज ने 5/56 और हसन महमूद ने 3/66 की शानदार गेंदबाजी कर ऑस्ट्रेलिया की पारी 284 रन पर समेट दी। इसके बाद बांग्लादेश के सामने सिर्फ 57 रन का लक्ष्य था, जिसे उसने आसानी से हासिल कर लिया।

ऑस्ट्रेलिया पर बांग्लादेश की दूसरी बड़ी जीत : बांग्लादेश ने इससे पहले नौ साल पहले घरेलू मैदान पर भी ऑस्ट्रेलिया को टेस्ट में हराया था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की धरती पर मिली यह जीत कहीं अधिक ऐतिहासिक है। खास बात यह है कि बांग्लादेश ने दुनिया की नंबर एक टेस्ट टीम मानी जाने वाली ऑस्ट्रेलिया को पूरे मैच में पूरी तरह दबाव में रखा। यह बांग्लादेश की इस साल की शानदार वापसी का भी प्रतीक है। राजनीतिक कारणों से टी20 विश्व कप में हिस्सा नहीं लेने वाली बांग्लादेशी टीम ने मार्च के बाद से लगातार बेहतर प्रदर्शन किया है और अब ऑस्ट्रेलिया की धरती पर ऐतिहासिक टेस्ट जीत दर्ज कर अपनी क्रिकेट यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ दिया है।

डार्विन के लगभग खाली मरारा ओवल में मौजूद बांग्लादेशी प्रशंसकों ने जीत के बाद जमकर जश्न मनाया। खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए यह पूरा दिन जश्न में बदल गया।

स्पेन ने क्रिकेट में रचा नया इतिहास, 21वीं जीत के साथ तोड़ा ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड

नई दिल्ली,16 अगस्त। स्पेन की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार 21 जीत दर्ज कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। फिनलैंड को आठ विकेट से हराकर स्पेन ने यह खास उपलब्धि हासिल की। यह मुकाबला 2028 टी20 विश्व कप के लिए यूरोप उप-क्षेत्रीय क्वालीफायर सी में स्पेन का पहला मैच था। फिनलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 131 रन का लक्ष्य दिया था। स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए केवल दो विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया और लगातार जीत का सिलसिला 21 मुकाबलों तक पहुंचा दिया। स्पेन की क्रिकेट टीम ने लगातार इक्कीस टी20 जीत दर्ज कर रिकी पोंटिंग के नेतृत्व वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का रिकॉर्ड तोड़ते हुए अंतरराष्ट्रीय पटल पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। मौजूद जानकारी के अनुसार, स्पेन की यह लगातार 21वीं टी20 अंतरराष्ट्रीय जीत है। उसका यह सिलसिला फरवरी 2023 में आइल ऑफ मैन के खिलाफ जीत से शुरू हुआ था। इसके बाद टीम ने जर्सी, क्रोएशिया, चेक गणराज्य, ग्रीस और फिनलैंड जैसी यूरोपीय टीमों को लगातार हराया है। साल 2025 का अंत भी स्पेन ने लगातार 20 जीत के साथ किया था और 2026 में अपने पहले ही आधिकारिक मुकाबले में जीत दर्ज कर नया रिकॉर्ड बना दिया।

डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में बांग्लादेश चौथे स्थान पर, ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर कायम

नई दिल्ली, 16 अगस्त। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डार्विन में खेले गए पहले टेस्ट में नौ विकेट की ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद बांग्लादेश ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 की अंक तालिका में अपना चौथा स्थान मजबूत कर लिया है। बांग्लादेश ने पहली बार ऑस्ट्रेलिया की धरती पर द्विपक्षीय टेस्ट मुकाबला जीता है।

इस जीत में तंजीद हसन के शानदार शतक के अलावा हसन महमूद और मेहदी हसन मिराज के पांच-पांच विकेट ने अहम भूमिका निभाई। इस जीत के साथ नजमुल हुसैन शांतो की अगुवाई वाली बांग्लादेशी टीम ने तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली है।

डार्विन टेस्ट जीतने के बाद बांग्लादेश का अंक प्रतिशत (पीसीटी) बढ़कर 66.67 हो गया है। टीम ने पांच टेस्ट में तीन जीत, एक हार और एक ड्रॉ के साथ 40 अंक हासिल किए हैं। हालांकि, वह तालिका में चौथे स्थान पर ही है।

ऑस्ट्रेलिया को हार के बावजूद 77.78 प्रतिशत अंक के साथ शीर्ष स्थान पर कोई नुकसान नहीं हुआ है। ऑस्ट्रेलिया ने नौ टेस्ट में सात जीत और दो हार के साथ 84 अंक हासिल किए हैं।

दक्षिण अफ्रीका 75 प्रतिशत अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। उसने चार टेस्ट में तीन जीत और एक हार दर्ज की है। न्यूजीलैंड 72.22 प्रतिशत अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। न्यूजीलैंड ने छह टेस्ट में चार जीत, एक हार और एक ड्रॉ से 52 अंक हासिल किए हैं।

भारत नौ टेस्ट में चार जीत, चार हार और एक ड्रॉ के साथ 52 अंक लेकर 48.15 प्रतिशत अंक के साथ पांचवें स्थान पर है। उसके बाद श्रीलंका 41.67 प्रतिशत के साथ छठे स्थान पर है।

इंग्लैंड 13 टेस्ट में चार जीत, आठ हार और एक ड्रॉ के साथ 24.36 प्रतिशत अंक लेकर सातवें स्थान पर है। उसके आठ अंकों की कटौती हुई है। पाकिस्तान 22.22 प्रतिशत के साथ आठवें और वेस्टइंडीज 20.83 प्रतिशत के साथ नौवें स्थान पर है।

डीपीएलः यश और सिद्धार्थ के तूफानी अर्धशतक, सेंट्रल दिल्ली किंग्स जीती

नई दिल्ली, 16 अगस्त। यश धुल और सिद्धार्थ जॉन की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 के मुकाबले में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को आठ विकेट से करारी शिकस्त दी। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में सेंट्रल दिल्ली ने 151 रन का लक्ष्य महज 9.3 ओवर में दो विकेट खोकर हासिल कर लिया और 63 गेंद शेष रहते शानदार जीत दर्ज की।

टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने शानदार गेंदबाजी करते हुए नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को 20 ओवर में 150/9 रन पर रोक दिया। नॉर्थ दिल्ली की पारी में भारत सिंधवानी ने 27 गेंदों पर 34 रन बनाए, जबकि यश भाटिया ने 15 गेंदों पर 24 और अर्जुन रापरिया ने नाबाद 17 गेंदों पर 28 रन का योगदान दिया।

सेंट्रल दिल्ली की ओर से तेज गेंदबाज मनी ग्रेवाल ने कप्तान सार्थक रंजन को 10 रन पर आउट कर शुरुआती सफलता दिलाई। इसके बाद गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट निकालकर नॉर्थ दिल्ली को बड़ा स्कोर बनाने से रोके रखा। लेग स्पिनर तेजस बड़ोका ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में सिर्फ 17 रन देकर दो विकेट लिए। गवनीश खुराना ने 25 रन देकर दो, आत्रेय त्रिपाठी ने 43 रन देकर दो और अभिषेक कुमार यादव ने 37 रन देकर दो विकेट हासिल किए।

जूलियन वेबर ने 90.40 मीटर भाला फेंक कर तोड़ा यूरोपीय चैंपियनशिप रिकॉर्ड

बर्मिंघम, 16 अगस्त। जर्मनी के भाला फेंक खिलाड़ी जूलियन वेबर ने यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 90.40 मीटर का थ्रो कर स्वर्ण पदक जीत लिया। वेबर ने यह थ्रो अपने अंतिम प्रयास में किया और इसके साथ ही चैंपियनशिप रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। 31 वर्षीय वेबर ने ब्रिटेन के स्टीव बैकली का 89.72 मीटर का पिछला चैंपियनशिप रिकॉर्ड तोड़ा। वेबर अंतिम प्रयास से पहले दूसरे स्थान पर थे और उनके हमवतन निक थुम उनसे आगे चल रहे थे। लेकिन आखिरी थ्रो में वेबर ने 90.40 मीटर की दूरी तय कर स्वर्ण पदक पर कब्जा कर लिया। इस प्रदर्शन के साथ वेबर इस सत्र में 90 मीटर का आंकड़ा पार करने वाले दुनिया के सिर्फ दूसरे भाला फेंक खिलाड़ी बन गए हैं।

दौसा का अंडर -16 टीम चयन ट्रायल सम्पन्न

जयपुर, 16 अगस्त। जिला क्रिकेट संघ सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि आरसीए द्वारा आयोजित अंडर 16 प्रतियोगिता 05 सितंबर से आयोजित की जाएगी जिसके लिए जिले की टीम का चयन ट्रायल दिनांक 16.08.2026 रविवार को राजेश पायलट राजकीय स्टेडियम पर लिया गया।

ट्रायल के लिए आने वाले खिलाड़ियों को अपने मूल दस्तावेज जन्म प्रमाण पत्र, डिजिटल बोनाफाइड प्रमाण पत्र, डिजिटल अपना और अपने माता-पिता के आधार कार्ड और पिछले तीन वर्ष की मार्कशीट ओरिजिनल चेक की गई। सचिव बृज किशोर उपाध्याय द्वारा यह भी बताया गया कि ट्रायल में लगभग 80 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को ट्रायल के आधार पर शॉर्ट लिस्ट करके अभ्यास मैच कराए जाएंगे और पूर्व खिलाड़ियों का पिछले 2 वर्षों का प्रदर्शन भी देखा जाएगा उसके बाद ही 2 या 3 टीम बनाकर अभ्यास मैच के आधार पर फाइनल टीम का चयन किया जाएगा।

अमित शाह ने अलवर से 6453 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास किया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इन परियोजनाओं से राज्य की बुनियादी सुविधाएं मजबूत होंगी

अलवर/जयपुर, 16 अगस्त। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत को पूर्ण विकसित बनाना है तो युवा, गरीब, अन्नदाता और महिला को सशक्त करना होगा। आज इन वर्गों के उत्थान की अवधारणा 'ज्ञान' अर्थात गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के कल्याण का संकल्प पूरा हो रहा है।

केन्द्रीय गृह मंत्री रविवार को अलवर के विजयनगर ग्राउंड में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण-शिलान्यास

- केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि ये लोकार्पण व शिलान्यास केवल ईंट और पत्थर के प्रकल्प नहीं, बल्कि अलवर के मजबूत व उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को अलवर के विजयनगर ग्राउंड में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज किसानों को किसान सम्मान निधि, महिलाओं और पशुपालकों के लिए डेयरी की सुविधाएं तथा युवाओं को नौकरी की सौगात दी गई है। साथ ही, 3 लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता के डेयरी प्लांट का शिलान्यास किया गया है। भविष्य में इसकी क्षमता को 5 लाख लीटर प्रतिदिन किया जाएगा। इससे पशुपालक परिवारों की आर्थिक तरक्की सुनिश्चित होगी।

उन्होंने कहा कि 274 करोड़ रुपये की लागत के सरस डेयरी के चार और प्लांट भीलवाड़ा, जयपुर, पाली और राजसमंद में शुरू हो रहे हैं। इसके साथ-साथ फलोदी, बालोतरा, डीडवाना और प्रतापगढ़ में चार नए केन्द्रीय सहकारी बैंकों की शुरुआत भी आज हो रही है। इनसे किसानों को शून्य ब्याज दर पर ऋण मिल सकेगा।

इस दौरान केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने किसान सम्मान निधि योजना की छठी किस्त के तहत 66 लाख 74 हजार से अधिक किसानों के खातों में करीब 667 करोड़ रुपए एवं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 152 करोड़ रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की। उन्होंने नए केन्द्रीय सहकारी बैंकों के गठन के साथ प्रदेश के 17 जिलों में 6 हजार 453 करोड़ रुपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश के 17 जिलों को 6 हजार 453 करोड़ रुपये के 954 विकास कार्यों की सौगात मिली है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य राजस्थान के हर क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना और विकास की गति को तेज करना है।

उन्होंने कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री के मार्गदर्शन में दशकों से लंबित यमुना जल समझौते को मुकाम तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इसके लिए राजस्थान हमेशा उनका ऋणी रहेगा।

केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि केन्द्रीय सहकारिता मंत्री द्वारा विभिन्न परियोजनाओं की सौगात से अलवर विकास के एक नए अध्याय की ओर बढ़ रहा है। जिन विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया है, वे केवल ईंट और पत्थर के बने हुए प्रकल्प नहीं हैं, बल्कि अलवर के मजबूत और उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, पशुपालन एवं डेयरी विकास मंत्री जोराराम कुमावत, गृह राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जवाहर सिंह बेढ म, वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा, सांसद मदन राठौड़, विधायकगण, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड चेयरमैन डॉ. मीनेश शाह सहित सहित अन्य जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

मुझे गर्व है कि मैं "दिमागी नक्सली" हूँ- चिदंबरम

नई दिल्ली, 16 अगस्त। कांग्रेस नेता पी चिंदबरम ने कहा, कि उन्हें गर्व है कि वे "दिमागी नक्सल" हैं। चिदंबरम, प्रधानमंत्री द्वारा स्वाधीनता दिवस पर लाल किले से की गई उस अपील पर कटाक्ष कर रहे थे जिसमें उन्होंने "दिमागी

- कांग्रेस नेता पी. चिदबरम ने प्रधानमंत्री की "दिमागी नक्सलियों" की अपील पर कटाक्ष किया।

नक्सलियों" से सावधान रहने को कहा था। उल्लेखनीय है कि शनिवार को प्रधानमंत्री ने लालकिले से कहा था कि दशकों तक सत्ता में रहे ये दिमागी नक्सली अब मौके की तलाश में हैं और अराजकता के नए रास्ते खोज रहे हैं। ये लोग समाज को गलत राह पर घसीटने के लिए भांति-भांति के दांव चल रहे हैं।

अलगाववादियों व माओवादियों को "दिमागी नक्सल" कहा, विपक्षी नेताओं को नहीं- रिजिजू

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले से राष्ट्र को संबोधित करते हुए "दिमागी नक्सल" शब्द का प्रयोग किया था। उन्होंने ऐसे लोगों को अलग-थलग करने की जरूरत बताई थी।

नई दिल्ली, 16 अगस्त। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'दिमागी नक्सल' शब्द के इस्तेमाल को लेकर रविवार को स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने विपक्षी नेताओं को 'दिमागी नक्सल' नहीं कहा है, बल्कि यह शब्द माओवादियों, अलगाववादियों और भारत को तोड़ने की विचारधारा रखने वालों के लिए इस्तेमाल किया गया है।

रिजिजू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट के जरिए प्रधानमंत्री के बयान की व्याख्या की। उन्होंने कहा कि माओवाद का समर्थन करने, भारतीय संविधान को अस्वीकार करने, अलगाववादियों के साथ खड़े होने और अनुच्छेद 370 का समर्थन करने वाले लोगों के अलावा पूर्वोत्तर भारत को देश के बाकी हिस्सों से अलग करने की कोशिश करने वालों को 'दिमागी नक्सल' कहा गया है।

अपने पोस्ट के साथ रिजिजू ने शर्जील इमाम के एक पुराने बयान का भी हवाला दिया, जिसमें पूर्वोत्तर भारत को देश से अलग करने की बात कही गई थी।

ज्ञातव्य है कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए 'दिमागी नक्सल' शब्द का इस्तेमाल किया था। उन्होंने ऐसे लोगों को अलग-थलग करने की जरूरत बताई थी। इसके बाद विपक्षी दलों ने दावा किया था कि प्रधानमंत्री का इशारा सरकार की नीतियों का विरोध करने वाले विपक्षी दलों और नेताओं की ओर था।

रिजिजू ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने विपक्षी नेताओं को 'दिमागी नक्सल' नहीं कहा है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह शब्द उन लोगों के लिए इस्तेमाल किया गया है जो माओवादी विचारधारा का समर्थन करते हैं, संविधान को अस्वीकार करते हैं या देश की एकता और अखंडता के खिलाफ अलगाववादी विचार रखते हैं।

कांग्रेस की सफाई: सोनिया खड़गे के लिए कुर्सी मांग रही थीं

कांग्रेस ने कहा कि उनके कार्यालय पर स्वतंत्रता दिवस समारोह में वंदे मातरम् का पूरा संस्करण गाया गया

- कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर की सलाह पर 1937 में वंदे मातरम् के प्रारंभिक श्लोक गाने का फैसला लिया गया था।

नई दिल्ली, 16 अगस्त। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर कांग्रेस मुख्यालय में कथित तौर पर पूरा वंदे मातरम् ना गाने को लेकर राजनीति गरमा गई है। भारतीय जनता पार्टी ने सोनिया गांधी पर पूरा गीत ना गाने पर आपत्ति जताई है। जबकि कांग्रेस ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे के लिए कुर्सी मांग रही थीं, क्योंकि खड़गे काफी समय खड़े हुए थे।

कांग्रेस ने कहा कि वंदे मातरम् पूरी तरह से बजने से रोकने की कोई कोशिश नहीं की गई और सोनिया गांधी सिर्फ पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के लिए कुर्सी मांग रही थीं, जो कुछ समय से खड़े हुए थे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने जोर देकर कहा कि शनिवार के कार्यक्रम में गीत का पूरा संस्करण गाया गया था। जयराम रमेश ने गीत के साथ पार्टी के ऐतिहासिक जुड़ाव का हवाला देते हुए कलकत्ता में 1937 में हुई कांग्रेस कार्य समिति की बैठक का जिक्र किया, जिसमें स्वतंत्रता आंदोलन के कई प्रमुख नेता शामिल हुए थे। रमेश ने बताया, 28 अक्टूबर 1937 को कलकत्ता में महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, सरदार वल्लभभाई पटेल, मौलाना अबुल कलाम आजाद, जवाहरलाल नेहरू, गोविंद बल्लभ पंत और सी राजगोपालाचारी की मौजूदगी में कांग्रेस कार्य समिति की बैठक हुई और गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की सलाह पर उन्होंने फैसला लिया कि कांग्रेस अधिवेशन में वंदे मातरम के प्रारंभिक श्लोक गाए जाएंगे।

वंदे मातरम् विवाद पर कांग्रेस 24 घंटे में माफी मांगे- भाजपा

नई दिल्ली, 16 अगस्त। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम के पाठ के कथित विरोध को लेकर कांग्रेस नेतृत्व पर हमला बोला है। भाजपा ने कांग्रेस से इस मामले में सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है।

भाजपा मुख्यालय में रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि राष्ट्रीय गीत का विरोध केवल 'दिमागी नक्सल' विचारधारा से प्रभावित लोग ही कर सकते हैं। उन्होंने कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी से पांच सवाल भी पूछे। भंडारी ने वंदे मातरम का कथित तौर पर अपमान किए जाने को लेकर कांग्रेस से 24 घंटे के भीतर सार्वजनिक माफी मांगने को कहा। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी इस विचारधारा के राजनीतिक संरक्षक हैं। उन्होंने एक ऑडियो का हवाला देते हुए कहा कि इसमें राहुल गांधी के वंदे मातरम नहीं गाने की बात कही गई है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि केरल में कांग्रेस सरकार ने भी आधिकारिक कार्यक्रमों में वंदे मातरम का पाठ नहीं किया।

बाढ़ में लापता हुए सेना के पाँच जवानों की कोई खबर नहीं

ईटानगर, 16 अगस्त। अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण दिबांग वैली जिले में लापता हुए सेना के पांच जवानों का अभी तक कुछ पता नहीं लगा है। उनकी खोज का काम जारी है। हाल ही में अचानक आयी बाढ़ में सेना के पांच जवान लापता हो गए थे, जिसमें से दो का बचा लिया गया था।

इस संबंध में पुलिस अधीक्षक पंकज कुमार ने बताया कि खोज और

- अरूणाचल में भारी वर्षा से आर्मी कैंप से दो शैल्टर शुक्रवार को बह गए थे

बचाव कार्य जारी हैं, लेकिन अभी तक लापता हुए पांच जवानों की कोई खबर नही मिली है। अधिकारी के अनुसार, यह घटना शुक्रवार शाम को हुई, जब दिबांग वैली जिले में अचानक आई बाढ़ में सेना के दो शेल्टर (आश्रय स्थल) बह गए थे। मिपी सर्कल से लगभग 25 किलोमीटर दूर पासु पानी में अचानक आई बाढ़ से यह हादसा हुआ था। इसके कारण आसपास के इलाके में पानी भर गया, जिससे सेना के साथ आम लोगों को भी बहुत परेशानी हुई है। बाढ़ में पासु पानी आर्मी कैंप में 5वीं ग्रेनेडियर्स के दो शेल्टर बह गए थे। इसमें सेना के सात जवान भी थे, जिसमें से दो को बचा लिया गया, जबकि पांच अभी भी लापता हैं।

शेख ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पिछले कुछ हफ्तों से संपर्क में थे। उन्होंने कहा कि 5 अगस्त को नई दिल्ली में शेख हसीना की एक प्रेस वार्ता ने भी रहमान की यात्रा को प्रभावित किया है। करीम ने कहा, "हमारा मानना है कि इस उच्च स्तरीय दौरे के लिए एक अनुकूल माहौल बनाया जाना आवश्यक है।"

बांग्लादेश ने भारत सरकार से द्विपक्षीय प्रत्यर्पण संधि का हवाला देते हुए शेख हसीना और अन्य भगोड़ा अपराधियों को जल्द से जल्द सौंपने का अनुरोध किया है। इसके अलावा, बांग्लादेश ने राजनीतिक कार्यकर्ता उस्मान हादी की हत्या के आरोपियों को भी बांग्लादेश के हवाले करने की मांग की है। बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) द्वारा शेख हसीना को दोषी ठहराए जाने के बावजूद नई दिल्ली में उनकी खुली प्रेस वार्ता को लेकर बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने कड़ी आपत्ति जताई है।

बांग्लादेश का कहना है कि इससे दोनों देशों के बीच संबंधों का माहौल प्रभावित हुआ है। वहीं दूसरी ओर भारत सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि शेख हसीना द्वारा की गई प्रेस वार्ता का भारत सरकार से कोई लेना-देना नहीं है।

प.बंगाल के पूर्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका शव रामपुरहाट शहर स्थित उनके घर से लगे पार्टी कार्यालय में फंदे से लटका मिला। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।

स्थानीय लोगों ने सबसे पहले पार्टी कार्यालय की खिड़की से आशीष बंद्योपाध्याय को फंदे से लटका देखा। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है।

स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, शनिवार को आशीष बंद्योपाध्याय से अनेक पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मुलाकात की थी। 2026 के विधानसभा चुनाव में रामपुरहाट से भाजपा के ध्रुव साहा के हाथों चुनाव हारने के बाद आशीष बंद्योपाध्याय सक्रिय राजनीति से कुछ हद तक दूर हो गए थे। घटनास्थल पर मिले सुसाइड नोट में उन्होंने लिखा कि मैं पार्टी के सभी गलत कामों को हमेशा स्वीकार नहीं कर पाता था, लेकिन मैं विरोध भी नहीं कर सका। मैंने अपनी पूरी जिंदगी में काम के बदले एक पैसा भी नहीं लिया है। सुसाइड नोट में उन्होंने किसी रेत के टेंडर का जिक्र किया है। आशीष ने लिखा कि टीआरडीए (तारापीठ-रामपुरहाट डेवलपमेंट अथॉरिटी) के टेंडर, प्लान पास करने, एनओसी और चेक से जुड़े मामलों में उनकी कोई भूमिका नहीं है।

आशीष ने लिखा कि उनकी मौत के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है और उन्होंने राजनीति में आने पर अफसोस जताया।

'जो वंदे मातरम् ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर और भी अधिक लागू होती है।" इसी वजह से देश को "मदर इंडिया" कहा जाता है। कुन्नुम्मल ने कहा, "इसीलिए जब हम प्रार्थना करते हैं तो वंदे मातरम् कहते हैं। जो लोग वंदे मातरम् कहने का विरोध करते हैं, वे नहीं जानते कि उनकी मां कौन है। लेकिन जो लोग जानते हैं कि उनकी मां कौन है, जो लोग समझते हैं कि मां क्या होती है, वे हमेशा वंदे मातरम् कहेंगे। इसे इसी तरह कहा जाना चाहिए।" छात्र संगठनों एसएफआई और केएसयू ने आरोप लगाया है कि कुन्नुम्मल केरल विश्वविद्यालय में आरएसएस के एजेंडे को लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। केरल के राज्यपाल द्वारा कुन्नुम्मल को कुलपति नियुक्त किए जाने पर एलडीएफ और यूडीएफ ने सवाल उठाए हैं। दोनों गठबंधनों ने आरोप लगाया है कि यह केरल की शिक्षा व्यवस्था को "भगवा रंग" देने की कोशिश है।

रांची में आंदोलनकारी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग भी उठाई है।

आंदोलन में अब छात्रों के साथ उनके परिजन भी जुड़ रहे हैं। छात्रों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर सरकार ठोस निर्णय नहीं लेती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा और आने वाले दिनों में इसे और व्यापक किया जाएगा। वहीं, छात्रों से बातचीत करने के लिए एक बार फिर राज्य सरकार तैयार हो गई है।

एसडीएम के मुताबिक, सोमवार, 17 अगस्त को छात्रों को बातचीत के लिए आमंत्रित किया गया है। राज्य सरकार ने छात्रों को विधि सलाहकार के साथ दोपहर दो बजे बातचीत के लिए बुलाया है।

देश के युवा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निर्माण में युवाओं से आगे आने का आव्हान करते हुए कहा कि भारत को दूसरे देशों पर निर्भर रहकर नहीं जीना है। दुनिया में कई चीजें सस्ती और आसानी से मिल सकती हैं, लेकिन देश का वास्तविक सामर्थ्य अपनी क्षमताओं के निर्माण से तैयार होता है। इसलिए भारत को अपनी जरूरतों और राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा के लिए अपनी क्षमताओं को लगातार मजबूत करना होगा।

कड़ी होड़ लगी है, यू.एन. के महासचिव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में उनका अनुभव उन देशों को पसंद आ सकता है, जो असमानता, कर्ज और वैश्विक आर्थिक सुधार पर ध्यान केन्द्रित करने वाले नेता की तलाश में हैं। उनकी बढ़त उन्हें सबसे मजबूत दावेदार बनाती है, हालांकि सुरक्षा परिषद के किसी स्थायी सदस्य का समर्थन उनके भविष्य का फैसला कर सकता है।

गुयाना की पूर्व विदेश मंत्री और अनुभवी राजनयिक रोड्रिग्स-बिरकेट पहले मतदान में दूसरे स्थान पर रहीं। उनकी उम्मीदवारी में कैरिब्रियन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व, बहुपक्षीय कूटनीति का अनुभव और ऊर्जा उत्पादन करने वाले एक छोटे देश का नज़रिया शामिल है।

अर्जेंटीना के राजनयिक ग्रॉसी, जो अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आई.ए.ई.ए.) के प्रमुख हैं, पुरुष उम्मीदवारों में शायद सबसे चर्चित नाम हैं। परमाणु सुरक्षा से जुड़े मामले, खासकर यूक्रेन युद्ध के दौरान, उन्हें अंतरराष्ट्रीय संकट प्रबंधन में मजबूत दावेदार बनाते हैं। माना जाता है कि उन्हें वॉशिंगटन का समर्थन हासिल है, हालांकि दूसरी बड़ी शक्तियां उनकी उम्मीदवारी का विरोध कर सकती हैं।

चिली की पूर्व राष्ट्रपति और संयुक्त राष्ट्र की पूर्व मानवाधिकार उच्चायुक्त मीशैल बाशले अपने साथ राजनीतिक कद और सरकार तथा अंतरराष्ट्रीय मामलों का व्यापक अनुभव लेकर आती हैं। उनका मानवाधिकार रिकॉर्ड उनके लिए फायदे और नुकसान दोनों का कारण बन सकता है, क्योंकि चीन, अमेरिका और रूस उम्मीदवारों की बारीकी से जाँच-परख करते हैं।

इक्वाडोर की पूर्व विदेश और रक्षा मंत्री तथा संयुक्त राष्ट्र महासभा की पूर्व अध्यक्ष मारिया फर्नांडा एस्पिनोसा एक और अनुभवी लैटिन अमेरिकी राजनयिक हैं। वह बहुपक्षीय व्यवस्था, लैंगिक समानता और विकासशील देशों की अधिक मजबूत भूमिका पर जोर देती हैं। सेनेगल के पूर्व राष्ट्रपति मैकी साल सबसे प्रमुख अफ्रीकी उम्मीदवार हैं। राष्ट्रीय नेता के रूप में उनका अनुभव उन्हें राजनीतिक मजबूती देता है और साथ ही संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष पद पर विभिन्न क्षेत्रों को व्यापक प्रतिनिधित्व देने की मांग को भी जीवित रखता है।

दौड़ में देर से शामिल होने वाले उम्मीदवार युगांडा के ओलारा ओटुन्नू हैं। वह संयुक्त राष्ट्र के पूर्व उप-महासचिव और बच्चों तथा सशस्त्र संघर्ष से जुड़े मामलों के विशेष प्रतिनिधि रह चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र संस्थान में उनके अनुभव के कारण, यदि प्रमुख उम्मीदवारों के बीच गतिरोध पैदा होता है तो वह "समझौते वाले उम्मीदवार" के तौर पर आगे आ सकते हैं।

हालांकि, अंततः इस चुनाव का फैसला लोकप्रियता से ज्यादा भू-राजनीति से होगा। पंद्रह सदस्यीय सुरक्षा परिषद को एक उम्मीदवार की सिफारिश करनी होगी। इसके पांच स्थायी सदस्य-अमेरिका, चीन, रूस, ब्रिटेन और फ्रांस-वीटो का अधिकार रखते हैं। जनरल असैंबली द्वारा सैक्रेटरी जनरल के तौर पर औपचारिक नियुक्ति से पहले किसी उम्मीदवार को कम से कम नौ वोट हासिल करने होंगे और किसी स्थायी सदस्य का वीटो नहीं होना चाहिए। इसलिए यह मुकाबला न केवल व्यक्तित्वों की परीक्षा बन जाता है, बल्कि संयुक्त राष्ट्र की भविष्य की दिशा की परीक्षा भी बन जाता है। वॉशिंगटन ऐसा नेता चाहता है, जो व्यापक वित्तीय और ढांचागत सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हो, जबकि बीजिंग ऐसे उम्मीदवार की तलाश में है जो ग्लोबल साउथ की बड़ी भूमिका और संयुक्त राष्ट्र प्रणाली में चीन के बढ़ते प्रभाव के प्रति सहानुभूति रखता हो।

जीतने वाले के लिए यह पद पुरस्कार कम और एक कठिन जिम्मेदारी अधिक होगा। उसे ऐसे संगठन को फिर से मजबूत करने का काम करना होगा, जिसकी विश्वसनीयता, वित्तीय स्थिति और कार्रवाई करने की क्षमता पर अभूतपूर्व दबाव है।

'हाई कोर्ट "आर्बिट्रेटर" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आखिरकार 30 अप्रैल 2025 तक का समय दिया गया। परन्तु इस अवधि में भी जब सुनवाई पूर्ण नहीं हो पा रही थी तो समय अवधि पुनः बढ़ा ने के लिए एच सी एल ने कमर्शियल कोर्ट में गुहार की और आखिरकार कमर्शियल कोर्ट ने 30 सितंबर 2026 तक समय अवधि बढ़ा I दी। इस आदेश के खिलाफ सभी संबंधित विद्युत वितरण निगम हाई कोर्ट पहुंची थी जिसपर सुनवाई करते हुए अदालत ने ट्रिब्यूनल को 1 महीने का समय दिया था सुनवाई का निस्तारण करने और उसके अतिरिक्त 15 दिन का समय फैसला सुनने के लिए। हालांकि अदालत ने माना था कि मामला बेहद ही पेचीदा है और 33 अलग अलग तरह के दावे है, अलग अलग अनुबन्धनो से सम्बन्धित जो अलग अलग शहरों में क्रियान्वित किए जाने थे इसलिए अदालत ने कमर्शियल कोर्ट के फैसले को निरस्त नहीं किया परन्तु सुनवाई की समय अवधि को घटा दिया। सुप्रीम कोर्ट में दायर विशेष याचिका में भी यही तथ्य बताया गया है कि अलग अलग विद्युत वितरण निगमो के साथ हुए अनुबंधनो के चलते मामला पेचीदा है। इसमें करीबन 50 हजार दस्तावेज तथ्यों के तौर पर दायर करे गए है । जिसकी सुनवाई शीघ्र करना अत्यंत ही कठिन है। रिटायर्ड सुप्रीम कोर्ट जज की ओर से कहा गया कि ट्रिब्यूनल अपनी सुनवाई कैसे करता है यह हाई कोर्ट निर्धारित नहीं कर सकता और न ही यह आदेश पारित कर सकता है कि सुनवाई कर रहे न्यायधीश कैसे और कितनी फीस लेंगे। कानूनन यह दोनों मध्यस्थता में भाग ले रहे पक्षों के बीच ही तय कर जाता है कि मध्यस्थता कर रहे आर्बिट्रेटर की फीस क्या होगी, इसमें अदालतों का हस्तक्षेप उचित नहीं है। याचिकाकर्ता द्वारा इसपर भी आपत्ति जताई गई कि हाई कोर्ट इतने पेचीदा मामले की सुनवाई में लग रहे उचित समय को आलसी और अनौपचारिक रवैये के तौर पर बताकर अनुचित करार दे।

किसानों के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शांतिपूर्ण रहेगी। इसका उद्देश्य किसानों से जुड़े मुद्दों के साथ अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील के विरोध की आवाज केंद्र सरकार तक पहुंचाना है।

'हैल्थ इंश्योरैंस पॉलिसी के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होती है। इससे मरीजों को यह समझना मुश्किल हो जाता है कि अस्पताल का कितना बिल वास्तव में उनकी बीमा कंपनी चुकाएगी। इलाज की लागत और बीमा दावों को लेकर अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच विवाद होने पर भुगतान में और देरी हो सकती है।

एक प्रस्ताव यह है कि अस्पतालों और बीमा कंपनियों की सहमति से इलाज की बैंचमार्क रेट तय की जाएं। इसका उद्देश्य इलाज की कीमतों को अधिक निश्चित बनाना, विवाद कम करना और फर्ज़ी या अनुचित दावों पर रोक लगाने में मदद करना है।

हालांकि, स्टैण्डर्ड रेट का मतलब यह नहीं होगा कि सभी अस्पतालों में इलाज की कीमत एक जैसी होगी। लोकेशन, इन्फ्रास्ट्रक्चर स्टाफिंग, टैक्नोलॉजी और स्पैशलाइज़्ड केयर के स्तर के अनुसार खर्च अलग-अलग होता है। इसलिए, किसी भी बैंचमार्क में ऐसे अंतर को ध्यान में रखना होगा और साथ ही कीमतों में बहुत ज्यादा अंतर को रोकना होगा।

सुधार की यह पहल तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य सेवाओं की लागत के बीच हो रही है। चर्चा से जुड़े लोगों के अनुसार, उद्योग के अनुमान में चिकित्सा महंगाई सालाना लगभग 12 प्रतिशत से 14 प्रतिशत है।

अस्पताल में भर्ती होने का खर्च, दवाइयों, जांच और विशेषज्ञ डॉक्टरों की फीस बढ़ने का मतलब है कि बीमा पॉलिसी लेने वालों को अब अपनी जेब से होने वाले खर्च से बचने के लिए ज्यादा इंश्योरैंस कवर की जरुरत पड़ रही है। अगर चिकित्सा खर्च इसी गति से बढ़ता रहा, तो जो बीमा पॉलिसी आज पर्याप्त लगती है, वह कुछ साल बाद उतनी सुरक्षा नहीं दे पाएगी।

विचाराधीन एक अन्य प्रस्ताव, एक समान स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी का है, जिसे बीमा कंपनियां अपनी मौजूदा पॉलिसियों के साथ पेश करेंगी। इसमें कवरेज, लाभ और शर्तों का एक स्टैण्डर्ड आधार तय किया जा सकता है, जिससे ग्राहकों को अलग-अलग पॉलिसियों की तुलना करना आसान हो जाएगा। इससे जुड़ा एक अन्य प्रस्ताव बीमा के तहत आने वाले इलाज की एक समान सूची तैयार करना है। ऐसी सूची से यह अनिश्चितता कम हो सकती है कि किसी खास इलाज के लिए बीमा मिलेगा या नहीं। इससे बीमा लेने वालों, अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच विवाद भी कम हो सकते हैं।

उपभोक्ताओं के लिए इसका महत्व काफी बड़ा हो सकता है। अलग-अलग पॉलिसियों के जटिल दस्तावेजों, अलग-अलग शर्तों और किन चीजों को शामिल नहीं किया गया है, इसकी तुलना करने के बजाय उनके पास पॉलिसियों को परखने के लिए एक स्पष्ट स्टैण्डर्ड आधार होगा। इन सुधारों का उद्देश्य ऐसे देश में बीमा की पहुंच बढ़ाना भी है, जहां इलाज का खर्च परिवारों पर बड़ा आर्थिक बोझ डाल सकता है।

भारत में बीमा पर होने वाला खर्च जी.डी.पी. का 4 प्रतिशत से भी कम है, जबकि वैश्विक औसत 7 प्रतिशत से अधिक है। स्वास्थ्य बीमा बाजार में 40 से अधिक बीमा कंपनियां काम कर रही हैं। मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष में उद्योग का प्रीमियम करीब 1.17 लाख करोड़ रुपये था।

बेहतर स्टैंडर्डाइज़ेशन से पॉलिसी को समझना और उनकी तुलना करना आसान हो सकता है, जिससे कवरेज का दायरा बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

इन सुधारों की सफलता अंततः इस बात पर निर्भर करेगी कि वे उपभोक्ताओं की सुरक्षा और हैल्थकेयर सर्विस देने की इकोनॉमिक्स के बीच कैसे संतुलन बनाते हैं। अस्पताल ऐसी तय दरों का विरोध कर सकते हैं जो विशेषज्ञ इलाज की वास्तविक लागत को ध्यान में नहीं रखती हों। वहीं, बीमा कंपनियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि स्टैंडर्डाइज़ेशन के कारण जरूरी इलाज तक पहुंच सीमित न हो।

बीमा पॉलिसी लेने वालों के लिए सबसे अहम सवाल सीधा है: पॉलिसी में क्या-क्या शामिल होगा, इसकी कीमत कितनी होगी और उन्हें अपनी जेब से कितना खर्च करना पड़ेगा?

अगर प्रस्तावित बदलाव इन सवालों के स्पष्ट जवाब दे पाते हैं, तो वे भारत के स्वास्थ्य बीमा बाजार में अधिक पारदर्शिता की दिशा में एक बड़ा बदलाव ला सकते हैं। यह ऐसे समय में महत्वपूर्ण है जब बढ़ता इलाज का खर्च पर्याप्त बीमा सुरक्षा की जरूरत को लगातार बढ़ा रहा है।

SBI
भारतीय स्टेट बैंक
केन्द्रीय भर्ती एवं पदोन्नति विभाग, कॉरपोरेट केंद्र, मुंबई
फोन: 022-22820427
आवेदन के लिए क्यूआर स्कैन करें

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) में लिपिक संवर्ग में कनिष्ठ सहयोगी (ग्राहक सहायता और विक्रय) की भर्ती

भारतीय स्टेट बैंक में नियमित आधार पर कनिष्ठ सहयोगी (ग्राहक सहायता और विक्रय) के पद पर नियुक्ति के लिए पात्र भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं.

रिक्तियों की संख्या :
नियमित: 7680 + बैकलॉग: 287

पात्रता मानदंड (आयु, शैक्षणिक योग्यता, आदि), आवश्यक शुल्क, ऑनलाइन आवेदन करने एवं ऑनलाइन शुल्क भुगतान के लिए बैंक की वेबसाइट **https://sbi.bank.in/web/careers/current-openings** पर विज्ञापन क्र. **CRPD/CR/2026-27/17** के अंतर्गत लिंक उपलब्ध हैं. प्रत्याशियों को परामर्श दिया जाता है कि वे विस्तृत विज्ञापन देखें और आवेदन करने एवं शुल्क भुगतान करने से पहले अपने पात्रता मानदंडों और अन्य विवरणों को सुनिश्चित कर लें.

- **ऑनलाइन पंजीकरण और शुल्क के भुगतान की तिथि: 11.08.2026 से 31.08.2026 तक.**

अधिक जानकारी के लिए **"CONTACT US" → "Post Your Query"** लिंक के माध्यम से हमें लिखें, जो ऊपर उल्लिखित बैंक की आधिकारिक वेबसाइट **https://sbi.bank.in/web/careers/current-openings** पर उपलब्ध है.

स्थान: मुंबई
दिनांक: 11.08.2026
महाप्रबंधक (आरपी एंड पीएम)

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908